राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 20 | अंक :22 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika

/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

नई दिल्ली, बुधवार, 14 अगस्त, 2024 | श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी, संवत् 2081

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे पिछली बार के पदकवीर

@ स्पोर्ट्स &गेमिंग

श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर : एकमात्र ज्योतिर्लिंग जहां शिव के साथ ब्रह्मा और विष्णु का है वास

@ इंडिया&वर्ल्ड

मेड इन इंडिया : अब जापानी करेंगे भारतीय कार की सवारी

@ बिजनेस&वेल्थ

आश्रम पहुंचा

चुनाव से पहले फिर जेल से बाहर आया राम रहीम

चंडीगढ़. हत्या और रेप के मामलों में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा का प्रमुख गुरमीत राम रहीम हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले फिर जेल से बाहर आ गया है। राज्य सरकार से 21 दिन की फरलो मिलने के बाद मंगलवार को सुनारिया जेल से उसे पुलिस सुरक्षा में उत्तर प्रदेश के बरनावा आश्रम ले जाया गया। इससे पहले जनवरी में वह 50 दिन की पैरोल पर छूटा था। सबसे पहले उसे जून 2022 में 30 दिन की फरलो मिली थी।

■ आसाराम को सात दिन की आपात पैरोल

जोधपुर@ पत्रिका. राजस्थान हाईकोर्ट ने यौन शोषण मामले में उम्र कैद सजा भुगत रहे आसाराम को आयुर्वेद उपचार के लिए सात दिन की आपातकालीन पैरोल दी है। आसाराम को पुलिस अभिरक्षा में उपचार करवाना होगा, जिसका खर्च उसी को वहन करना होगा।

न्यूज विंडो

■ विनेश के मेडल पर 16 को फैसला

पेरिस@ पत्रिका. भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को रजत पदक मिलेगा या नहीं, इस पर फैसला 16 अगस्त को आएगा। खेल पंचाट (कैस) ने मंगलवार को विनेश की अपील पर फैसला शुक्रवार तक स्थगित कर दिया। इससे विनेश का इंतजार बढ़ गया है।

■ आतंकियों के नौ मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर@ पत्रिका. जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कठुआ जिले में आतंकियों के नौ मददगारों को गिरफ्तार किया है। ये आतंकियों को आसपास के इलाकों, मार्गों की जानकारी देते थे। कठुआ के साथ ऊधमपुर व डोडा में सक्रिय ये मददगार हैंडलरों के संपर्क में थे। इन्हें पता होता था कि कब और कहां से घुसपैठ होने वाली है।

झरोखा

हाईकोर्ट सख्त : पुलिस और अस्पताल की भूमिका पर जताया असंतोष

महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले की सीबीआइ करेगी जांच

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. कोलकाता हाईकोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के रेप और हत्या के मामले की सीबीआइ जांच के आदेश दिए हैं। यह फैसला मंगलवार को देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद आया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम ने आदेश दिया कि इस मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और सभी बयान तुरंत सीबीआइ को सौंप दिए जाएं।

हाईकोर्ट ने आरजी कर मामले में पांच जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए अस्पताल प्रशासन की ओर से मामले को संभालने के तरीके पर गंभीर चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि अस्पताल प्रशासन की तरफ से कई खामियां रही हैं। अस्पताल प्रशासन को ही मामला दर्ज कराना चाहिए था। केस डायरी देखने के बाद पीठ ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। मृतक के परिवार के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि पुलिस को रविवार तक समय क्यों दिया जाए? मामले को क्यों नहीं सीबीआइ को सौंपा जाए। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। पीठ ने निर्देश दिया कि सीबीआइ अगली सुनवाई में जांच की प्रगति पर रिपोर्ट पेश करे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। शेष@पेज10

नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मंगलवार को प्रदर्शन करते डॉक्टर।

क्या सड़क किनारे मिला शव?

कोर्ट ने महिला डॉक्टर की हत्या पर अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर शुरू की गई जांच पर भी सवाल उठाए। सरकारी वकील ने कहा कि इस तरह के महत्त्वपूर्ण मामले में अप्राकृतिक मौत का मामला ही दर्ज किया जाता है। पहले किसी ने शिकायत नहीं की थी, इसलिए इसे अप्राकृतिक मौत कहा गया। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, 'इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती। क्या शव सड़क के किनारे से बरामद हुआ था? अब बहुत हो गया है। यह तर्क मत करें।'

चार जूनियर डॉक्टरों से पूछताछ

मेडिकल कॉलेज के चार जूनियर डॉक्टरों को मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया। पुलिस के अनुसार मृतका के साथ रात का खाना खाने वाले डॉक्टरों को आरोपी नहीं बनाया गया है, लेकिन उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। पुलिस ने विभागाध्यक्ष, सहायक अधीक्षक, पुरुष-महिला नर्सों, कर्मचारियों व सुरक्षाकर्मियों से भी पूछताछ की।

भाजपा ने घटना को बताया 'निर्भया-2'

भाजपा ने घटना को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। पार्टी ने घटना की तुलना दिल्ली के निर्भया कांड से करते हुए इसे निर्भया-2 बताया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिस तरह अपराधियों को संरक्षण दिया गया, वह और भी दुखद है। वहीं प्रिंसिपल प्रोफेसर संदीप घोष को इस्तीफा देने के 24 घंटे के भीतर अन्य कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में नियुक्त किया गया, वह बंगाल सरकार के संरक्षण को दर्शाता है।

हड़ताल से ओपीडी सेवाओं पर असर **घटना** के विरोध में देशभर के सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे। इससे ओपीडी सेवाएं और गैर-आपातकालीन सर्जरी प्रभावित हुई।

ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा : भारत के दबाव के बाद सुरक्षा का भरोसा

हिंदुओं के बीच पहुंचे यूनुस, कहा- बांग्लादेश पर सभी का बराबर हक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. भारत के दबाव के बीच बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा रोकने का प्रयास करते हुए अंतरिम सरकार के नेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने मंगलवार को राजधानी ढाका में ढाकेश्वरी मंदिर पहुंच हिंदू समुदाय के लोगों से बातचीत की। ढाकेश्वरी मंदिर बांग्लादेश के सबसे पवित्र शक्तिपीठों और सबसे बड़े हिंदू मंदिरों में से एक है।

ढाकेश्वरी मंदिर में मोहम्मद यूनुस ने हिंदुओं से देश की स्थिति को सामान्य करने के लिए सहयोग मांगा और सुरक्षा का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश पर सभी का समान अधिकार है। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। उन्होंने कहा कि यह समय देश को संकट से बाहर निकालने का है। बंटने का नहीं, बल्कि साथ रहने का है। सभी को धैर्य और संयम का पालन करना होगा। हम ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जहां सभी एक परिवार जैसे रहे। उन्होंने अंतरिम सरकार की ओर से हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

मोहम्मद यूनुस ने मंदिर परिसर में पूजा उद्जापन परिषद के अध्यक्ष बासुदेब धर, महासचिव संतोष शर्मा सहित हिंदू समाज के नेताओं से बातचीत कर स्थिति को समझने की कोशिश की। बांग्लादेश में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हैं। देश में हिंदुओं की आबादी 10 फीसदी है। शेख हसीना के अचानक इस्तीफे और देश छोड़ने के बाद हिंदू समुदाय भीड़ के निशाने पर रहा है। कई शहरों में हिंदुओं के घरों, मंदिरों और दुकानों पर हमले हुए हैं। शेष@पेज10

ढाकेश्वरी मंदिर में हिंदु समुदाय के लोगों से बात करते प्रो. यूनुस।

बांग्लादेश में मेरे पिता और शहीदों का अपमान हुआ : शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना से सत्ता से हटने के बाद पहली बार दिए बयान में प्रदर्शन के दौरान हुई हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ सजा की मांग की है। हसीना के बेटे सजीब ने सोशल मीडिया पोस्ट में पूर्व पीएम का बयान साझा किया। इसमें हसीना ने बांग्लादेशी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आप सभी से 15 अगस्त को राष्ट्रीय शोक दिवस के रूप में गंभीरता व गरिमा के साथ मनाने की अपील करती हूं। बंगबंधु भवन में प्रार्थना करके सभी आत्माओं की मुक्ति के लिए प्रार्थना करें। बांग्लादेश के संस्थापक व पिता शेख मुजीब के संग्रहालय को नष्ट करने की निंदा करते हुए पूर्व पीएम ने कहा कि राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में हमने आजाद मुल्क के रूप में पहचान हासिल की। ऐसे शेख मुजीब का प्रदर्शन में घोर अपमान किया गया, उन लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद हुए लाखों लोगों व राष्ट्रपिता का अपमान किया है। मैं देशवासियों से न्याय चाहती हूं। हसीना फिलहाल भारत में हैं।

पूर्व कानून मंत्री अनीसुल गिरफ्तार

बांग्लादेश में आवामी लीग के नेताओं को गिरफ्तार का सिलसिला जारी है। शेख हसीना के सलाहकार सलमान एफ रहमान और पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वह दोनों ढाका के सदरघाट इलाके से भागने की कोशिश कर रहे थे।

ताकत : स्वदेशी एंटी टैंक मिसाइल का परीक्षण सफल

कंधे से दागी मिसाइल ढाई किमी दूर से ही उड़ा देगी दुश्मन का टैंक

पोखरण फील्ड रेंज में दागी गई एमपी-एटीजीएम और ध्वस्त किया गया लक्ष्य।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश 78वें स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पहले मंगलवार को देश की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनाने की दो अच्छी खबरें आईं। राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी मानव पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपी-एटीजीएम) का सफल परीक्षण किया गया। डीआरडीओ ने इस प्रणाली को डिजाइन व विकसित किया है। एमपी-एटीजीएम एक कंधे से दागी जाने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसे ढाई किलोमीटर दूर तक दुश्मन के टैंकों व बख्तरबंद वाहनों को बेअसर करने के लिए डिजाइन किया है। इसका प्रक्षेपण भार 15 किलोग्राम से कम है। इससे दिन-रात में दुश्मन का खात्मा किया जा सकता है।

30 किलोमीटर दूर तक मार करेगी समर-2: भारत दिसंबर तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए नई विकसित वायु रक्षा प्रणाली, समर-2 का परीक्षण करने को तैयार है। शेष@पेज10

ट्रंप लाइव : मस्क के साथ इंटरव्यू में कभी नरम, कभी गरम

'मैंने बहस में हरा दिया... बाइडन का दौड़ से बाहर होना तख्तापलट'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. अमरीका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगरमियों के बीच रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को एक्स के मालिक एलन मस्क के साथ लाइव इंटरव्यू में बैठे। एक्स पर साइबर हमलों ने इंटरव्यू देखने वाले यूजर्स की संख्या घटा दी, फिर भी ट्रंप के कभी नरम, कभी गरम मूड के कारण यह सुर्खियों में रहा। मस्क के राष्ट्रपति चुनाव पर सवाल को लेकर ट्रंप ने दावा किया, 'मैंने बहस में जो बाइडन को इतनी बुरी तरह हराया कि उन्हें दौड़ से बाहर कर दिया गया। यह अब तक की सबसे शानदार बहस थी। बाइडन का राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होना तख्तापलट था।' ट्रंप ने मस्क के सवालों का कभी सीधा तो कभी घुमावदार जवाब दिया। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस की आलोचना करते हुए कहा कि हैरिस ने उम्मीदवार बनने के बाद ऐसे इंटरव्यू नहीं दिए, जैसा वह अभी दे रहे हैं। शेष@पेज10

'बाइडन स्लीपी...उन्हीं के कारण रूस ने यूक्रेन पर हमला किया'

ट्रंप ने इंटरव्यू के दौरान रूस, चीन और उत्तर कोरिया की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अमरीका को इनका सामना करने के लिए मजबूत राष्ट्रपति की जरूरत है। व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और किम जोंग-उन, जिन्हें कई बार तानाशाह कहा जाता है, अपने देश से प्यार करते हैं, लेकिन यह दूसरी तरह का प्यार है। ट्रंप ने बाइडन को स्लीपी (सोता हुआ) बताते हुए कहा कि उनकी वजह से ही रूस ने यूक्रेन पर हमला बोला। मेरी पुतिन से अच्छी बनती थी। वह मेरा सम्मान करते थे। हम यूक्रेन की बात करते थे। यूक्रेन पुतिन की आंखों का तारा था। मैंने उनसे कहा था कि उसके खिलाफ सोचना भी नहीं।

शोध : मधुमेह और स्ट्रोक का 98% सटीक अनुमान

अब जीभ के रंग और आकार से पता चलेगा बीमारियों का

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया). अब जीभ के रंग और आकार का विश्लेषण कर मधुमेह और स्ट्रोक जैसी बीमारियों की भविष्यवाणी की जा सकती है। ऑस्ट्रेलिया में मिडिल टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एमटीयू) और यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया (यूनीसा) ने कंप्यूटर एल्गोरिदम विकसित किया है। इसकी मदद से 98% सटीकता के साथ बीमारियों की भविष्यवाणी की जा सकती है।

एमटीयू और यूनीसा के सहायक एसोसिएट प्रोफेसर अली अल-नाजी ने बताया कि नई इमेजिंग तकनीक से मधुमेह, स्ट्रोक, एनीमिया, अस्थमा, यकृत, कोविड और पेट संबंधी बीमारियों का पता लगाकर निदान किया जा सकता है। जीभ का रंग पता लगाने के लिए एल्गोरिदम तैयार किया गया। इसके लिए जीभ की 5,260 छवियों का उपयोग किया गया। मध्य-पूर्व के दो अस्पतालों से 60 जीभों की तस्वीरें भी मिलीं। कैमरा मरीज से 20 सेंटीमीटर दूर रखकर जीभ की तस्वीरें ली गईं। ये विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों वाले रोगियों को दर्शाती थीं। मॉडल ने सभी मामलों में जीभ के रंग का सही बीमारी से मिलान किया।

पीली तो मधुमेह और बैंगनी हुई तो कैंसर

शोध के मुताबिक बीमारी में जीभ का रंग, आकार और मोटाई बदल जाती है। मधुमेह वाले लोगों की जीभ पीली होती है। कैंसर रोगियों की जीभ बैंगनी रंग की होती है। इस पर मोटी चिकनी परत होती है। स्ट्रोक के रोगियों की जीभ असामान्य रूप से लाल रंग की होती है। सफेद जीभ एनीमिया का संकेत हो सकती है। कोविड-19 मामलों में जीभ का रंग गहरा लाल होता है। नीली या बैंगनी जीभ पेट या अस्थमा का संकेत देती है।

ट्रेंडिंग न्यूज

दिल्ली

आतिशी नहीं, गहलोत फहराएंगे तिरंगा

नई दिल्ली@ पत्रिका. नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री कैलाश गहलोत तिरंगा झंडा फहराएंगे। एलजी वी.के. सक्सेना ने गहलोत को नामित किया गया। इससे पहले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंत्री आतिशी को तिरंगा फहराने की अनुमति देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट

बाबा रामदेव पर मानहानि का मामला बंद

नई दिल्ली @पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव व पतंजलि आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन मामले में अवमानना की कार्यवाही बंद कर दी। भारतीय चिकित्सा संघ की याचिका में पतंजलि पर एलोपैथी को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया था।

पंजाब

सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर

चंडीगढ़@पत्रिका. स्वतंत्रता दिवस से पहले जारी हाई अलर्ट के बीच पंजाब सीमा पर बीएसएफ ने संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठिए को ढेर कर दिया। वह सोमवार रात तरनतारन जिले के डल गांव से चोरी-छिपे सीमा पार कर पंजाब में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था।

परग्रहियों की पहेली **यूएफओ कैंपेनर ने कहा, साक्ष्यों के दस्तावेज चर्च के अभिलेखागार में**

एलियंस पर नया दावा... वेटिकन को सदियों से सब पता था

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन. एलियंस व यूएफओ (अज्ञात उड़न तश्तरी) को लेकर कई दावे किए जाते रहे हैं। नया दावा अमरीका के यूएफओ कैंपेनर स्टीव बैसेट ने किया है। उनके मुताबिक कैथोलिक चर्च (वेटिकन) यूएफओ के बारे में काफी पहले से जानता था। बैसेट का दावा है कि अगर जांच की जाए तो वेटिकन के अभिलेखागार में साक्ष्यों के दस्तावेज मिल जाएंगे।

ब्रिटिश अखबार द सन को दिए इंटरव्यू में स्टीव बैसेट ने कहा कि चर्च के धार्मिक चित्रों में एलियंस के अस्तित्व का संकेत मिलता है। चर्च इस बारे में हजारों साल से जानता है। सदियों से बहुत-सी असाधारण जानकारी वेटिकन लाइब्रेरी व अभिलेखागार में बंद पड़ी हैं। उन्होंने दावा किया कि पृथ्वी पर 1933 में दुर्घटनाग्रस्त एक यान से कम से कम दस एलियंस बरामद किए गए थे। इटली ने 1933 में मुसोलिनी के शासन के दौरान एक यूएफओ खोजा था।

स्टीव बैसेट बोले, इटली ने 1933 में खोजा था यूएफओ

अमरीकी सरकार को भी थी जानकारी

पिछले साल अमरीकी एयरफोर्स के पूर्व अफसर डेविड ग्रुश ने दावा किया था कि अमरीका के पास यूएफओ के टुकड़े मौजूद हैं। बैसेट ने कहा कि अब तक के सबूत मामूली हैं। ग्रुश के दावों की जांच की जरूरत है। अगर जांच होती है तो पता चलेगा कि अमरीकी सरकार 1947 की रोसवेल घटना (कथित रूप से उड़न तश्तरी मिलना) से काफी पहले एलियंस के अस्तित्व के बारे में जानती थी।

होली सी से प्रवेश की इजाजत आसान नहीं

बैसेट के दावे के बाद विशेषज्ञ वेटिकन के अभिलेखागार पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें रिकॉर्ड खंगालने के लिए चर्च के सर्वोच्च शासी निकाय होली सी से प्रवेश की इजाजत लेनी होगी। बैसेट ने कहा कि चर्च शोधकर्ताओं को अंदर जाने की तब तक इजाजत नहीं देगा, जब तक अमरीकी राष्ट्रपति एलियंस के अस्तित्व का खुलासा नहीं करते।

ये क्या हुआ : यूपी के गोरखपुर में अजीबोगरीब मामला, डॉक्टर भी हैरान

हर्निया के ऑपरेशन के दौरान दो बच्चों के पिता के शरीर में दिखाई दिए अंडाशय और बच्चेदानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में अजीबोगरीब मामला सामने आया है। हर्निया के ऑपरेशन के दौरान 46 साल के व्यक्ति के शरीर में महिलाओं के प्रजनन अंग अंडाशय (यूट्रस) व बच्चेदानी (ओवरी) देखकर डॉक्टर हैरान रह गए। व्यक्ति के मूत्र मार्ग के पास बच्चेदानी और अंडाशय मिले। दोनों अंग करीब 60 फीसदी विकसित थे। ऑपरेशन से इन्हें निकालने के बाद व्यक्ति अब स्वस्थ है। वह दो बच्चों का पिता है।

तीन महीने से पेट दर्द, उल्टी से था परेशान

व्यक्ति तीन माह से पेट दर्द व उल्टी से परेशान था। स्थानीय डॉक्टरों से इलाज कराने पर लाभ नहीं होने पर वह खलीलाबाद गया। वहीं अल्ट्रासाउंड के दौरान पता चला कि पेट के निचले हिस्से (एंब्रियो कैनाल) के पास हर्निया बन गया है। इससे पेट में दर्द था।

जन्मजात विकृति

अंडाशय और बच्चेदानी के बावजूद व्यक्ति में महिलाओं जैसे गुण नहीं थे। डॉक्टरों ने बताया कि यह जन्मजात विकृति है, जो एक लाख में एक व्यक्ति को होती है। डॉक्टरों ने इस ऑपरेशन का वीडियो भी बनाया।

मेडिकल कॉलेज में एनेस्थीसिया के प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र देव ने बताया कि व्यक्ति निजी अस्पताल के फ्री हर्निया सर्जरी कैंप में ऑपरेशन कराने पहुंचा था। अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में हर्निया का पता चला था। डॉ. नरेंद्र ने कहा कि जहां अल्ट्रासाउंड जांच कराई थी, वहीं विकृति पकड़ में आ जानी चाहिए थी।

हिंडनबर्ग-अदाणी मामला फिर सुप्रीम कोर्ट में

नई दिल्ली@पत्रिका. हिंडनबर्ग की ओर से सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर हितों के टकराव के नए आरोप लगाने के बाद यह मामला फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दाखिल कर मांग की गई है कि सेबी को अदाणी समूह के खिलाफ लंबित जांच पूरी करने के निर्देश दिए जाएं। यह आवेदन विशाल तिवारी की ओर से दायर किया गया है जिनकी इस मामले की एसआइटी जांच की मूल याचिका सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि सेबी प्राथमिकता से तीन माह में जांच पूरी करे। तिवारी के एक ऐसे ही आवेदन को पहले खारिज कर चुका है। नए आवेदन पर रजिस्ट्री फैसला करेगी।

नीट-यूजी मामले में याचिका खारिज

नई दिल्ली@पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट ने नीट-यूजी परीक्षा के वनस्पति विज्ञान के पेपर में दो प्रश्नों को चुनौती देने वाली एक मेडिकल अभ्यर्थी की अपील को मंगलवार को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार गेडेला की पीठ ने कहा कि वह राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से नियुक्त विशेषज्ञ पर सिर्फ इसलिए अविश्वास नहीं कर सकती कि वह मुकदमे में पक्षकार है। याचिकाकर्ता की आपत्ति थी कि विवादित प्रश्नों पर विशेषज्ञ राय एनटीए ने अपने ही विशेषज्ञों से ली है जबकि वह खुद मुकदमे में पक्षकार हैं, ऐसे में तीसरे विशेषज्ञ से राय ली जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि विशेषज्ञ स्वतंत्र होता है किसी एजेंसी का नहीं।

फ्लैट नहीं दिया, सहारा पर दो करोड़ रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली@पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने कुछ खरीदारों को फ्लैट देने के अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर सहारा समूह पर दो करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता ने जुर्माने की राशि वायनाड आपदा में सहायता के लिए केरल के मुख्यमंत्री राहत कोष में देने को कहा है। कोर्ट ने अक्टूबर 2023 में कंपनी को कुछ खरीदारों को फ्लैट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि छह अवसर देने के बावजूद आदेश की पालना नहीं की गई।

गुजरात हाईकोर्ट में जज बनेंगे 3 वकील

नई दिल्ली@पत्रिका. गुजरात हाईकोर्ट को वकील कोटे से तीन नए जज मिलने वाले हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एडवोकेट संजीव जयेंद्र ठाकुर, दीपेंद्र नारायण रे और मौलिक जितेंद्र शेलट को गुजरात हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने की सिफारिश की है।

सदस्यता अभियान सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

बीजेपी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक 17 अगस्त को

नई दिल्ली@पत्रिका. भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 17 अगस्त को राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक बुलाई है, जिसमें सदस्यता अभियान सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। यह बैठक पार्टी के विस्तारित केंद्रीय कार्यालय पर होगी। बैठक में संगठनात्मक मामलों पर चर्चा के साथ देश के ज्वलंत मुद्दों पर प्रस्ताव पारित हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में संगठन चुनाव शुरू करने पर मंथन होगा। सदस्यता अभियान के साथ संगठन चुनाव की शुरुआत होती है। चुनाव से पूर्व कार्यकारीअध्यक्ष की भी नियुक्ति संभावित है। बैठक में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री शामिल होंगे। हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर मंथन की भी संभावना है।

भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- महिला मुख्यमंत्री के शासन में महिलाओं पर अत्याचार चिंताजनक

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दिल दहला देने वाली घटना: नड्डा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में महिला चिकित्सक की रेप के बाद हत्या किए जाने की घटना को दिल दहला देने वाला बताया है। हाईकोर्ट की ओर से सीबीआई जांच के आदेश का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा है कि इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। नड्डा ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर घटना को छिपाने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा को ज्ञापन देते रेजिडेंट डॉक्टर्स।

जेपी नड्डा ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने इस घटना को छिपाने का प्रयास किया है, उसकी जितनी भर्त्सना की जाए उतनी कम है। ममता बनर्जी की तृणमूल सरकार में पश्चिम बंगाल एक ऐसा प्रदेश बन गया है, जहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है और दुःख की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर दिन-प्रतिदिन अत्याचार बढ़ रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री होने के बाद भी यह सब हो रहा है, ये और भी चिंताजनक है। जिस तरह से ममता बनर्जी की सरकार ने इस मामले को दबाने की कोशिश की और जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की है, मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मामले में हाईकोर्ट की ओर से सीबीआई जांच के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि इससे पूरी सच्चाई सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में हमने बहुत से डॉक्टर प्रतिनिधि मिले हैं, मैंने सभी को आश्वासन दिया है कि इस घटना को लेकर और डॉक्टरों पर हो रहे हमलों को लेकर उनकी चिंता पर मंत्रालय संज्ञान लेगा और इसके लिए जो भी आवश्यक होगा वो कदम सरकार उठाएगी।

एम्स: रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने हड़ताल जारी रखने का फैसला

हालांकि एम्स की रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। एम्स के रेजीडेंट डॉक्टरों का कहना है कि केंद्रीय प्रोटेक्शन एक्ट की मांग पर ठोस आश्वासन मिलने तक हड़ताल जारी रहेगी। वहीं फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फेमा) ने भी हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा की अपील पर रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

नई दिल्ली. फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार की देर शाम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ बैठक कर हड़ताल खत्म करने का एलान किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के अश्वासन पर रेजिडेंट डॉक्टरों ने यह हड़ताल खत्म की। कोलकाता में महिला डॉक्टर की रेप और मर्डर की घटना से अक्रोशित डॉक्टर हड़ताल पर चल रहे थे। जिससे अस्पतालों में इलाज बाधित चल रहा था। जिस पर नड्डा ने प्रतिनिधि मंडल को मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने रेजिडेंट डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर हेल्थ मिनिस्ट्री के स्तर से सख्त से सख्त कदम उठाने का दिया भरोसा। जिस पर जनहित में डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने का ऐलान किया।

कांग्रेस: बैठक में निर्णय, बेरोजगारी-महंगाई के खिलाफ शुरू करेंगे अभियान

सेबी चीफ को हटाने की मांग पर 22 को ईडी दफ्तरों का घेराव

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस ने अदाणी व सेबी को लेकर आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट को बड़ा मुद्दा बना लिया है। कांग्रेस सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को पद से हटाने की मांग को लेकर 22 अगस्त को कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करने जा रही है। इसके तहत सभी राज्यों की राजधानियों में ईडी दफ्तरों का घेराव किया जाएगा। वहीं कांग्रेस बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ भी राष्ट्रव्यापी आंदोलन खड़े करने की तैयारी में है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में महासचिवों, प्रदेश प्रभारियों व प्रदेश अध्यक्षों की पहली बैठक मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में हुई। इसमें आगामी दिनों में कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ संगठन को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए चर्चा हुई। इसके साथ ही ज्वलंत जनमुद्दों पर आंदोलन खड़ा करने का निर्णय किया गया। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार को तुरंत सेबी अध्यक्ष का इस्तीफा मांगना चाहिए और जेपीसी का गठन करना चाहिए। पार्टी ने इसे अदाणी-सेबी घोटाले का नाम दिया।

बैठक से निकलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन व प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी

जनता को जोड़ेगी कांग्रेस

रमेश ने बताया कि बैठक में कहा गया कि जनगणना की जिम्मेदारी केंद्र की है, इसलिए वह जातिगत जनगणना करवाए। कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर भी अलग-अलग राज्यों में विशाल पब्लिक मोबिलाइजेशन कैंपेन का आयोजन कर जनता को पार्टी से जोड़ने का प्रयास करेगी।

इन मुद्दों पर जनता के बीच जाएगी कांग्रेस: एमएसपी गारंटी कानून,अग्निपथ योजना को समाप्त करना,अनियंत्रित बेरोजगारी, अनियंत्रित मुद्रास्फीति, घरेलू बचत में कमी, ट्रेनों के हादसे और करोड़ों यात्री परेशान, जलवायु संबंधी आपदाएं और ढहता बुनियादी ढांचा।

क्रीमीलेयर के खिलाफ है कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पत्रकारों से कहा कि पार्टी में क्रीमीलेयर को लेकर कोई बहस नहीं है। कांग्रेस उसके

शत-प्रतिशत खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट के कोटे में कोटा वाले निर्णय पर अलग-अलग मत है। फिलहाल हम सभी पक्षों से बात कर रहे हैं। सबसे बातचीत करके पार्टी अपनी पोजिशन सबके सामने रखेगी।

कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं डिप्टी सीएम

काफिले को रुकवाया, पचपदरा विधायक की गाड़ी पर मारे मुक्के

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बालोतरा. क्षेत्र के नागाणाधाम व कनाना में मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने जा रहीं उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के काफिले को कल्याणपुर व आसपास के क्षेत्र के लोगों ने रोककर पीड़ा बताई। डिप्टी सीएम ने लोगों की समस्या सुनी। ग्रामीणों ने बताया कि जोधपुर के कारखानों से निकला प्रदूषित पानी उनके गांवों और खेतों तक पहुंच रहा है। कई सालों से समस्या से त्रस्त हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। इस दौरान आरएलपी नेता थानसिंह डोली व भाजपा के पचपदरा विधायक अरुण चौधरी के बीच बहस हो गई। कार्यकर्ताओं ने विधायक की कार रोकने की कोशिश की और कार पर मुक्के मारे।

उग्र कार्यकर्ताओं ने चलती गाड़ी का दरवाजा खोला

आरएलपी के थानसिंह डोली जब समस्या को लेकर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को ज्ञापन दे रहे थे, उसी समय पचपदरा विधायक अरुण चौधरी के साथ बहस हो गई। आरएलपी नेता ने कहा कि आपके मन में कोई गलतफहमी हो तो निकाल देना। गांव की समस्या का समाधान करो। इस बीच विधायक गाड़ी में बैठ रवाना होने लगे तो आरएलपी कार्यकर्ता उग्र हो गए। चलती गाड़ी का दरवाजा खोलकर बहस करने लगे। कुछ युवकों ने गाड़ी का पीछा कर मुक्के मारे। पुलिस ने बीच बचाव कर हटाया।

देश में एक नई ऊर्जा का संचार कर रहा है हर घर तिरंगा अभियान: अमित शाह

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अहमदाबाद में 'तिरंगा यात्रा'' का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति की अभिव्यक्ति के साथ-साथ 2047 में महान और विकसित भारत की रचना के संकल्प का एक प्रतीक बन गया है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 में भारत को पूर्ण विकसित बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए युवाओं को विशेष रूप से आगे आने होगा। हर घर तिरंगा अभियान पूरे देश में एक नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि विगत 10 वर्षों में भारत ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, जिन पर पूरे विश्व को आश्चर्य है। पीएम मोदी के दिए गए खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और हर घर तिरंगा, हर घर खादी के सूत्र को हमें चरितार्थ करना है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अहमदाबाद में 'तिरंगा यात्रा'' का शुभारंभ किया।

आयोग का दौरा: दलों की खर्च सीमा बढ़ाने की मांग

महंगे हो गए विधानसभा चुनाव, 40 लाख रुपए में कैसे लड़ेंगे...

पत्रिका नवनीत मिश्र
patrika.com

नई दिल्ली. कई राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग से विधानसभा चुनाव में अधिकतम खर्च सीमा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव महंगे हो चले हैं, 40 लाख रुपए में लड़ने मुश्किल हैं। ऐसे में सीमा बढ़ाने की जरूरत है। हरियाणा में चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने पहुंची चुनाव आयोग की टीम के समक्ष प्रमुख राजनीतिक दलों ने यह मांग उठाई।

देश में फिलहाल लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों को अधिकतम 95 लाख और विधानसभा चुनाव में 40 लाख रुपए खर्च करने की अनुमति है। दो साल पहले आयोग ने खर्च सीमा बढ़ाई थी। वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान आयोग ने खर्च सीमा 28 लाख रुपए से बढ़ाकर 40 लाख की थी। छोटे राज्यों के चुनाव में 28 लाख की ही अधिकतम सीमा है। माना जा रहा है कि इस साल के आखिर में होने वाले महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले आयोग इस मामले में समीक्षा कर निर्णय कर सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम ने मंगलवार को चंडीगढ़ में भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, भाकपा (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय लोकदल, जननायक जनता पार्टी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव लिए। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर, 2024 को खत्म हो रहा है।

कई मांगें उठाईं

राजनीतिक दलों ने आयोग के सामने कई मांगें उठाई। इनमें सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग रोककर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, संवेनदशील केंद्रों पर पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती, मतदाता सूची से मृत और बाहर रहने वाले मतदाताओं के नाम हटाने, समय पर उम्मीदवारों को मतदाता सूची उपलब्ध कराने की मांग शामिल है।

मंत्री-विधायक चाहते हैं अपनी पसंद के अफसर

नौकरशाहों की तबादला सूची पर नए सिरे से होगा मंथन

तबादला सूची को लेकर हो चुका था होमवर्क

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. नौकरशाहों की तबादला सूची को लेकर भले ही प्रशासनिक गलियारों में इंतजार हो रहा हो, लेकिन इस कवायद पर फिलहाल ब्रेक लगता दिख रहा है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक मंत्रियों और सत्ताधारी दल के विधायकों की डिजायर के चलते सरकार अब नए सिरे से तबादला सूची पर मंथन कर रही है। बताया जा रहा है कि सरकार इस माह के अंत में आईएएस-आईपीएस की बड़ी तबादला सूची जारी कर सकती है। चर्चा है कि तबादला सूची को लेकर पहले होमवर्क कर लिया गया था, लेकिन मंत्री-विधायकों की पसंद को देखते हुए फिर से नामों पर मंथन होना बताया जा रहा है।

छह विधानसभा सीटों पर होने हैं उपचुनाव: सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर मंत्री अपने विभागों में पसंद के अधिकारी चाहते हैं। चर्चा है कि कई मंत्रियों की अपने विभागों के उच्चाधिकारियों से पटरी नहीं बैठ रही। वहीं सत्ताधारी पार्टी के विधायक भी जिलों में पसंद के एसपी और कलक्टर चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने की अरुणाचल के लोगों की तारीफ

नई दिल्ली पत्रिका ब्यूरो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग के सेप्पा में हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर राज्य की जनता की भावनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि देशभक्ति अरुणाचल प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में स्पष्ट रूप से झलकती है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के एक्स पर एक वीडियो पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा: 'अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है जहां देशभक्ति हर नागरिक के दिल में गहराई से निहित है। यह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में स्पष्ट रूप से झलकता है। हर घर तिरंगा के प्रति ऐसा उत्साह देखकर खुशी हुई।'

बारिश: अफसर और कर्मचारी अलर्ट मोड पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में भारी बारिश से प्रभावित पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए जिला परिषदों से नुकसान की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहने के साथ ही बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए हैं। पंचायतीराज आयुक्त रवि जैन ने मंगलवार को सभी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को एक गाइडलाइन जारी कर नुकसान की रिपोर्ट मांगी है।

आरईई एक्सीलेंस सेंटर की होगी स्थापना

दुर्लभ खनिजों की खोज... खनन और शोध पर होगा काम

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में दुर्लभ खनिजों की खोज, खनन और उत्पादों निर्माण को बढ़ावा देने को लेकर राज्य में रेयर अर्थ एलीमेंट (आरईई) एक्सीलेंस सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए दुर्लभ खनिजों की बड़े स्तर पर खोज, शोध, अध्ययन व देश दुनिया की आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे जुड़े उत्पादों के लिए उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए खान विभाग खनन शोध व अध्ययन से जुडी देश की तमाम संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं और विशेषज्ञों से चर्चा कर रहा है।

कई संस्थाओं के विशेषज्ञों से वर्चुअली संवाद

खान सचिव आनन्दी ने मंगलवार को देश की कई संस्थाओं के विशेषज्ञों से वर्चुअली संवाद किया। उन्होंने बताया कि राजस्थान के बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, उदयपुर, भीलवाड़ा, नागौर, अजमेर, जयपुर के नीमकाथाना, राजसमंद, सीकर, बांसवाड़ा जिलों में दुर्लभ खनिज के भण्डार मिलने के प्रारंभिक संकेत मिल चुके हैं। प्रदेश के इन क्षेत्रों में कार्बोनेटाइट्स व माइक्रोग्रेनाइट चट्टानों में बस्तनासाइट, ब्रिटोलाइट, सिंचीसाइट और जेनोटाइम रेयर अर्थ एलिमेंट्स के भण्डार होने की पुष्टि हुई है।

बैठक में खान निदेशक भगवती प्रसाद कलाल के अलावा जीएसआई, इण्डियन रेयर अर्थ लि. मुंबई, सीएसआईआर, रामगढ़ मिनरल माइनिंग बैंगलोर, एटोमिक मिनरल, एमईसीएल, कोल इंडिया, आईएमएमटी भुवनेश्वर, एनएमएल जमशेदपुर, सीआईएमएफआर धनवाद, रेयर अर्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया तिरुपति, एनएमडीसी हैदराबाद के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए।

एयरोस्पेस से लेकर लेजर बैटरी को मिलेगा बढ़ावा

इन खनिजों से एयरोस्पेस, लेजर बेटरी आदि को बढ़ावा मिलेगा। उद्योगों में रोजगार, निवेश, तकनीकी विकास के अवसर विकसित होंगे। दुर्लभ खनिजों की खोज से देश की चीन पर 95% निर्भरता कम होगी। देश में ही कच्चे माल की प्रोसेसिंग से लेकर प्रसंस्करण तक का कार्य हो सकेगा।

नगरीय विकास विभाग | बजरी के विकल्प को अब प्रभावी तरीके से अपनाने की तरफ बढ़ाए कदम

हर प्रोजेक्ट में 25% एम-सेंड का करना होगा इस्तेमाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राज्य में होने वाले डवलपमेंट कार्यों में बजरी के साथ कम से कम 25 प्रतिशत एम-सेंड (स्टोन डस्ट) का उपयोग करना ही होगा। प्रोजेक्ट के लिए जो भी अनुबंध और कार्यादेश जारी होंगे, उसमें यह शर्त जोड़ी जाएगी। नगरीय विकास विभाग ने सभी विकास प्राधिकरण, नगर विकास न्यास और आवासन मण्डल को इस संबंध में आदेश दे दिए हैं। बजरी खनन में आ रही रुकावट के बाद इसके विकल्प एम-सेंड को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया गया है। खान एवं पेट्रोलियम विभाग ने पहले ही 25 प्रतिशत उपयोग के लिए कहा था, लेकिन ज्यादातर निकायों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। ऐसे में विभाग को यह आदेश निकालने पड़े।

एम-सेंड का उपयोग कर्नाटक, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु में ज्यादा हो रहा है। कर्नाटक में सर्वाधिक 2 करोड़ टन, तेलंगाना में 70 लाख 20 हजार टन और तमिलनाडु में 30 लाख 24 हजार टन एम सेंड का सालाना उत्पादन हो रहा है।

बजरी की यह है स्थिति

टोंक व बीसलपुर बांध के अलावा बजरी की वैध लीज नहीं है। कई जगह अवैध रूप से बजरी खनन किया जा रहा है। पिछले तीन माह पहले 1100 से 1200 टन दर से मिलने वाली बजरी के लिए अभी 1400 से 1500 रुपए टन देने पड़ रहे हैं। सवाईमाधोपुर क्षेत्र से अवैध रूप से बजरी के डंपर आगरा रोड होते हुए आ रहे हैं। प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही।

निर्धारित मानक की एम-सेंड का हो उपयोग

एम-सेंड के जितने वैध प्लांट हैं, उतने ही अवैध तरीके से भी काम हो रहा है। इस कारण कई जगह से एम-सेंड के नाम पर डस्ट भी आ रही है। इससे काम की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना होगा, तभी डवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में निर्धारित मानक की एम-सेंड उपयोग हो पाएगी।

पोलमपोल भायो

साहब आग्या सड़क पर, पाणी ल्यो छै देख ।
घबरायी अब आपदा, ई में मीन न मेख !!

महात्मा गांधी स्कूलों में नियुक्ति के लिए सबसे ज्यादा 9564 आवेदन बाड़मेर से शिक्षकों ने किए, दूसरे नंबर पर जोधपुर रहा

अंग्रेजी माध्यम के बहाने बाड़मेर छोड़ना चाहते हैं शिक्षक!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीकर. प्रदेश की महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नियुक्ति को हिंदी माध्यम स्कूलों के शिक्षक तबादले की गली मान रहे हैं। इसका अंदाजा इन स्कूलों में नियुक्ति के लिए हुए आवेदनों की संख्या और जिलेवार स्थिति से लगाया जा सकता है।

जिसमें सबसे ज्यादा 9 हजार 564 आवेदन उस बाड़मेर से होना सामने आया है, जहां नियुक्ति को अमूमन सजा माना जाता रहा है। अब जब महात्मा गांधी स्कूल के नाम पर प्रदेश के किसी भी जिलों के लिए आवेदन मांगे गए तो सबसे ज्यादा आवेदन बाड़मेर के शिक्षकों ने किए हैं।

फाइल फोटो

25 अगस्त को होगी परीक्षा, 40 अंक जरूरी

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नियुक्ति के लिए शिक्षकों की परीक्षा 25 अगस्त को होगी। हर जिला मुख्यालय पर ये परीक्षा दोपहर एक से 2.40 बजे तक होगी। अंग्रेजी में 100 अंक की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए शिक्षकों को कम से कम 40 अंक लाने होंगे। बाद में काउंसलिंग से उनकी नियुक्ति की जाएगी।

पद से पांच गुना ज्यादा हुए आवेदन

महात्मा गांधी स्कूलों में नियुक्ति के लिए प्रदेश में इस बार कुल 87 हजार 785 शिक्षकों ने आवेदन किए हैं। जिनमें 1198 प्राचार्य व 86 हजार 587 अन्य शिक्षक शामिल हैं। ये आवेदन प्रदेश की 3737 महात्मा गांधी व 134 स्वामी विवेकानंद स्कूलों के खाली 17500 पदों के मुकाबले पांच गुना से भी ज्यादा हुए हैं। इसके पीछे शिक्षकों की तबादलों की चाह को ही वजह माना जा रहा है।

इन जिलों में सबसे अधिक आवेदन

महात्मा गांधी स्कूलों में नियुक्ति के लिए सबसे अधिक आवेदन बाड़मेर के बाद जोधपुर में 6490 व भीलवाड़ा में 4927 शिक्षकों के हुए हैं। सबसे कम 722 आवेदन प्रतापगढ़ के शिक्षकों ने किया है।

हिंदी स्कूलों में बढ़ेगी पद रिक्तता

अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नियुक्ति की इस प्रक्रिया से सरकारी हिंदी माध्यम स्कूलों की परेशानी बढ़ेगी। पहले से एक लाख से ज्यादा पद खाली चल रहे हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में नियुक्ति से 17 हजार शिक्षकों के पद खाली हो जाएंगे।

यह सही है कि महात्मा गांधी स्कूलों में नियुक्ति को तबादलों की गली माना जा रहा है। शायद यही वजह है कि आवेदनों की संख्या पदों से पांच गुना से भी ज्यादा हुई है। इस नियुक्ति प्रक्रिया से हिंदी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों का संकट भी बढ़ेगा।

बसन्त कुमार ज्याणी, प्रदेश प्रवक्ता, राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा

अभियान : पुलिस, प्रशासन और किसानों ने शहर में निकाली तिरंगा रैली

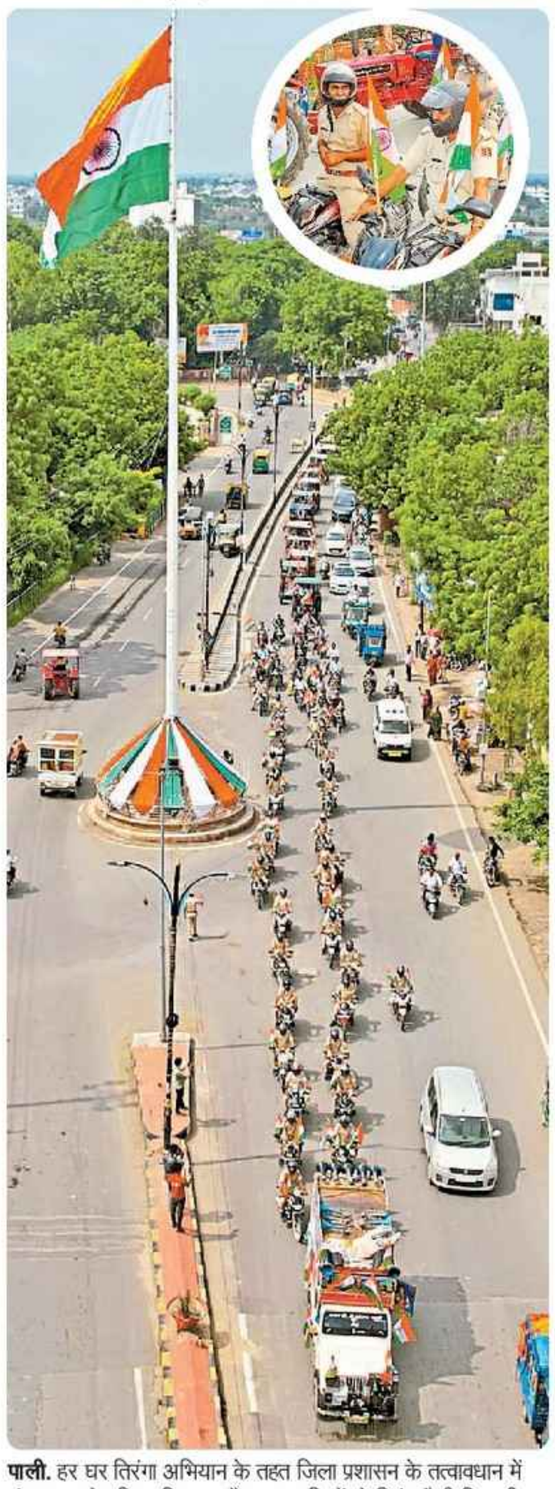

पाली. हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन के तत्वावधान में मंगलवार को पुलिस, किसान और शहरवासियों ने तिरंगा रैली निकाली। पांच किमी की यह रैली सर्किट हाउस से निकली जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नया गांव पहुंच संपन्न हुई। पुलिसकर्मी बाइक पर तो किसान ट्रैक्टरों पर सवार हुए। इससे शहर तिरंगामय नजर आया। रैली में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ पुलिस के जवान और शहरवासी भी दुपहिया व चौपहिया वाहनों पर तिरंगा ध्वज लेकर शामिल हुए। **फोटो : सुरेश हेमनानी/ ड्रोन सहयोग : शरद भाटी**

ट्रेंडिंग वीडियो

1. वक्फ बिल पर फंस गए उद्धव, मौलानाओं ने दिया अल्टीमेटम

2. लो फिर महंगी हो गई बिजली, हर माह इतना बढ़ेगा बिल

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

सहायक अभियंता के 1014 पदों के आवेदन आज से

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य अभियांत्रिकी सेवाओं के तहत सहायक अभियंता भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। अभ्यर्थी बुधवार से आवेदन कर सकेंगे। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक अभियंता के 1014 पदों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की गई है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 14 अगस्त से 12 सितंबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती में बढ़े चार पद

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती- 2024 के तहत शुद्धि पत्र जारी किया है। इसके तहत भर्ती में चार पद बढ़ गए हैं। इसके साथ संस्कृत शिक्षा विभाग भर्ती- 2024 के लिए वर्गवार वर्गीकरण जारी किया गया है। इसके चलते कुल पदों की संख्या 14 हो गई है। 12 जनवरी को 10 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया था।

साक्षात्कार के लिए 19 अभ्यर्थी सफल घोषित

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक आचार्य एप्लाइड आर्ट परीक्षा-2024 के तहत साक्षात्कार के लिए 19 अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक आचार्य एप्लाइड आर्ट विषय का प्रथम और द्वितीय पेपर 7 जनवरी और 23 मई को हुआ था। अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन पत्र भरकर सभी शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक, जाति एवं अन्य वांछित प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति के 28 अगस्त तक भेज सकेंगे। पात्रता की जांच विज्ञापन की शर्तों के अनुसार की जाएगी।

पेनल्टी लगाने तक सिमटा खनिज विभाग, ड्रोन सर्वे की रिपोर्ट तक दबाई

माफिया पर मेहरबानी...100 करोड़ का अवैध खनन, वसूली धेला भर नहीं

मेघश्याम पाराशर
patrika.com

भरतपुर. राज्य सरकार की ओर से जिन्हें अवैध खनन रोकने का जिम्मा सौंपा गया है, वो ही सरकार को चूना लगा रहे हैं। अब अवैध खनन का बड़ा मामला डीग जिले के पहाड़ी में सामने आया है। जहां खनन माफिया ने अवैध खनन कर करीब 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के राजस्व को चूना लगा दिया।

विभाग पेनल्टी लगाने के बाद भी अब तक वसूली तक नहीं कर सका है। इतना ही नहीं करीब नौ महीने पहले जिन दो गांवों में ड्रोन सर्वे कर अवैध खनन का आंकलन किया गया, उस रिपोर्ट को ही जिम्मेदार अधिकारी दबाकर बैठे गए। हकीकत यह है कि राज्य सरकार की ओर से जब अवैध खनन के खिलाफ जंग छेड़ी गई तो महकमों ने कार्रवाई में इतनी जल्दबाजी दिखाई कि दो-चार दिन के लिए अवैध खनन के खिलाफ पेनल्टी लगाई। दबाव पड़ा तो डीग जिले के पहाड़ी के छपरा व नांगल में अवैध खनन की जांच के लिए ड्रोन सर्वे कराया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जानी थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने रिपोर्ट को ही दबा दिया। ऐसे में जहां राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ तो वहीं खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो सकी।

अवैध खनन के कारण छलनी होती पहाड़ियां।

एक साल में 60 करोड़ की पेनल्टी

पत्रिका ने पड़ताल की तो सामने आया कि एक अप्रेल 2023 से 26 जनवरी 2024 तक करीब 60 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई। इसके बाद करीब सात करोड़ रुपए की पेनल्टी और लगाई गई। इससे पहले भी 15 अक्टूबर 2020 को 10 लीजधारकों के खिलाफ 12 करोड़ रुपए की पेनल्टी का नोटिस जारी हुआ, लेकिन किसी ने भी पेनल्टी नहीं चुकाई, बल्कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने उन्हें कहीं नोटिस का जवाब लेकर तो कहीं कोर्ट का रास्ता दिखाकर इतिश्री कर दी।

जहां पेनल्टी वहां अब भी अवैध खनन

धौलेट व नांगल में जिन लीजों पर विभाग की ओर से ड्रेन सर्वे कराया गया था, वहां अब तक कार्रवाई अधूरी है। जबकि जिन लीजों पर करीब 40 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई गई थी, वहां स्वीकृत रवन्ना से भी अधिक अवैध खनन हो चुका है। इतना ही नहीं वहां अब भी पेनल्टी वाली लीजों पर अवैध खनन चल रहा है।

हर लीज पर 10 लाख से 11 करोड़ रुपए तक पेनल्टी

खनिज विभाग की ओर से लीजों पर लगाई गई पेनल्टी की राशि 10 लाख रुपए से 11 करोड़ रुपए तक है। इसमें सबसे बड़ी पेनल्टी छपरा में सिलिका सैंड की माइंस पर 11 करोड़ 92 लाख 12 हजार रुपए, नांगल में मैशनरी स्टोन की लीज पर 13 करोड़ 18 लाख 63 हजार रुपए है। बाकी लीजों पर भी 10 लाख रुपए से लेकर किसी पर तीन करोड़ तो किसी पर पांच करोड़ की पेनल्टी लगाई गई है।

खुद विभाग और प्रशासन जिम्मेदार

डीग जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। पेनल्टी हो या कार्रवाई का और कोई माध्यम, सभी मामलों में बचाव का रास्ता खुद विभाग ही दिखाता है। वहां अब भी अवैध खनन हो रहा है। खुद हाइकोर्ट भी सरकार से याचिका की सुनवाई करते हुए जवाब मांग चुका है। हकीकत यह है कि खुद खनिज विभाग, प्रशासन व पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी अब नींद से जागे हैं तो पहाड़ी क्षेत्र में सख्ती का असर दिख रहा है। हालांकि खननमाफिया को यह असर भी पच नहीं पा रहा है। ऐसी सख्ती बरकरार दिखनी चाहिए। ताकि अवैध खनन पर लगाम कस सके। साथ ही पेनल्टी के स्थान पर सीधे लीज को निरस्त करने की कार्रवाई करनी चाहिए।

विजय मिश्रा, याचिका दायरकर्ता

यह मामला हमारे क्षेत्राधिकार से बाहर है। अगर पेनल्टी की बात है तो रेवेन्यू संग्रह की मॉनिटरिंग भरतपुर जिले के माइनिंग इंजीनियरिंग द्वारा की जा रही है। डीग में अलग से रेवेन्यू की गणना व वसूली नहीं की जा रही है।

श्रुति भारद्वाज, कलक्टर, डीग

माउंट आबू में होगा आयोजन

18 को अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन में दौड़ेंगे देश-विदेश के धावक

माउंट आबू @ पत्रिका. ब्रह्माकुमारी संगठन की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्यतिथि के उपलक्ष में 18 अगस्त को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन होगी। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को एक होटल में बैठक हुई। मैराथन समिति सदस्य बीके भानू ने बताया कि हॉफ मैराथन में भारत के अलावा अमरीका, इथोपिया, केनिया, जर्मनी आदि विभिन्न देशों सहित कुल 3500 प्रतियोगी शामिल होंगे। सीआइ सुरेश चौधरी ने कहा कि मैराथन के दौरान सवेरे छह बजे से आबूरोड-माउंट आबू मार्ग पर यातायात बंद रहेगा।

तस्दीक के दौरान पुलिसकर्मियों को धक्का मार कर भागे दो आरोपी

हत्या के आरोपियों ने किया भागने का प्रयास, पुलिस ने पैर में मारी गोली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरजगढ़ (झुंझुनूं). महपालवास गांव में बहनोई की हत्या के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों ने घटनास्थल तस्दीक के दौरान पुलिसकर्मियों को धक्का मारकर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने उनका पीछा करते हुए फायर किया। नहीं रुकने पर पुलिस ने मुख्य आरोपी रिंकु सिंह के पैर पर गोली मारी। दूसरा आरोपी भागते वक्त जोहड़ में गिरने से घायल हो गया। दोनों का झुंझुनूं के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज ने बताया कि सूरजगढ़ थानाधिकारी सुखदेव और सुलताना थानाधिकारी भजनाराम जाप्ते के साथ गिरफ्तार आरोपी रिंकू सिंह, विकास, सुमित व दीक्षित को तस्दीक के लिए घटनास्थल लेकर गए थे। वापस सूरजगढ़ जाते वक्त रिंकु और विकास पुलिसकर्मियों को धक्का मारकर भागने लगे। इस दौरान थानाधिकारी सुखदेव सिंह ने रिंकू को रुकने की हिदायत देकर हवाई फायर किया। फिर भी नहीं माना तो थानाधिकारी ने रिकुं के पैर पर गोली चलाई। उधर आरोपी विकास भागते वक्त सरकारी जोहड़ में बने गड्ढे में गिर गया, इससे उसके दाहिने पैर के पंजे पर चोट आई। पुलिस दोनों को पकड़कर सूरजगढ़ सीएचसी लेकर गई। वहां से दोनों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आरोपियों को एंबुलेंस से झुंझुनूं ले जाती पुलिस।

ये कैसी आजादी?

विजन 6/6
अरुण कुमार

पत्नी को बाइक से बांधकर घसीटने वाले वीडियो ने नागौर ही नहीं पूरे राजस्थान को शर्मिंदा किया। अफसोस कि शर्म उनको मगर आती नहीं। संवेदनहीनता की पराकाष्ठा तो तब हो गई जब वीडियो में एक महिला पीछे-पीछे आती दिख रही है, लेकिन उसने भी बचाने की कोई कोशिश नहीं की। वीडियो में जिस तरह से आरोपी खड़े होकर पोज दे रहा है जाहिर है कि पूरे प्लान के साथ वीडियो बनाया गया है। आशंका है कि वीडियो किसी और ने नहीं आरोपी प्रेमाराम के नशेड़ी दोस्त ने ही बनाया होगा, जिसने शराब पीने के दौरान झगड़े के बाद वीडियो वायरल कर दिया।

मामले में पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर त्वरित कार्रवाई तो की, लेकिन यह अभी तक नहीं बता पाई कि प्रेमाराम ने अपनी पत्नी के साथ ऐसा क्यों किया? उसे ऐसा करने की आजादी किसने दी? उसके नशेड़ी दोस्त के पास वीडियो कैसे पहुंचा? भले ही आरोपी युवती को शादी के लिए यूपी या बिहार से खरीदकर लाया था, लेकिन पत्नी तो पत्नी है। उसके साथ ऐसी दरिंदगी क्यों?

प्रेमाराम जैसी प्रवृति वाले लोगों के चलते ही शादियों के लिए लड़कियां यूपी, बिहार या बंगाल से लानी पड़ रही हैं। ईश्वर के घर भी देर है... अंधेर नहीं। शायद समाज के एक तबके में महिलाओं और बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच न होने के कारण ही राजस्थान में लैंगिक असंतुलन है। हम नहीं बदले तो बेटियां अपना रास्ता जरूर बदल देंगी।

कहने को तो हम हर साल आजादी मनाते हैं, लेकिन आज भी हालात नहीं बदले। महिलाएं लुट रहीं... पिट रहीं... बाइक में बांधकर घसीटी जा रहीं। लोग तमाशा देखकर, वीडियो बनाकर मुस्कुराते हुए घर जा रहे हैं। अफसोस... कि गुलामी के दौरान लोग गलत को गलत तो कहते थे। आज आजादी के 77 साल बाद लोगों के मुंह सिल गए हैं। दिल से दर्द तो आंखों का पानी सूख रहा है। कोई बताए... ये क्या हो रहा है? ये क्यों हो रहा है?

arun.kumar@in.patrika.com

आजादी की शौर्यगाथा | **हल्दीघाटी-जलियांवाला बाग जैसा आऊवा गांव का इतिहास...पहचान मिले तो बढ़े गौरव**

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी सत्ता को दी थी चुनौती

राजेन्द्रसिंह देणोक
patrika.com

पाली. तत्कालीन मारवाड़ रियासत का छोटा-सा गांव आऊवा। मुट्ठी भर सैनिक, लेकिन फौलादी साहस। अंग्रेजी हुकूमत की चुलें हिला दी थी। आऊवा पर आक्रमण करने आए अंग्रेज अफसर मोक मैंसन का सिर काट कर पोळ पर लटका दिया।

क्रांतिवीरों के साहस के सामने फिरंगियों की फौज भाग खड़ी हुई। 1857 में आजादी का बिगुल बजाने में अग्रणी आऊवा गांव का यह इतिहास हल्दीघाटी और जलियांवाला बाग से कतई कमतर नहीं हैं, लेकिन यहां के शूरवीरों की शौर्य गाथाएं संजोने की अब भी दरकार हैं। आऊवा का सुनहरा इतिहास हमारी नई पीढ़ी को साहस और संघर्ष की प्रेरणा दे सकता है। इसकी पहचान राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तो सैलानी भी खिंचे आएंगे।

आऊवा गांव में स्वतंत्रता सेनानी खुशालसिंह चांपावत का गढ़ और प्रतिमा।

अफसर का सिर काटकर किले पर लटकाया

1857 में आऊवा गांव क्रांतिकारियों का गढ़ बन गया। इससे अंग्रेज नाराज हो गए। अंग्रेज सेना ने 7 सितम्बर 1857 को आऊवा पर हमला कर दिया, लेकिन अंग्रेज परास्त हो गए। दूसरे दिन लेफ्टीनेंट हेचकेट ने 500 घुड़सवारों के साथ फिर आक्रमण किया। लेकिन क्रांतिकारियों के सामने अंग्रेज टिक नहीं पाए। बौखलाए फिरंगियों ने बड़ी सेना के साथ 18 सितम्बर को आऊवा घेर लिया। जोधपुर के पॉलिटिकल एजेंट मोक मेंसन भी सेना लेकर पहुंचा। चेलावास के निकट युद्ध हुआ। इसमें ठाकुर खुशालसिंह चांपावत ने मोक मेंसन का सिर काट दिया। यह सिर किले की पोळ पर लटकाया गया।

पर्यटन स्थल बने आऊवा

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के कार्यकाल में आऊवा में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का पैनोरमा बनवाया था। यहां पर खुशाल सिंह की प्रतिमा और उनकी आराध्य देवी सुगाली माता का मंदिर बनवाया गया। लेकिन न तो पैनोरमा की देखभाल हो रही है और न ही प्रचार-प्रसार। यहां प्रतिदिन पांच-सात सैलानी आते हैं, वह भी स्थानीय। आऊवा गांव को पर्यटन और ऐतिहासिक स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। सांसद पीपी चौधरी ने पिछले कार्यकाल में गांव को गोद लिया था, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला।

देश-विदेश में कई शहीद स्मारक संरक्षित है। स्वतंत्रता सेनानियों को हीरो की तरह पूजा जाता है। सैलानी बड़ी संख्या में आते हैं। आऊवा गांव का इतिहास गौरवशाली है। गांव खुद कई समस्याओं से जूझ रहा। इस स्थल का प्रचार-प्रसार होना चाहिए। गांव को विकसित किया जाना चाहिए। सैलानियों को यहां के इतिहास से रूबरू कराने के प्रयास किए जाने चाहिए। शिवाजी, महाराणा प्रताप, भगतसिंह के देशभर में कई स्मारक है, लेकिन खुशालसिंहजी की प्रतिमा तो कहीं नहीं है।

दुर्गाप्रतापसिंह चांपावत, खुशालसिंह चांपावत के वंशज

पिछली परीक्षा निरस्त घोषित

बोर्ड परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों पर कार्रवाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. बोर्ड परीक्षा 2024 के दौरान नकल सामग्री लाने, डमी कैंडिडेट बैठाने जैसे पकड़े गए मामलों में बोर्ड ने सख्त कार्रवाई करते हुए 24 परीक्षार्थियों को आगामी परीक्षा में बैठने से वंचित किया है।

बोर्ड सचिव कैलाशचंद शर्मा के अनुसार शिकायतों की जांच के बाद दसवीं व बारहवीं कक्षा की परीक्षा में बैठे 24 परीक्षार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के तहत उच्च माध्यमिक परीक्षा-2024 के 5 परीक्षार्थियों की पिछली परीक्षा निरस्त की गई। 4 परीक्षार्थियों की पिछली परीक्षा निरस्त कर 2025 की परीक्षा में बैठने से वंचित किया गया व 5 परीक्षार्थियों की पिछली परीक्षा निरस्त कर वर्ष 2026 तक की बोर्ड परीक्षा में बैठने पर पाबंदी लगाई गई।

इसी प्रकार माध्यमिक परीक्षा 2024 के 6 परीक्षार्थियों की परीक्षा निरस्त की गई। 4 परीक्षार्थियों की परीक्षा निरस्त कर वर्ष 2026 तक की बोर्ड परीक्षा में बैठने से वंचित किया गया।

देश के शिक्षण संस्थानों की एनआइआरएफ रैंकिंग जारी : इंजीनियरिंग श्रेणी में आइआइटी जोधपुर 28वें और मेडिकल में एम्स जोधपुर 16वें स्थान पर

एम्स जोधपुर फिर से टॉप-100 में, आइआइटी जोधपुर दो पायदान लुढ़का

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार दोपहर बाद नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफः 2024) की सूची जारी की हैं। एम्स ने फिर से टॉप-100 में जगह बना ली हैं। एम्स जोधपुर को 83वीं रैंक मिली है। आइआइटी जोधपुर 68वें स्थान पर हैं, जबकि पिछले साल इसकी 66वीं रैंक थी यानी दो पायदान लुढ़क गया है। शिक्षा मंत्रालय ने साल 16 श्रेणियों में एनआइआरएफ रैंकिंग जारी की हैं। इसमें से 5 श्रेणियों में राजस्थान का एक भी संस्थान नहीं है।

आइआइटी जोधपुर

इंजीनियरिंग श्रेणी में आइआइटी जोधपुर ने किया सुधार, 28वें स्थान पर

इंजीनियरिंग श्रेणी में प्रदेश के 5 संस्थान है। आइआइटी जोधपुर को 28वीं रैंक मिली है। गत वर्ष आइआइटी जोधपुर 30वें स्थान पर था। आइआइटी जोधपुर को पिछले साल 58.03 अंक मिले थे। इस साल 60.61 अंक मिले हैं।

एम्स जोधपुर

अपनी कैटेगरी में एम्स तीन पायदान लुढ़का

ऑवर ऑल रैंकिंग में एम्स जोधपुर का प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन अपनी मेडिकल कैटेगरी में वह तीन पायदान लुढ़क गया। गत वर्ष मेडिकल कैटेगरी में एम्स जोधपुर 13वें स्थान पर था। इस साल 16वें स्थान पर आया है।

5 आधारों पर रैंक

रैंकिंग तय करने के लिए कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज को पांच पॉइंट्स के आधार पर आकलन किया जाता है- टीचिंग लर्निंग एंड रिसर्च (टीएलआर), ग्रेजुएशन आउटकम (जीओ), परसेप्शन (पीआर), आउटरीच और इंक्लूसिविटी (ओआइ) शामिल हैं। इनमें से हर पैरामीटर के तहत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को 100 में से नंबर दिए जाते हैं। इन्हीं के आधार पर स्टूडेंट्स टॉप कॉलेज में एडमिशन लेते हैं।

एनएलयू जोधपुर इस साल भी नहीं

लॉ कैटेगरी में इस भी एनएलयू जोधपुर नहीं है। इस श्रेणी में टॉप-50 में जयपुर की मणिपाल यूनिवर्सिटी 29 वें स्थान पर है। एनएलयू बेंगलुरू टॉप पर है।

खेत में बने तालाब में डूबने से किसान की मौत

खाटूश्यामजी@ पत्रिका. थाना इलाके के चारणवास गांव में खेत के तालाब में डूबने से एक किसान की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पोखरमल बिजारणिया (42) निवासी चरणवास अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह खेत में बने तालाब में गिर गया। परिजन पोखरमल को खाटूश्यामजी के राजकीय उप जिला अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के एक बेटी और एक बेटा है।

रक्तदान शिविर 17 अगस्त को

पोकरण @ पत्रिका . कस्बे के दयाल सैनिक राजपूत छात्रावास में 17 अगस्त शनिवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जसवंतसिंह सोढ़ा भोमियाजी सेवा संस्थान के संरक्षक विक्रमसिंह फौजदारसर ने बताया कि संस्थान की ओर से 17 अगस्त को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक राजपूत छात्रावास परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि संस्थान गत कई वर्षो से क्षेत्र में रक्तदान को लेकर आमजन को प्रेरित करने के लिए कार्य कर रही हैं। जोधपुर संभागभर में आपातकाल के दौरान किसी को रक्त की जरुरत पड़ती है तो संस्थान के कार्यकर्ता रक्तदान करते है।

आज का राशिफल बुधवार, 14 अगस्त 2024

मेष	चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ व्यवहार को नम्र बनाएं, अन्यथा अपने संबंध खत्म कर लेंगे। परिजनों के साथ तीर्थाटन संभव है। शारीरक बाधा दूर होगी।
वृषभ	ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो मित्रों के साथ एक नया कारोबार शुरू करने वाले हैं। सफल रहेंगे। व्यवसाय में नई तकनीकी का प्रयोग लाभान्वित करेगा।
मिथुन	क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह विरोधी आप को नुकसान पंहुचा सकते हैं, सतर्क रहें। अपने जीवन में सुकून चाहते हो तो स्वयं को खुश रखो।
कर्क	हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो माता पिता के साथ समय व्यतीत होगा। वाहन खरीदने का मन बनेगा। पुराना रोग उभर सकता है सतर्क रहें।
सिंह	मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे कारोबार में हो रहे नुकसान को रोकने के लिए कार्य स्थल पर वास्तु अनुसार परिवर्तन करें। काम में मन नहीं लगेगा।
कन्या	टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो यदि जीवन में सफल होना हो तो आलस त्याग दें। मानसिकता बदलें। निजी कार्यों के लिए समय कम लगेगा।
तुला	रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विदेशी व्यवसाय में निवेश से लाभ होगा। धन प्राप्ति संभव।
वृश्चिक	तो, ना, नी, नू, या, यी, यू आप सोचते तो बहुत हैं पर कार्यों को कर नहीं पाते। अभी समय है। दृढ़ संकल्प लें और अपने काम में मन लगाए।
धनु	ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे अपने आप पर भरोसा रखें और जो भी करे पूरे विश्वास से करें लाभ होगा। रोजगार प्राप्ति संभव है। कुसंगति से बचें।
मकर	भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी व्यस्त दिनचर्या में से भगवान के लिए भी समय निकालें। दूसरों की निंदा न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।
कुम्भ	गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा व्यावसयिक हुआ धन वापस आएगा। यात्रा लाभकारी रहेंगी। कारोबार में मन नहीं लगेगा। चिंता रहेंगी।
मीन	दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि व्यावसायिक नई योजना लाभकारी रहेगी। कार्यपद्धति में बदलाव लाना जरूरी है। वायदा बाजार निवेश शुभ रहेगा।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	सफर-08	मास:	श्रावण
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 14 अगस्त, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

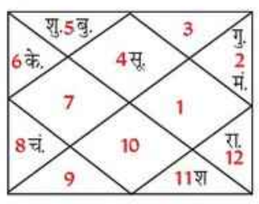

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 09-17 तक लाभ व अमृत, पूर्वाह्न 10-54 से दोपहर 12-31 तक शुभ तथा अपराह्न 03-46 से सूर्यास्त तक चर व लाभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं। बुधवार को अभिजित नामक मुहूर्त शुभकार्यों में वर्जित बताया गया है।

शुभ तिथि: नवमी रिक्ता संज्ञक तिथि प्रात: 10-24 तक, तदन्तर दशमी पूर्णा संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। नवमी तिथि में विग्रह, कलह, जुआ, मद्य, आखेट व अग्नि-विषादिक असद् कार्य सिद्ध होते हैं। शुभकार्य शुभावह नहीं हैं, पर दशमी तिथि में समस्त शुभ व मांगलिक कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं।

नक्षत्र: अनुराधा "मृदु व तिर्ड्यंमुख" संज्ञक नक्षत्र दोपहर 12-13 तक, तदन्तर ज्येष्ठा "तीक्ष्ण व तिर्ड्यंमुख" संज्ञक नक्षत्र है। ज्येष्ठा गण्डान्त मूल संज्ञक नक्षत्र भी है। अनुराधा नक्षत्र में विवाह, जनेऊ, वास्तु, यात्रा, प्रवेश आदि सभी कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं, जो करने चाहिए।

योग: ऐन्द्र नामक नैसर्गिक अशुभ योग सायं 04-05 तक, तदुपरान्त वैधृति नामक अत्यन्त बाधा कारक अशुभ योग है। जिसकी समस्त घटियां सदैव सभी शुभकार्यों में सर्वथा वर्जित हैं।

विशिष्ट योग: सर्वार्थसिद्धि व अमृतसिद्धि नामक शुभ योग दोपहर 12-13 तक तथा रवियोग नामक दोष समूह नाशक शक्तिशाली शुभ योग सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

करण: कौलव नामकरण प्रात: 10-24 तक, तदन्तर तैतिल व गरादि करण क्रमश: हैं।

व्रतोत्सव: आज श्री हरि जयन्ती तथा गण्डमूल प्रारम्भ दोपहर 12-13 से।

चंद्रमा : चंद्रमा वृश्चिक राशि में सम्पूर्ण दिवारात्रि है।

शुभ मुहूर्त: आज अनुराधा नक्षत्र में विवाह, गृहारम्भ, गृह-प्रवेश (अतिआवश्यकता में सूर्य वेध दोष), विपणि-व्यापारारम्भ, मशीनरी प्रारम्भ, वाहन क्रय करना, सगाई-रोका, पद-ग्रहण करना, बोरिंग व कूपखनन आदि के यथाआवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

दिशाशूल: बुधवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है, पर आज वृश्चिक राशि के चन्द्रमा का वास उत्तर दिशा की यात्रा में सम्मुख रहेगा, जो उत्तर दिशा की यात्रा में लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): दोपहर 12-00 बजे से दोपहर बाद 1-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे-आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (ने, नो, या, यी) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। इनकी जन्म राशि वृश्चिक है। वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल हैं। इनका जन्म ताम्रपाद से है, जो शुभ माना जाता है। सामान्यरूप से ये जातक साहसी, पराक्रमी, व्यवहार-कुशल, स्वावलम्बी, सुन्दर व्यक्तित्व वाले, काम-धन्धे में निपुण, धनवान, सर्वप्रिय और धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। इनका भाग्योदय 35 वर्ष की आयु तक होता है। वृश्चिक राशि वाले जातकों के आकांक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान पक्ष के कार्यों की प्रगति से प्रसन्नता होगी। छात्रों के अध्ययन व परीक्षा या प्रतियोगिताओं में सफलता मिलेगी।

जोधपुर-जैसलमेर रेल मंडल में चल रहा है विद्युतीकरण

कंपनी के अधिकारी का अपहरण, चार घंटे में छुड़ाया, आठ आरोपी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पोकरण. कस्बे में जैसलमेर रोड पर स्थित एक गेस्ट हाउस में निजी कंपनी के अधिकारी के साथ मारपीट कर उसका अपहरण करने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार जोधपुर-जैसलमेर रेल मंडल में एल एंड टी कंपनी की ओर से विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा हैं। कंपनी के अधिकारी कस्बे में जैसलमेर रोड पर स्थित एक गेस्ट हाउस में निवास करते हैं। सात-आठ जने आए और एक अधिकारी के साथ मारपीट की और उसका अपहरण कर अपनी गाड़ी में डालकर ले गए। घटना की सूचना गेस्ट हाउस के आसपास के क्षेत्र और कस्बे में फैलने से सनसनी का माहौल हो गया। गेस्ट हाउस संचालकों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेकर नाकाबंदी करवाई और 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, उत्तरप्रदेश के नैनीप्रयाग निवासी घनश्याम मिश्रा ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि वह एलएंडटी कंपनी में सीनियर मैनेजर ऑपरेशन के पद पर पोकरण में कार्यरत है। उनकी कंपनी की ओर से जोधपुर-जैसलमेर रेलवे विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है और इस कार्य पर कई मजदूर भी कार्य करते हैं।

पोकरण. गिरफ्तार आरोपी, उपस्थित पुलिस बल व जब्त वाहन। पत्रिका

प्रोजेक्ट में लेबर गैंग लीडर रह चुका है आरोपी

मार्च-अप्रेल 2024 में इलाहाबाद के बनपूरवा निवासी सुरेन्द्र कुमार पटेल उनके प्रोजेक्ट पर लेबर गैंग लीडर बनकर मैसर्स मुथु लक्ष्मी के मार्फत लेबर लेकर आया। लेबर कंपनी का भुगतान उनकी कंपनी की ओर से कर दिया गया था। 10-15 दिन पूर्व सुरेन्द्र कुमार लाठी गांव में कार्यस्थल पर आया और इंजीनियर दीपेन्द्र ठाकुर को धमकी देकर स्टोर बंद करवा दिया। उसने लेबर का भुगतान नहीं होने पर काम बंद करने का कहा। उसने तीन-चार बार मौके पर आकर स्टोर बंद करवाया। उसे बताया भी गया कि कंपनी का उसके साथ कोई एग्रीमेंट नहीं है और मुथु कंपनी को लेबर का कार्य दिया गया था, तब वह चला गया। सुरेन्द्र कुमार 7 अन्य साथियों के साथ जैसलमेर रोड स्थित उनके गेस्ट हाउस पर आया और आते ही प्रोजेक्ट मैनेजर तमिलनाडु के कोलाईमेंडु निवासी गांधी सुंदरेशन के साथ मारपीट करने लगा एवं घसीटते हुए जबरदस्ती उठाकर अपनी बोलेरो गाड़ी में डाल दिया। वह और एडमिन उम्मेद कुमार दोनों भागकर गए और गांधी सुंदरेशन को नीचे उतारने का प्रयास किया व अपहरण का कारण पूछा। आरोपी सुरेन्द्र कुमार, मोहित कुमार, सुमित कुमार, संदीप, रवि सिंह, शैलेष कुमार, नरेन्द्र कुमार, आशीष कुमार कंपनी का भुगतान बकाया होने का कहकर प्रोजेक्ट मैनेजर गांधी सुंदरेशन का अपहरण कर भाग गए और उसे व एडमिन उम्मेदकुमार को भी जान से मारने की धमकियां दी।

रक्षामंत्री से मिले सांसद, बाड़मेर में सैनिक स्कूल खोलने की मांग

बाड़मेर @ पत्रिका . बाड़मेर-जैसलमेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। बेनीवाल ने बाड़मेर संसदीय क्षेत्र में सैनिक स्कूल खोलने के लिए रक्षा मंत्री से मांग की। बेनीवाल ने रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान बताया कि संसदीय क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती हैं और भौगोलिक दृष्टि से बड़ा है। क्षेत्र को शिक्षा और देशसेवा के जज्बे की भावना के अनुरूप एवं लंबे समय से जनप्रतिनिधियों व आमजन मांग के अनुसार यहां सैनिक स्कूल खोलने की जरूरत हैं। इस दौरान सांसद बेनीवाल ने सीमावर्ती संसदीय क्षेत्र में देश की सुरक्षा एवं रक्षा मंत्रालय के संबधित व अन्य विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले में कड़ा रुख अपनाए सरकार'

जालोर. ज्ञापन सौंपते संगठन से जुड़े पदाधिकारी।

जालोर @ पत्रिका. सनातन धर्म सेवा एवं संवर्धन संस्थान जालोर की ओर से प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम पर जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपकर बांग्लादेश व पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर सरकार से कड़ा रुख अपनाने की मांग की।

ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में बांग्लादेश में नर-संहार हो रहा है। वहीं हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां व मंदिरों को तोड़ने के साथ हिंदू समाज की बहन बेटियों के बलात्कार व जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करने से अत्याचार हो रहे हैं। बांग्लादेश के आठ जिलों में लगातार जबरदस्त हिंदुओं पर बर्बरता पूर्ण अत्याचार को रुकवाने तथा पीड़ित हिंदुओं की मदद के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निवेदन किया गया साथ ही बांग्लादेश के हिंदू भारत में आना चाहते हैं उन्हें भारतीय नागरिकता देने की मांग भी की गई। ज्ञापन देते समय संस्थान के अध्यक्ष बंशीलाल सोनी, दिनेश बारोठ, सोमनाथ, छगन वैष्णव, संभाजी मराठा, जूठाराम सोलंकी दलपत बोहरा, सुनील शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

तालाब में नहाने के दौरान हुई थी तीन की मौत

एक साथ उठी तीन अर्थियां, एक चिता पर हुआ दो दोस्तों का अंतिम संस्कार

मोर्चरी में परिजनों से जानकारी लेते पुलिस अधिकारी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिंघाना. सांवलोद गांव में एक साथ तीन दोस्तों की अर्थियां उठीं तो हर किसी की आंखों में पानी आ गया। गांव में चूल्हे नहीं जले। तीनों युवक रविवार को महराना गांव के महरानी माता मंदिर के पास बने तालाब में नहाने गए थे। जहां डूबने से उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम करवा कर तीनों के शव परिजन को सौंप दिए गए। तीनों के शव सांवलोद गांव पहुंचे तो वहां गमगीन माहौल हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गमगीन माहौल में तीनों के शव का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक बुलकेश मेघवाल व अनुज मेघवाल का एक साथ एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। मृतक अनुज नेहरा की अलग चिता बनाकर अंतिम संस्कार किया गया।

गौरतबल है कि रविवार शाम सांवलोद निवासी बुलकेश पुत्र यादराम मेघवाल (18), अनुज पुत्र पूर्णमल मेघवाल (17) व अनुज पुत्र दलीपसिंह जाट (18) महराना गांव के महरानी माता मंदिर के पास पहाड़ी पर बने तालाब में नहाने के लिए गए थे। पहले तालाब की सीढ़ियों पर बैठकर नहा रहे थे। इसी बीच एक युवक सीढ़ियों से उतर कर बीच में नहाने लगा तो बाकी दोनों युवक भी बीच में जाकर नहाने लगे। इस दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई थी।

जैन युवा संगठन की ओर से लगाया मेला

दो दिवसीय जैन ट्रेड फेयर में युवा व्यापारियों को मिला प्लेटफॉर्म

जैन समाजबंधुओं को आत्मनिर्भर बनाने की कवायद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. जैन युवा संगठन की ओर से जैन समाजबंधुओं को आत्मनिर्भर बनाने व उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए लगाए जैन ट्रेड फेयर व एग्जीबिशन में सोमवार को बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंचे। मेले में दो दिन में 70 स्टॉल पर 10 लाख से अधिक का व्यापार हुआ। इससे विक्रेताओं के चेहरों पर रौनक छा गई। उनका कहना था कि इस मंच से उनको नई पहचान मिली है। जिससे अब व्यापार पहले से बेहतर हो सकेगा।

संयोजक प्रवीण तातेड़ ने बताया कि मेले में परिधानों के साथ श्रृंगार सामग्री, राखियां, सजावटी समान, पैकिंग आइटम, इमिटेशन ज्वेलरी, होम डेकोर, गर्ल्स वियर, कुर्ती प्लाजो, किड्स वियर, साड़ियां, सलवार सूट, ऑर्गेनिक आइटम, खाकरा, मठरी, नमकीन व प्लास्टिक आइटम, चूर्ण मुखवास, बेकरी आइटम आदि सजाए गए थे। मेले में संयोजक पुनीत कोका, हितेन्द्र बाफना, धर्मेश लोढ़ा, शुभम वडेरा, हितेश चौपड़ा, कुणाल जैन, नवीन मेहता, संदीप गादिया, संभव सांड व जैन लेडीज विंग सदस्यों ने सहयोग किया।

कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

पाली @ पत्रिका. पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज कोलकाता में रेजिडेंट डॉक्टर से बलात्कार व उसकी हत्या कर दी गई थी। उस चिकित्सक को राजकीय आयुर्विज्ञान कॉलेज में कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ चिकित्सक शिक्षकों ने घटना के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग की।

विद्यार्थियों की ओर से कॉलेज परिसर में कैंडल मार्च भी निकाला गया। विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

रोहट क्षेत्र के किसानों ने जिला कलक्टर को ज्ञापन देकर जताई नाराजगी

फसल खराबे का नहीं मिला मुआवजा, प्रदर्शन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. रोहट तहसील के किसानों को बीमा कम्पनी की ओर से वर्ष-2023 में हुए खराबे का मुआवजा अब तक नहीं दिया गया है। इस वर्ष एक सप्ताह पहले हुई बरसात से खेतों में फिर फसल खराब हो गई। इससे किसानों पर आर्थिक संकट गहराया हुआ है। किसानों ने कृषि विभाग परिसर में एकत्रित होकर नाराजगी जताई। कलक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। जिला कलक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर पिछले वर्ष का क्लेम दिलवाने व इस वर्ष खराबे की गिरदावरी कराने का आग्रह किया।

किसान संर्घष समिति व भारतीय किसान यूनियन ने बताया कि रोहट तहसील के किसानों को फसल बीमा कम्पनी की ओर से वर्ष 2023 की मुआवजा राशि नहीं दी गई है। तहसील अधिकारी की ओर से गिरदावरी में 80 प्रतिशत फसल नुकसान बताने के बावजूद बीमा कम्पनी भुगतान में आनाकानी कर रही है। उन्होंने बताया कि पटवारी व ग्राम सेवक मुख्यालय पर भी नहीं मिलते हैं।

वर्ष 2024 में मानसून की अत्यधिक बारिश के कारण खेतों में जल भराव हो गया। फसलें पानी में डूब गई। कई किसानों के मवेशियों की मौत हो गई। किसानों के घर टूट गए। किसानों ने स्पेशल गिरदावरी करवाकर वर्ष 2024 की भी बीमा राशि एवं मुआवजा दिलवाने की मांग की। गई। फसल व मकान आदि का मुआवजा दिलवाने का आग्रह किया।

समिति के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने सांसद पीपी चौधरी से मुलाकात की। उनसे भी बीमा क्लेम राशि व मुआवजा दिलवाने की गुहार लगवाई। इस दौरान पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह, किसान संघर्ष समिति के बाबुसिंह राजपुरोहित, सरपंच दिलदार खान, भंवरलाल, पूर्व उप सरपंच जसवंत सिंह, नरपतसिंह जैतावत, देवीसिंह, भारतीय किसान यूनियन के जगदीशराम, मगनाराम पटेल, शंकरलाल मेघवाल, बालाराम आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म के आयोजनों पर किया विचार मंथन

आहोर @ पत्रिका. नगर के चामुंडा चौक में सुरेश्वर नवयुवक मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष गोमाराम चौधरी की अध्यक्षता में मंडल कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में मंडल सदस्यों की ओर से सनातन धर्म के आगामी मुख्य धार्मिक उत्सवों के सफल आयोजन को लेकर विचार विमर्श कर आगामी गणेश चतुर्थी, देवझूलनी रेवाड़ी एकादशी एवं शारदीय आसोज नवरात्रि महोत्सव को हर्षोल्लास एवं सभी की अधिकतम सहभागिता के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए विभिन्न उप समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से दायित्व सौंपा गया। जिसमें पूजन, रथ, प्रसाद वितरण, आकर्षक शोभायात्रा, भजन मंडली, वित्त एवं आवश्यक मेला स्थल बैठक व्यवस्था, मंच संचालन, टैंट लाइट डेकोरेशन व आर्केस्ट्रा पार्टी समेत विभिन्न व्यवस्था कमेटी का गठन कर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को प्रमुख उतरदायित्व सौंपा गया।

अयोध्या : झूलन उत्सव में श्रीरामलला का नयनाभिराम शृंगार

हीरे जड़ित मुकुट पहन 2 करोड़ के झूले में विराजेंगे रामलला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अयोध्या. रामनगरी अयोध्या में 19 अगस्त तक झूलन उत्सव मनाया जाएगा। उत्सव के लिए वृंदावन के 10 कलाकारों ने सोने-चांदी का झूला तैयार किया है, जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपए हैं। इस झूले में 140 किलो चांदी और 700 ग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया है। रामलला सदन में श्रीराम समेत चारों भाई इस झूले पर विराजमान होंगे।

इतना ही नहीं, इस उत्सव के लिए गुजरात में तैयार हुआ एक मुकुट भी अयोध्या लाया गया है, जिसका डिजाइन दक्षिण भारत परंपरा पर आधारित है। यह मुकुट चांदी का बना हुआ है और इस पर सोने की परत है। मुकुट को माणिक, पन्ना और हीरे से सजाया गया है।

राम मंदिर से 150 मीटर दूर है राम सदन

जानकारी के मुताबिक, रामलाल सदन के महंत जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य ने बताया कि त्रेता काल में राम सदन में ही भगवान राम सहित चारों भैया को अनेक प्रकार के संस्कार दिए गए थे। मान्यता है कि यहीं पर श्री राम सहित चारों भाइयों का नामकरण हुआ। यह मंदिर 300 साल पुराना है, जिसे भव्य स्वरूप दिया गया। यह मंदिर रामलला दर्शन मार्ग मोहल्ला रामकोट में राम मंदिर से सिर्फ 150 मीटर दूर स्थित है।

भगवान श्रीराम, 3 भाई और मां जानकी देंगे दर्शन: सोने-चांदी से बने इस झूले पर भगवान श्रीराम, उनके 3 भाई के साथ माता जानकी विराजमान होंगी। अयोध्या के संत इस झूले को झुलाएंगे और इसके बाद यहां भजन-गायन का कार्यक्रम होगा। पूजन के दौरान भगवान को विशेष तरह की मालाएं पहनाई जाती है।

महोबा में पांच करोड़ का गांजा बरामद, चार गिरफ्तार

महोबा @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में मेरठ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बुंदेलखंड में महोबा के निकट मंगलवार को मादक पदार्थों के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भांडा फोड़ किया। फोर्स ने चार तस्करों से 5.50 करोड़ रुपए कीमत का तस्करी का गांजा बरामद किया। साथ ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एएनटीएफ के प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया की उडीसा से गांजा तस्करी की सूचना पर सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में बरा नाला के निकट मध्य प्रदेश की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोका। इसमें तस्करों द्वारा चालक सीट के पीछे ख़ुफ़िया तरीके से तैयार कराई गयी एक केबिन में गांजा भरी बोरियां मिली।

इटावा : नारियल भरा मिनी ट्रक पलटा, लूट की मची होड़

इटावा @ पत्रिका. जिले में मंगलवार तड़के आगरा-कानपुर हाईवे पर नारियल भरा मिनी ट्रक पलट गया। इसके बाद सड़क पर बिखरे नारियल लूटने की लोगों में होड़ मच गई। एसएसपी संजय कुमार सिंह ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे आगरा कानपुर से इटावा मंडी नारियल लेकर आ रहा एक मिनी ट्रक का पहिया फट जाने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद नारियल आगरा कानपुर हाईवे पर फैल गए। इसी बीच बड़ी तादात में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए जो नारियलों को उठा कर घर लेकर चले गए। इस हादसे में मिनी ट्रक का चालक और क्लीनर मामूली रूप से जख्मी हुआ है। हाईवे की क्रेन ने मौके पर पहुंच कर ट्रक को हटवाया।

नाम दर्ज करने को मांगे रुपए, घूसखोर पेशकार गिरफ्तार

बरेली @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र में भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने खतौनी में नाम दर्ज कराने के बदले मंगलवार को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी के पेशकार को धर दबोचा। आरोपी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। एसीबी ने बताया कि पेशकार अभय सक्सेना ने खतौनी में नाम दर्ज करने के नाम पर 50 हजार रूपये रिश्वत मांगी थी। किला थाना क्षेत्र बरेली निवासी सुधा अग्रवाल बुजुर्ग हैं। उनकी मोहनपुर की भूमि गाटा संख्या 111 का पर्चा 45 मिल चुका है। सुधा अग्रवाल ने इसी पर्चे के क्रम में अपना नाम खतौनी में अंकित कराने के लिये चकबंदी अधिकारी अनुराग दीक्षित आफिस में संपर्क किया था। उनके मैनेजर सुनील कुमार से पेशकार अभय सक्सेना ने नाम दर्ज कराने के बदले 50 हजार की रिश्वत मांगी।

उत्तरप्रदेश में मिशन नियुक्ति : 1036 अभ्यर्थियों के दिए नियुक्ति पत्र

खटाखट वाले फिर निकल गए पिकनिक मनाने : योगी

कांग्रेस और सपा पर जमकर साधे निशाने

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर परोक्ष रुप से निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव खत्म होते ही 8500 रुपए हर महीने भेजने का वादा करने वाले पिकनिक पर चले गए हैं।

सीएम योगी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1036 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अप्रैल-मई के महीने में आपने खटाखट स्कीम के बारे में सुना होगा। लोगों से एक-एक लाख रुपए के बॉन्ड भरवाए गए थे। हर महीने 8500 रुपए भेजने का वायदा किया गया था, लेकिन खटाखट स्कीम वालों का देश में अता-पता नहीं है। खटाखट वाले लोग चुनाव खत्म होते ही फिर से पिकनिक मनाने के लिए निकल गए हैं। जब चुनाव का मौसम आएगा तो खटाखट वाले लोग समाज को विभाजित करने और अराजकता फैलाने के लिए फिर आ जाएंगे।

डबल इंजन सरकार ने दी नियुक्तियां: मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के द्वारा 2012 से 2017 के बीच 26394 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संपन्न हुई थी। इसमें 13469 पदों पर सामान्य, 6966 पदों पर ओबीसी, 5634 पदों पर एससी और 327 पदों पर एसटी वर्ग के युवाओं का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी का जो प्रतिशत है, वह केवल 26.38 प्रतिशत था। वहीं, हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से 46,675 भर्तियां हुईं। इसमें ओबीसी के कुल 17929 अभ्यर्थी चयनित हुए, जिनका प्रतिशत 38.41 है। ओबीसी, एससी और एसटी के प्रतिशत को अगर जोड़ लिया जाए तो डबल इंजन सरकार में 60 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुआ है।

लखनऊ. हर घर तिरंगा यात्रा के दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य।

यूपी की गिनती अग्रणी राज्यों में

योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में छठवें-सातवें नंबर पर थी, लेकिन अब यहां का युवा देश के किसी भी राज्य में जाता है तो गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का बताता है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे नंबर पर है। उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है। किसानों, महिलाओं और गरीबों से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने में उत्तर प्रदेश की गिनती देश के अग्रणी राज्यों में होती है।

निष्पक्ष-पारदर्शी भर्ती

योगी ने यूपीएससी के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 536 सहायक शोध अधिकारी (सांख्यिकी), 235 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, 213 कनिष्ठ सहायक, लेखा लिपिक, मंडी पर्यवेक्षक श्रेणी-2, मंडी निरीक्षक, 15 नक्शानवीस/मानचित्रक और 37 मानचित्रकार सहित कुल 1036 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इन युवाओं को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पर्यावरण, वन, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, मंडी परिषद, मत्स्य विभाग, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, सहकारिता विभाग, नगर एवं ग्राम्य नियोजन, पर्यटन विभाग, लघु सिंचाई और संस्थागत वित्त में नियुक्ति मिली है।

रेप के बदले रेप : आगरा में हैरान कर देने वाला मामला

बहन के दुष्कर्म का बदला लेने को भाई बना अपराधी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आगरा. जिले में एक युवती से दुष्कर्म किया गया तो बदला लेने के लिए पीड़ित युवती के भाई ने आरोपी की बहन से दुष्कर्म किया। पहले पुलिस को मामला पुरानी रंजिश का लगा। जांच में आरोप सही पाए गए। अब पीड़िता का भाई भी दुष्कर्म के आरोप में जेल में है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उससे दुष्कर्म हुआ है। उसका भाई जिस युवती से दुष्कर्म के आरोपों की वजह से जेल में है। अब उसी युवती के भाई ने उससे दुष्कर्म किया है। पुलिस को लगा कि युवती अपने भाई को बचाने के लिए झूठी कहानी बना रही है।

हालांकि जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो घटना की सच्चाई सामने आ गई। आरोपी युवक और युवती की होटल में एक साथ जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया।

भाई की जमानत में मदद का झांसा दे फंसाया

पीड़िता ने बताया कि जिस युवती से दुष्कर्म के आरोप में भाई जेल गया उसी के भाई ने मुझसे संपर्क किया। आरोपी ने कहा कि वह उसके भाई की जमानत में मदद करेगा। वह बातों में आकर होटल चली गई। होटल में युवक ने दुष्कर्म किया। पीड़िता ने ये भी बताया कि दो साल पहले प्रेम संबंधों में उसका भाई एक किशोरी को साथ ले गया था। किशोरी के परिजनों ने अपहरण व पोक्सो में मुकदमा दर्ज कराया था। लड़की की बरामदगी के बाद बयानों के आधार पर दुराचार की धारा भी बढ़ा दी गई थी। डिजिटल साक्ष्य के आधार पर आरोपित को पकड़ा गया है। पुलिस जल्द कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेगी।

सपा पर बरसे भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी

'यूपी के दो लड़कों की ताकत के साथ बढ़ी अपराधियों की हिम्मत'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कन्नौज. भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने अयोध्या व कन्नौज में नाबालिग से बलात्कार मामले को लेकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक समय सपा के बड़े नेता ने कहा था कि लड़कों से गलती हो जाती है। आज दो लड़कों के साथ के लोग गलती नहीं, अपराध कर रहे हैं, जिस अनुपात में कांग्रेस-सपा की ताकत बढ़ी है, अपराधियों की हिम्मत भी उसी अनुपात में बढ़ती नजर आ रही है।

त्रिवेदी ने कहा कि अयोध्या में हम सबने देखा कि किस प्रकार समाजवादी पार्टी के एक नेता मोईद खान पर नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगा और उस पर निर्लज्जता के साथ राजनीति की गई। उसके बाद कन्नौज में एक बार फिर सपा से जुड़े एक नेता पर ही नाबालिग के साथ बलात्कार के प्रयास का गंभीर आरोप लगा है।

अपराध पर संवेदनहीनता गंभीर विषय

त्रिवेदी ने कहा कि अपराध एक तरफ है, लेकिन अपराध के प्रति संवेदनहीनता उससे बड़ा गंभीर विषय है। आरोपी के अखिलेश यादव और डिंपल यादव के करीबी होने की बात भी सामने आ रही है। सपा की एक नेता ने ये स्वीकार किया है कि कन्नौज का आरोपी उनकी पार्टी का पूर्व नेता है। लेकिन इसके साथ ही बहुत ही संवेदनहीन और अशोभनीय बयान भी दिया कि 15 साल की वह लड़की कौन सी नौकरी प्राप्त करने के लिए रात को गई थी। ये सपा की असली फितरत और इस प्रकार के अपराधियों को कवर फायर देने की सीमा को दर्शाता है।

विशेष सुविधा | 19-20 अगस्त को यूपी रोडवेज में मुफ्त सफर

राखी पर योगी सरकार बहनों को करवाएगी फ्री यात्रा

बसों की कमी नहीं आने दी जाएगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. रक्षाबंधन के पर्व पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस साल भी महिलाओं के लिए विशेष सुविधा की घोषणा की है। 19 और 20 अगस्त को सभी महिला यात्री उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इस आदेश को सख्ती से लागू करने के लिए सोमवार को रोडवेज के अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देशित किया है।

बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी : आगरा परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल ने बताया कि 19 और 20 अगस्त को किसी भी महिला यात्री को रोडवेज बस में सफर के दौरान टिकट नहीं लेना होगा। अगर कोई कंडक्टर टिकट लेने की बात करता है, तो उसकी शिकायत तुरंत की जा सकती है। इसमें सभी आयु वर्ग की बालिकाएं और महिलाएं शामिल हैं।

बसों का मेंटेनेंस शुरू

रक्षाबंधन पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए रोडवेज ने बसों को दुरूस्त करना शुरू कर दिया हैं। सभी बसों की ओवरहालिंग की जा रही है। पुरानी जो बसें चलने लायक हैं, उन्हें भी ठीक किया जा रहा है। 17 से 22 अगस्त के बीच सभी रूट्स पर बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। आगरा परिक्षेत्र की सभी रोडवेज बसें पूरी क्षमता के साथ संचालित होंगी, जिससे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में कोई दिक्कत न हो।

...पगड़ी सही कर दूं

बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान साथी का साफा सही करती महिला पुलिसकर्मी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर किया स्पष्ट

लोकसभा चुनाव में उठाए गए मुद्दों से भाजपा को करेंगे एक्सपोज : मीर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने यह तय कर दिया है कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव के दौरान उठाए गए मुद्दों को अभी जिंदा रखेगी। कांग्रेस का मानना है कि अभी-अभी समाप्त हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी की ओर से उठाए गए मुद्दों को जारी रखते हुए जीत के फॉर्मूले को जारी रखा जाए।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि इन्हीं मुद्दों के बूते हमें केंद्र में बड़ी ताकत के साथ लौटने का मौका मिला और आगे भी ये मुद्दे पार्टी के लिए कारगर साबित होंगे। पार्टी विभिन्न स्तरों पर भाजपा को एक्सपोज करते हुए अपने बूते चुनावी मैदान में उतरेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इसी कड़ी में सभी जिला अध्यक्षों से संभावित उम्मीवारों का बायोडाटा मांगा ताकि उम्मीदवारों का चयन करते हुए उन्हें मुद्दों की विशेष ट्रेनिंग दी जा सके। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने सभी जिला अध्यक्षों से उन लोगों का बायोडाटा मांगा है जो चुनाव लड़ना चाहते हैं। इनमें से उम्मीदवारों का चयन कर उन्हें मुद्दों को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी। कांग्रेस मुख्य तौर पर भाजपा के विरोध को आगे बढ़ाते हुए विधानसभा चुनाव में लाभ लेना चाहती है।

रोजगार, किसानों की ऋण माफी आदि को मुद्दा बनाएंगे

कांग्रेस विधानसभा चुनाव में भी रोजगार को मुद्दा बनाते हुए केंद्र की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा करेगी तो झारखंड में महागठबंधन की सरकार के प्रयासों की सराहना करेगी। ऐसे प्रयास अभी से शुरू हो गए हैं। ऋण माफी की योजना पर झारखंड में राज्य सरकार पहले से ही काम कर रही है। किसानों के 50 हजार रुपये तक के कर्ज माफ कर दिए गए हैं। 50 हजार से ऊपर और दो लाख रु. तक के कर्ज को माफ करने के लिए कृषि विभाग के प्रस्ताव कैबिनेट से स्वीकृति मिल चुकी है।

मधेपुरा कई इलाके बाढ़ की चपेट में

मधेपुरा @ पत्रिका. जिले के आलमनगर इलाके के कई घरों में कोसी नदी का पानी प्रवेश कर गया है। जिले के उदकिशुनगंज अनुमंडल के आलमनगर, चौसा और फुलौत के कई इलाके जलमग्न हो गए है। दर्जनों घरों में उफनाती कोसी का पानी घुस गया है। दरअसल मधेपुरा के उदाकिशुनगंज अनुमंडल स्थित आलमनगर, चौसा और फुलौत के आधा दर्जन पंचायत के दो दर्जन से अधिक गांव में कोसी नदी का पानी प्रवेश कर गया है। बाढ़ से कई गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट गया है। जिले में हजारों एकड़ में लगे धान की फसल भी बाढ़ के चपेट में है।

जमीन बेचने की अग्रिम राशि लेने गया था युवक

भूमि विवाद में चाचा ने भतीजे की पीट-पीट कर हत्या की

बेतिया @ पत्रिका. पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के खरकटवा में जमीन विवाद को लेकर मंगलवार को एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान बेतिया शिकारपुर थाना के अजुआ-सुगौली निवासी दीपक चौधरी के रूप में हुई है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मृतक के परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वहीं, मृतक के भाई संजीव ने बताया कि उसका बड़ा भाई दीपक, मां शोभा देवी के साथ गांव से सटे खरकटवा गांव में जमीन बेचने के लिए रामअवध पटेल के परिवार से एक लाख रुपए अग्रिम लेने गए थे।

पहले से चाचा बीरबल चौधरी, उनकी बहू रानी देवी, बेटा राहुल कुमार, लाल मोहन कुमार लाठी-डंडे से लैस होकर वहां मौजूद थे। संजीव एवं उसकी मां पैसा लेने चले गए। इसी बीच आरोपियों ने दीपक के साथ मारपीट की, जब वे वापस लौटे, तो देखा दीपक तड़प रहा है। कुछ देर बाद दीपक की मौत हो गई थी।

कोयला कारोबारी के आवास पर ईडी की रेड

7 करोड़ रुपए के मेडिकल घोटाले में है आरोपी

धनबाद @ पत्रिका. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का करीब सात करोड़ रुपए गबन मामले का आरोपी और कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह के आवास पर एक बार फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। ईडी की तीन सदस्यीय टीम प्रमोद सिंह के सरायढेला थाना अंतर्गत सहयोगी नगर सेक्टर तीन स्थित घर पर छापेमारी कर रही है।

इससे पहले चार जुलाई 2024 को ईडी ने प्रमोद सिंह के सहयोगी नगर सेक्टर 3 और भूली के आवास पर छापामारी की थी। सुबह से रात तक चली छापेमारी में प्रमोद सिंह के तीन गाड़ियां जब्त की थी, जबकि प्रमोद सिंह आवास में मौजूद नहीं थे। इसके साथ ही 11 जुलाई को रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय में उपस्थित होने का नोटिस दिया गया था। बताया जाता है कि प्रमोद सिंह ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे।

इसके बाद अब ईडी ने फिर यहां दबिश दी है। बता दें कि ईडी के तीन अधिकारी दो गाड़ियों से पहुंचे हैं। घर मे प्रमोद सिंह नहीं दिखे, जबकि ईडी अधिकारियों ने उनकी पत्नी समेत अन्य स्वजनों से पूछताछ की है।

औरंगाबाद में कार नहर में पलटी, पांच लोगों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

औरंगाबाद. जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को सोन नहर में कार के पलटने से पांच लोगों की डूबकर मौत हो गई। दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ऋषि राज ने बताया कि कार पर सवार लोग रोहतास जिले के गुप्ताधाम में दर्शन-पूजन करने गए थे।

लौटते समय मंगलवार सुबह कार अनियंत्रित होकर चमन बिगहा गांव के समीप नहर में जा गिरी। नहर में पानी अधिक होने के कारण कार में सवार सभी लोगों की डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कार में सवार सभी मृतकों के शव को बाहर निकाला। ऋषि राज ने बताया कि मृतकों की पहचान पटना जिले के राजीव नगर थाना क्षेत्र निवासी दीपक कुमार, कन्हाई राय, रोहित कुमार, नारायण चौहान और रवि कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

भागलपुर : एक ही परिवार के पांच लोगों के शव बरामद

भागलपुर @ पत्रिका. जिले के इशाकचक थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर से मंगलवार को महिला सिपाही समेत पांच लोगों के शव बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि भागलपुर पुलिस लाइन के सीबी 38 नंबर क्वार्टर से सिपाही नीतू कुमारी, उसके दो बच्चे और सास की गला रेतकर हत्या की गई। वहीं, पति पंकज का शव पंखे से लटका हुआ मिला है। कांस्टेबल नीतू कुमारी, दो बच्चों, उसकी सास और पति का शव मिला है। मृतक परिवार के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

हड़ताल से मरीज परेशान

पटना. कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर रहे। इसके चलते ओपीडी में मरीजों की भीड़ लगी रही।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

संसाधन मिलें तो दूर हो रैंकिंग में असमानता

शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की ओर से देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी की गई है। गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी माहौल बनाने के लिए इस तरह की रैंकिंग का अपना महत्व है। ताजा रैंकिंग पर नजर डालें तो विभिन्न राज्यों में ही उच्च रैंक में जगह बनाने वाले संस्थानों को लेकर ही असमानता है। यह भी देखा जा सकता है कि केन्द्रीय सहायता प्राप्त संस्थानों के मुकाबले राज्यों के सहयोग से चलने वाले संस्थान रैंकिंग में अपेक्षाकृत पीछे हैं।

यह सच है कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किसी भी देश में ज्यादा से ज्यादा अच्छे शिक्षण संस्थानों की जरूरत महसूस की जाती है। गुणवत्ता पर निगरानी के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों की लगातार समीक्षा भी इसी जरूरत का हिस्सा है। इसीलिए रैंकिंग का यह फ्रेमवर्क बना है। इस तरह की रैंकिंग से विद्यार्थियों और अभिभावकों को तो बेहतर संस्थान के चयन का मौका मिलता ही है, उच्च रैंकिंग वाले संस्थानों को भी कई तरह के लाभ मिलते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से ऐसे संस्थानों को शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता भी प्राप्त होती है। इसका मतलब है कि उच्चतम रैंकिंग वाले और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अपनी पसंद के पाठ्यक्रम चलाने के लिए अधिक स्वतंत्र होते हैं। संकाय सदस्यों का पाठ्यक्रमों पर अधिक नियंत्रण होता है। साथ ही वे सार्वजनिक और बाहरी फंडिंग का भी लाभ उठा सकते हैं। इसलिए उच्च शिक्षण संस्थानों में इस बात की होड़ होती है कि वे इस रैंकिंग में अच्छा स्थान प्राप्त करें। रैंकिंग पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि बेहतर उच्च शिक्षण संस्थानों के मामले में राज्यों में बहुत ही असमानता है। हालत यह है कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश का एक भी विश्वविद्यालय शीर्ष 100 में शामिल नहीं हो पाया है। हां, राजस्थान के तीन विश्वविद्यालयों ने इसमें जरूर जगह बनाई है। समग्र श्रेणी में राजस्थान के चार उच्च शिक्षण संस्थानों ने जगह बनाई है, जबकि मध्यप्रदेश के दो संस्थान इसमें शामिल हैं। छत्तीसगढ़ का कोई भी संस्थान इसमें जगह नहीं बना पाया। दूसरे कई राज्यों में भी असमानता कम नहीं।

राज्यों के उच्च शिक्षण संस्थानों को भी ज्यादा संसाधन देने होंगे। कमोबेश हर राज्य में कम से कम एक शिक्षण संस्थान ऐसा होना ही चाहिए जो उच्च शिक्षा क्षेत्र में बेहतर रैंकिंग पाने में कामयाब हो जाए। सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को रैंकिंग और रेटिंग ढांचे में शामिल करना चाहिए, ताकि संस्थानों की गुणवत्ता के बारे में छात्रों को सही जानकारी मिल सके।

विकसित भारत 2047: केवल अधिकारों पर जोर देना सामाजिक और व्यक्तिगत विकृति का कारण है

देश के नागरिकों में क्यों जरूरी है दायित्व बोध

डॉ. विवेक एस. अग्रवाल
संचार और शहरी स्वास्थ्य विशेषज्ञ
@patrika.com

हम विकसित राष्ट्रों के समकक्ष जीवनशैली की अपेक्षा रखते हैं लेकिन स्वयं के व्यवहार में उस अनुशासन और प्रतिबद्धता को उतारने का प्रयास नहीं करते। यह हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है।

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना की जा रही है। सवाल यह है कि क्या विकसित राष्ट्र का अर्थ मात्र आर्थिक प्रगति ही है। आर्थिक आंकड़े तो संख्या मात्र हैं किंतु वास्तविकता में विकास की अवधारणा इससे बहुत अधिक व्यापक है। अर्थव्यवस्था के पश्चात विकास पथ को प्राप्त करने के लिए आधारभूत संरचना के नाम पर सड़क, बिजली, पानी आदि को विस्तारित करने की परियोजनाओं पर कार्य किया जाता है। विकसित राष्ट्र तब तक सार्थक नहीं है जब तक प्रत्येक नागरिक इस विकास की धारा में स्वयं को अभिन्न अंग मानते हुए अपना योगदान न दे। जैसे स्वास्थ्य की परिभाषा में व्यक्ति की शारीरिक के साथ मानसिक एवं सामाजिक कुशलता को भी स्थान दिया गया है। इसी प्रकार विकसित राष्ट्र की संकल्पना में व्यक्ति या समाज, अर्थव्यवस्था, आधारभूत संरचना एवं पर्यावरण सभी का समेकित रूप से विकसित होना जरूरी है। इनमें से एक भी अवयव के कमजोर होने पर विकास अधूरा रह जाता है।

व्यक्ति एवं समाज के निर्माण के बिना विकसित संसाधनों का उपभोग भी सीमित ही रह जाएगा। वर्तमान संदर्भ में सारा ध्यान व्यक्ति और समाज निर्माण के अतिरिक्त अन्य समस्त पहलुओं पर केंद्रित है। माना जाता है कि शिक्षण संस्थानों के माध्यम से व्यक्ति और समाज का निर्माण और विकास हो जाएगा, लेकिन दैनन्दिन के जीवन में शिक्षा के विकृत स्वरूप को प्रत्यक्ष देखा जा सकता है। वैसे भी ऐसे शिक्षण संस्थानों से यह अपेक्षा करना ही अतिशयोक्ति है जो कोचिंग और ट्यूशन के भरोसे लक्ष्य प्राप्ति की कामना करते हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से पहल की गई है कि शिक्षा अपने सही मायने में व्यक्तित्व का विकास करे ताकि बेहतर और उत्तरदायी समाज का निर्माण हो सके।

केवल अधिकारों के प्रति रुझान रखना सामाजिक और व्यक्तिगत विकृति का कारण है। किसी भी राष्ट्र की सफलता और अभिवृद्धि के लिए अधिकारों एवं दायित्वों में संतुलन होना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान संदर्भ में यह संतुलन अधिकारों की प्राप्ति और कामना की ओर अधिक झुका हुआ है। दायित्वों के प्रति रुझान कम होने से वास्तविक रूप से हम निर्भर राष्ट्र के रूप में ही जीवनयापन कर रहे हैं। परिवर्तन मात्र इतना है कि पहले शासन व्यवस्था का चयन हम नहीं करते थे। यदि किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से भी राष्ट्र के प्रति मौलिक दायित्वों की चर्चा की जाए तो उत्तर अधिकांशतया मौन ही मिलेगा अथवा करों की अदायगी तक सीमित रह जाएगा। ऐसे में विकसित राष्ट्र कैसे सार्थक रूप लेगा? विडम्बना तो यह है कि यदि कोई व्यक्ति मौलिक अधिकारों से वंचित रह जाए तो वह न्याय की गुहार कर सकता है किन्तु यदि उसने राष्ट्र के प्रति अपने मौलिक दायित्वों का वहन नहीं किया तो किसी भी न्याय व्यवस्था के तहत उसे दंड नहीं दिया जा सकता। यहां तक कि हाल ही लागू भारतीय न्याय संहिता में भी दायित्वों की अवहेलना को संज्ञेय अपराध नहीं माना गया है। शीर्ष स्तर पर भी दायित्वों की पालना के लिए वातावरण निर्माण के ठोस प्रयास नहीं किए जाते। दायित्वों के बोध से ही उत्तरदायी जीवनयापन की नींव पड़ती है। आज भी हम प्रथम मौलिक दायित्व यानी संविधान के अनुकूल व्यवहार से कोसों दूर हैं। सामान्य तौर पर कानून की अवहेलना या उल्लंघन मानो एक चलन या गर्व का विषय बन गया है। व्यक्ति का व्यवहार 'क्या फर्क पड़ता है' या 'कौन देख रहा है' के इर्द-गिर्द ही रहता है। हम विकसित राष्ट्रों के समकक्ष जीवनशैली की अपेक्षा रखते हैं लेकिन स्वयं के व्यवहार में उस अनुशासन और प्रतिबद्धता को उतारने का प्रयास नहीं करते। आमतौर पर हम उस अवस्था को अवसर मन लेते हैं जब किसी बहाने से कानून का उल्लंघन किया जा सके और यदि उस उल्लंघन पर दृष्टि पड़ जाए तो फिर पहला प्रयास अपने रसूखात और प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उससे बरी होने का होता है। यह ही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है। दुर्भाग्यवश प्रभावशाली व्यक्ति कानून के उल्लंघन करने वाले में अपराधबोध करवाने के स्थान पर उससे मुक्ति दिलाने का प्रयास करते हैं और अधिकांश मामलों में उसे प्रतिष्ठा का द्योतक बना लेते हैं। उल्लंघन करने वाले को किसी भी प्रकार से अपने किए पर प्रायश्चित भी नहीं होता।

प्रभाव का उपयोग और तुरंत दंड की व्यवस्था नहीं होना ही हमें विकसित राष्ट्र होने में सबसे बड़ी बाधा के रूप में खड़ा है। विकसित राष्ट्रों के अनुरूप, यदि छोटी-छोटी अवहेलनाओं पर त्वरित दंड की व्यवस्था हो जाए तो संभवतया बड़े अपराधों पर भी रोक लग जाएगी। दुख तो तब अधिक होता है जब पढ़ा-लिखा युवा, जिस पर राष्ट्र निर्माण का दारोमदार है, नियम-कायदों के उल्लंघन में शान समझते हुए व्यवस्था को जीर्ण-शीर्ण कर देता है।

व्यवस्था नागरिकों के सुगम जीवन के लिए स्थापित की जाती है, किंतु राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध न होने से वह कुछ ही समय में अव्यवस्था का रूप ले लेती है। इस बार स्वाधीनता दिवस के अवसर पर यदि हम मूलभूत व्यवस्थाओं यथा यातायात नियम पालन, स्वच्छता, नियम सम्मत शहरीकरण, पानी के सदुपयोग जैसे कुछ संकल्प लें, उन्हें अपने जीवन में उतार लें तथा समस्त प्रभावशाली व्यक्ति कानून का उल्लंघन करने वालों का पक्ष नहीं लेने की शपथ ले लें तो देश को वास्तविक विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक पाएगा।

फैक्ट फ्रंट

अमरीकी रॉबिन

अमरीकी रॉबिन (टर्डस माइग्रेटोरियस) एक प्रवासी पक्षी है। इसका नाम यूरोपीय रॉबिन के नाम पर रखा गया है क्योंकि इसकी छाती लाल-नारंगी रंग की होती है, हालांकि दोनों प्रजातियां निकट से संबंधित नहीं हैं। यूरोपीय रॉबिन ओल्ड वर्ल्ड फ्लाईकैचर परिवार से संबंधित है। अमरीकी रॉबिन पूरे उत्तरी अमरीका में व्यापक रूप से फैले हुए हैं। 'पार्टनर्स इन फ्लाइट' डेटाबेस (2019) के अनुसार, अमरीकी रॉबिन उत्तरी अमरीका में सबसे अधिक पाया जाने वाला स्थलीय पक्षी है। इसकी सात उप-प्रजातियां हैं।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस: अवसर विमर्श का, सबक लेने का

धार्मिक कट्टरता और जातिवाद बढ़ाएंगे सांप्रदायिकता का रोग

हम प्रत्येक 15 अगस्त को देश की आजादी का जश्न मनाते हैं। लेकिन आजादी की खुशी पर स्थायी दीमक की तरह लगी विभाजन की विभीषिका को याद करना शायद भूल जाते हैं। इसे याद रखने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के रूप में मनाने का ऐलान किया था। आज का दिन इसलिए अहम है ताकि हम आजादी के लिए बलिदान देने वालों को तो याद करें ही, विभाजन की त्रासदियों का भी स्मरण करें। ऐसा इसलिए भी ताकि हम यह सबक ले सकें कि हमारी भावी पीढ़ियों को कभी ऐसे दिन नहीं देखने पड़ें।

आशीष चतुर्वेदी
लेखक आइआइटी दिल्ली से स्नातक हैं और भाजपा राजस्थान के प्रवक्ता हैं

विभाजन से पहले यानी वर्ष 1947 तक लाहौर, अखंड भारत का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अहम केंद्र हुआ करता था। इसकी गणना उदार और प्रगतिशील महानगरों में हुआ करती थी। विभाजन का दर्द लोगों ने किस तरह से झेला होगा इसका अंदाजा इसी बात से लग सकता है कि जिस लाहौर शहर में 1941 की जनगणना के अनुसार लगभग 32 प्रतिशत आबादी हिन्दू और सिखों की होती थी वहां दस साल बाद वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार मात्र 0.2 प्रतिशत हिन्दू और सिख रह गए। यह त्रासदी अखण्ड भारत के दूसरे कई शहरों में उभर कर आई।

भारत के विभाजन की जो कहानी बड़े पैमाने पर विस्थापन और लोगों को पलायन के लिए मजबूर करने वाली हो वह कैसे भुलाई जा सकती है? लूटपाट, हत्या व महिलाओं से ज्यादती की तब की घटनाएं एक ही पल में बेघर हुए लाखों लोगों के दर्द की कहानियां हैं। भारत के विभाजन का वह दौर इतना भयावह था कि 72 घंटों के भीतर कलकत्ता में 4000 से अधिक लोग मारे गए। जो हिंसा भड़की उसने नोआखली, बिहार, संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश), रावलपिंडी-पंजाब, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत (अब पाकिस्तान स्थित खैबर पख्तूनख्वा) के आसपास के इलाकों में दंगे भड़काने का काम किया। पाकिस्तान में भी हिंदुओं पर चौतरफा कहर टूट पड़ा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि देश को आजादी तो मिली लेकिन उसकी कीमत लाखों लोगों ने अपना घर-बार, कारोबार, इज्जत-आबरू, सांसें यानी सब कुछ लुटाकर चुकाई।

विभाजन क्यों हुआ, इसके बहुत से कारण गिनाए जा सकते हैं। अंग्रेजों की 'फूट डालो राज करो' की नीति का नतीजा 1905 में बंगाल का विभाजन, 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना, 1919 के खिलाफत आंदोलन व 1933 में रहमत अली के पाकिस्तान डिक्लेरेशन को लेकर सामने आ चुका था। वर्ष 1940 में मुस्लिम लीग का लाहौर प्रस्ताव भी इसके केन्द्र में था। इन सबके पीछे जो थ्योरी काम कर रही थी वह यह थी कि मुसलमानों को ऐसा लगता था कि जब अंग्रेज हिंदू बहुल भारत को स्वतंत्रता सौंपेंगे तो उनके पास कुछ नहीं बचेगा। जबकि अविभाजित भारत की 1941 की जनगणना के अनुसार मुसलमानों की आबादी 9 करोड़ 20 लाख के लगभग थी जो कुल आबादी का 23.81 प्रतिशत थी।

बहुत से लोग अखंड भारत की तुलना उस मानव शरीर से कर रहे थे जो सदियों से सांप्रदायिकता के रोग से ग्रसित था। उनका मानना था कि विभाजन के बाद देश को साम्प्रदायिकता के रोग से मुक्ति मिल जाएगी। सर्जरी हुई भी। लेकिन पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (पाकिस्तान) के बनने के 77 साल बाद भी आज बांग्लादेश में कट्टरता के जो हालात हैं, उन्हें देखते हुए कहा जा सकता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में साम्प्रदायिकता का रोग और बढ़ता जा रहा है। समय रहते हमें समाज में इस असाध्य रोग के उपचार के लिए विमर्श करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी न आए। धार्मिक कट्टरता और जातिवाद तो इस रोग को बढ़ाने का ही काम करेगा। ऐसे में सर्वधर्म समभाव बनाए रखना सबसे बड़ी जरूरत है।

पर्सीड उल्कापात: ऐतिहासिक अवशेषों की पृष्ठभूमि और खगोलीय घटना का रोमांच

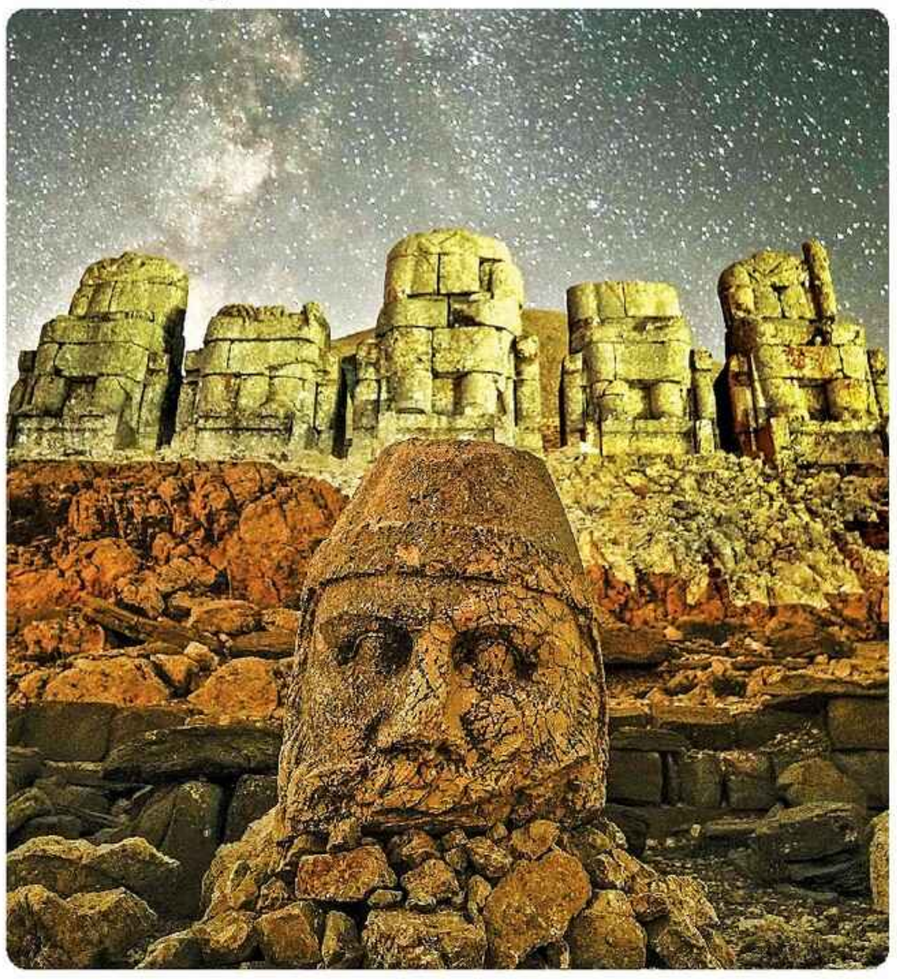

दक्षिण-पूर्वी तुर्की में माउंट नेमरुट पर प्राचीन मूर्तियों व निर्माणों के अवशेष, और पृष्ठभूमि में पर्सीड उल्कापिंडों की सोमवार को हुई बौछार का दृश्य। दरअसल, पर्सीड उल्काएं स्विफ्ट-टटल धूमकेतु द्वारा छोड़ा गया मलबा है, जो सूर्य की परिक्रमा एक अण्डाकार पथ पर करता है जिसे पूरा करने में 133 वर्ष लगते हैं। जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर अपने पथ पर बढ़ते हुए मलबे के बादल से गुजरती है, तो उसका गुरुत्वाकर्षण मलबे को अपनी ओर खींचता है, जिससे उल्कापात होता है। चित्र में नजर आ रहीं प्राचीन मूर्तियां 7,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर हैं और एक प्रार्थना स्थल के परिसर का हिस्सा हैं, जिसे प्राचीन कॉमाजेन साम्राज्य के राजा एंटिओकस प्रथम ने अपने स्मारक के रूप में बनवाया था।

मुद्दा: अजा-जजा वर्ग में बहुत सी ऐसी जातियां हैं जिनको आरक्षण का समुचित लाभ नहीं मिला

अजा-जजा आरक्षण में उपवर्गीकरण का मतलब

हाल ही उच्चतम न्यायालय ने अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के आरक्षण में उपवर्गीकरण के पक्ष में फैसला दिया है। न्यायालय ने कहा है कि जिनको अभी तक पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाए। राजनीतिक दलों के रवैए को देखते हुए इस फैसले का लागू होना आसान नहीं है। हमारा देश जाति प्रधान देश रहा है। राजनीतिक दलों के वर्तमान रवैए से इसको और बल मिलेगा। बहुत सारे लोग यह तर्क दे रहे हैं कि उपवर्गीकरण ठीक नहीं है क्योंकि अनुसूचित जातियों और जनजातियों के जो समूह बनाए गए हैं, उनमें कोई भेद नहीं है।

निश्चित रूप से अजा-जजा से जुड़े लोगों को वह सम्मान नहीं मिला जो सम्मान मिलना चाहिए था, परंतु आज समाज की एक सच्चाई यह है कि सामाजिक सम्मान का आधार आर्थिक है। इन वर्गों की बहुत सारी उपजातियां आरक्षण का लाभ लेकर अपने को आर्थिक तौर पर काफी मजबूत कर चुकी हैं। अब तक जो सामाजिक शोध आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि आरक्षित वर्ग के वंचित लोगों के साथ उनके ही वर्ग की अन्य जातियों के संपन्न लोग भेदभावपूर्ण व्यवहार करते हैं। निश्चित रूप से आरक्षित वर्ग का संपन्न वर्ग वंचितों के साथ शासक या सवर्णों की भांति व्यवहार करता है। आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था थोड़ी अटपटी तो अवश्य लगती है लेकिन तार्किक और न्याय की दृष्टि से यह व्यवस्था उपयुक्त लगती है क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियों ने उठाया और उसमें से कुछ इतनी विकसित हो चुकी हैं कि आज उनको आरक्षण की जरूरत नहीं है लेकिन वोट बैंक के आधार पर आज भी इस सत्य को कहने का साहस किसी के पास नहीं है। परिणाम यह है कि वंचित निर्धन लोगों के साथ अन्याय होता रहा और शायद इस निर्णय के आ जाने के बाद भी यथावत होता रहे। जीतन राम मांझी जैसे नेता खुश हैं, परन्तु इनकी संख्या नगण्य है। इसलिए हो सकता है इनकी मांग 'नक्कार खाने में तूती की आवाज' बनकर रह जाए। सवाल यह है कि सामाजिक न्याय का जो नारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने दिया था, क्या उसमें अति निर्धन और महादलित को पर्याप्त अवसर न देने की बात कही गई थी? ऐसा कदापि नहीं है। राजनीतिक दल केवल वोट बैंक पर अपना ध्यान रखे हुए हैं और इस उपवर्गीकरण का विरोध कर रहे हैं।

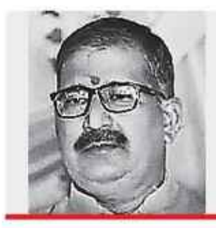

आर.एन. त्रिपाठी
प्रोफेसर, समाजशास्त्र, बीएचयू और सदस्य यूपीपीएससी
@patrika.com

आरक्षण का उपवर्गीकरण समाज में समता, समानता एवं मौलिक अधिकारों के मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा करके वंचित वर्गों के लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दे सकता है।

अगर हम देश में न्यायिक नीतियों के आधार पर न चलकर वोट की राजनीति में बहते रहे तो इस देश का भविष्य भी काफी विषाक्त हो सकता है। अगर आप सामाजिक सर्वेक्षणों की बात करें तो स्पष्ट होगा कि अनुसूचित जातियों में भी बहुत सी ऐसी जातियां हैं जिनको आरक्षण का लाभ पूर्णतया मिला और देश के प्रतिष्ठित सेवाओं, पूंजी तथा राजनीति के बल पर इस वर्ग के लोग उच्च स्थानों पर हैं, वहीं वाल्मिकी, मांझी, बैगा जैसी कुछ ऐसी भी जातियां हैं जो आज भी अपने पुराने पेशों से जुड़ी हुई हैं और आज भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका जिसकी वे हकदार थीं। आरक्षण का फायदा समर्थ जातियां को मिला और उन्होंने अपने स्तर को उठा लिया। आरक्षण का प्रतिशत कम नहीं हुआ परंतु उसका लाभ कुछ जातियों के कुछ लोगों को ही मिल पाया।

उच्चतम न्यायालय ने इस विसंगति को समझा। इसीलिए कहा कि क्या अनुसूचित जाति और जनजाति के आइएएस, आइपीएस और पूंजीपति के घर के बच्चे गांव के भूमिहीन, निर्धन और वाल्मीकि समाज में रहने वाले बच्चों के बराबर हैं? निश्चित रूप से आरक्षित वर्ग में जो अपेक्षाकृत सक्षम और संपन्न हैं, उन्होंने आरक्षण का पूरा लाभ ले लिया और जो पिछड़े रह गए उन्हें आरक्षण का लाभ ही नहीं मिला।

सामाजिक समरसता के नजरिए से विचार किया जाए तो इस विसंगति का दूर होना बहुत आवश्यक है। आरक्षण का उपवर्गीकरण ही एकमात्र रास्ता है जो समाज में समता समानता एवं मौलिक अधिकारों के मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा करके इन वर्गों के लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दे सकता है। मुश्किल यह है कि राजनीति के चश्मे में सत्य को देख पाना बड़ा मुश्किल होता है, क्योंकि वोट रूपी कील हमेशा उस चश्मे को तोड़ने के लिए लगी रहती है। इसलिए नेता ऐसे मामलों से बचते हैं और यथा स्थिति बनाए रखने में ही भलाई समझते हैं। राजनीतिक दलों को सच्चाई समझनी होगी।

प्रसंगवश

कागजी साबित न हो जाएं बाढ़ राहत के आधे-अधूरे उपाय

ओवरफ्लो हो रहे बांधों पर कई जगह सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं हैं जबकि वहां हजारों सैलानी उमड़ रहे हैं

आग लगने पर कुंआ खोदने का जतन करना सरकारी मशीनरी के लिए कोई नई बात नहीं है। हर आपदा के मौके पर हालात ऐसे ही नजर आते हैं, बचाव के उपाय तभी तलाश किए जाते हैं जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगता है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में इन दिनों मानसूनी बरसात का दौर चरम पर है। कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं और समय से पहले ही औसत वार्षिक वर्षा हो चुकी है। इस बीच हादसे प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल रहे हैं। अब तक प्रदेश में दर्जनों वर्षाजनित हादसों में कितने ही लोगों को जान गंवानी पड़ी है। यह सही है कि कई मामलों में लोगों की लापरवाही भी जानलेवा बन रही है। अतिवृष्टि के दौर में नदी-नालों में उफान के साथ बांध व तालाबों के लबालब होने की सूचनाएं भी आ रही हैं। प्रदेश के ज्यादातर बांध छलक गए हैं या छलकने के कगार पर हैं। झरने भी चल रहे हैं। ऐसे में प्रदेश के पिकनिक स्पॉट पर लोगों की खासी भीड़ उमड़ रही है। सबसे बड़ी जरूरत दूर-दराज के ऐसे ही स्थानों पर सुरक्षा के मजबूत बंदोबस्त की महसूस की जा रही है। ओवरफ्लो हो रहे बांधों पर कई जगह सुरक्षाकर्मी भी तैनात नहीं हैं जबकि वहां हजारों की संख्या में सैलानी उमड़ रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि यह सब पहली बार ही हो रहा है। पिछले कई वर्षों से देखा जा रहा है कि जिन स्थलों पर बारिश में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ती है, वहां भीड़ नियंत्रण और हादसों को रोकने के उपाय नदारद रहते हैं। सब कुछ भगवान भरोसे ही रहता है। यदि कोई अनहोनी हो जाती है तो लोगों को ही दोषी ठहराया जाता है। संबंधित महकमे सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगाकर कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। इन स्थानों पर न तो पुलिस के पूरे इंतजाम नजर आते हैं और न ही संबंधित महकमों की चौकी, जबकि अवकाश के दिन तो ऐसे स्थानों पर दिनभर एसडीआरएफ या सिविल डिफेंस की टीम तैनात रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजधानी जयपुर में तो जलभराव से बने हालात का जायजा खुद सड़कों पर उतर कर लिया। प्रदेश के अन्य हिस्सों में मंत्रियों व दूसरे जनप्रतिनिधियों से भी ऐसी ही उम्मीद की जानी चाहिए। जिलों के प्रभारी मंत्रियों व सचिवों को भी आपदा प्रबंधन के तहत किए जाने वाले प्रयासों की सतत निगरानी रखनी चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर सारी व्यवस्था चाकचौबंद मिले। राहत के आधे-अधूरे उपाय तो कागजी ही साबित होंगे। - **जयप्रकाश सिंह**
jaiprakash.singh@epatrika.com

आपकी बात

नैतिकता की कमी

इस बात को समझना होगा कि कानून अपराधी को सजा देने के लिए बनाए जाते हैं। अपराध में वृद्धि समाज में नैतिकता और अनुशासन की कमी के कारण होती है। कानून तो अपराध होने के बाद अमल में आते हैं।
-**फजल अकबर जई,** बैतूल, मप्र

आज का सवाल

आबादी क्षेत्र में पानी की निकासी की व्यवस्था के मामले में सतर्कता क्यों नहीं बरती जाती?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की प्रतिक्रियाएं

पत्रिकायन का सवाल था, 'कड़े कानूनों के बावजूद महिलाओं से जुड़े अपराध क्यों बढ़ रहे हैं?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/nSBk0
इसे स्कैन करें

अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग

दो बाइकों की भिड़ंत में दो चचेरे भाई समेत तीन की मौत

पत्रिका ब्यूरो @ अंबिकापुर. देर शाम अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर सोमवार को 2 बाइक सवारों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार 2 चचेरे भाई व दूसरे बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई। सूरजपुर जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अखोरा निवासी तिलक चेरवा पिता ललन चेरवा (15) के घर सोमवार को मेहमान आए थे। शाम करीब 7 बजे वह अपने चचेरे भाई अरमान पिता कन्हैया राम (28) के साथ बाइक पर सवार होकर सब्जी खरीदने ग्राम सकालो के लिए निकला था। दोनों कल्याणपुर के पास गेरवानी पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि अंबिकापुर की ओर से आ रहे बाइक सवार ग्राम केरता निवासी अजय बखला पिता सुशील बखला (30) उनकी आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में तीनों की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

गौरेला व पेंड्रा अब नगर पालिका, अधिसूचना जारी

रायपुर@पत्रिका. राज्य शासन द्वारा गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला नगर पंचायत और पेंड्रा नगर पंचायत को नगर पालिका परिषद गठित करने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस संबंध में अधिसूचना का प्रकाशन कर दिया गया है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार नगर पंचायत गौरेला की सीमाएं ही नगर पालिका परिषद गौरेला की सीमाएं होंगी। इसी प्रकार नगर पंचायत पेंड्रा की सीमाएं ही नगर पालिका परिषद पेंड्रा की सीमाएं होंगी। प्रदेश में अब 50 नगर पालिका परिषद हो गई। पहले 48 नगर पालिका परिषद थी।

कब मिलेगी जर्जर स्कूलों से आजादी

मिडिल स्कूल की छत का प्लास्टर गिरा, पांच बच्चे चोटिल

जांजगीर-चांपा के पुटपुरा मिडिल स्कूल का मामला, सीपेज की वजह से कमजोर हुई छत, जिला अस्पताल में नहीं मिला बेड, स्ट्रेचर पर ही किया इलाज

जांजगीर-चांपा @ पत्रिका. जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पुटपुरा के मिडिल स्कूल की छत का प्लास्टर मंगलवार की दोपहर 1.30 बजे भरभराकर गिर गया। इससे स्कूल के अंदर बैठे पांच छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं। छात्रों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। बच्चों का प्राथमिक उपचार कर शाम 6 बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। विडंबना यह है कि जिला अस्पताल में बच्चों के लिए बेड की भी सुविधा नहीं थी। बच्चों का स्ट्रेचर पर ही इलाज किया गया। इस गंभीर मामले को लेकर शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। मौके पर जांच करने के लिए कलेक्टर, डीईओ, बीईओ सहित आला अफसर पहुंचे थे। देर शाम तक इलाज होने के बाद बच्चों की छुट्टी दे दी गई। हेडमास्टर टीकम थवाइत ने बताया कि स्कूल बिल्डिंग के ऊपर बारिश का पानी जमा हो रहा था। पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी। इसके चलते छत के पूरे हिस्से में सीपेज था और छत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी थी।

कक्षा में भरभराकर गिरा छत का प्लास्टर और घायल बच्चे।

मध्याह्न भोजन के समय हुआ हादसा

शिक्षा विभाग के दावों की पोल तब खुल गई जब मिडिल स्कूल पुटपुरा में एक बड़ी घटना होते-होते बच गई। दरअसल, मंगलवार की दोपहर 1.30 बजे मध्याह्न भोजन के लिए घंटी बजी। इस दौरान कक्षा छठवीं के छात्र होमवर्क लिख रहे थे। इसी दौरान भवन की छत का प्लास्टर नीचे गिर गया। इससे शिक्षा यादव, शमर राठौर, मानवी यादव, राधिका राठौर एवं पूनम सहित पांच लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दो छात्राओं के सिर में गंभीर चोटें आने से उनका एक्सरे कराया गया। तीन छात्रों के पांव व चेहरे में चोटें आई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर कलेक्टर आकाश छिकारा, डीईओ अश्वनी भारद्वाज, बीईओ सहित आला अफसर मौके पर पहुंचे। सभी चोटिल छात्रों को संजीवनी एक्सप्रेस के माध्यम से जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया। सभी बच्चों का सिविल सर्जन डॉ. अनिज जगत ने इलाज किया।

पुटपुरा मिडिल स्कूल के छत का प्लास्टर गिरा है। इससे पांच बच्चों को चोटें आई है। सभी बच्चों का उपचार कर शाम को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सभी बच्चों की हालत सामान्य है।

- अश्वनी कुमार भारद्वाज, डीईओ, जांजगीर

बड़ी कार्रवाई : धमतरी-गरियाबंद पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पेंड्रा के जंगल में नक्सलियों का खजाना, 38 लाख नकदी जब्त

सर्चिंग में बारूद, हथियार व बंद हो चुके 2 हजार और 500 के नोटों के 8 बंडल मिले

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

धमतरी/गरियाबंद. नक्सल विरोधी अभियान के तहत धमतरी-गरियाबंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गरियाबंद और धमतरी सीमा के बीच पेंड्रा के घने जंगल के बीच नक्सलियों ने जमीन में नक्सली सामग्री गाडकर रखी थी। 2016 में बंद हो चुके 2 हजार और 500 के नोटों के बंडल भी मिले हैं। कुल जब्त रकम 38 लाख बताई जा रही है। इसके लिए इलाके में 3 दिन सर्चिंग ऑपरेशन चलाया गया था। ये अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के नेतृत्व में स्थानीय नक्सली संगठन द्वारा व्यापारियों व अन्य लोगों से अवैध रूप से लेवी (अवैध राशि) वसूल की गई है।

सूचना मिलते ही धमतरी-गरियाबंद पुलिस बल और सीआरपीएफ ने विशेष सर्चिंग अभियान चलाया। 10 अगस्त को टीम सर्चिंग ऑपरेशन के लिए रवाना हुई। 12 अगस्त को ऑपरेशन समाप्त हुआ।

ये सामग्री बरामद

सर्च ऑपरेशन में पुलिस को स्टील डिब्बे के अंदर 2 हजार नोट के 6 बंडल में 12 लाख रुपए, 5 सौ नोट के 52 बंडल में 26 लाख सहित कुल 38 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। इसके अलावा 23 नग बीजीएल राउंड, दो नग टिफिन आईईडी, आईडी बनाने की सामग्री, 13 नग डेटोनेटर, 1 बंडल फ्यूज वायर, 2 किलो लूज बारूद, यूरिया, 2 नग फ्लैश लाइट, 3 नग मल्टीमीटर, सेंसर रिमोर्ट, इलेक्ट्रिक वायर, नक्सली वर्दी, काला कपड़ा समेत अन्य सामान जब्त किए गए हैं।

गड्ढे में रखी थी सामाग्री : सर्चिंग के दौरान पुलिस बल को धमतरी-गरियाबंद की सीमा पर छोटे गोबरा और पेंड्रा के जंगलों में नक्सलियों ने जमीन में 4 से 5 फीट गड्ढा खोदकर डिब्बों में नोटों के बंडल और बारूद सहित नक्सली रखी थी। इस मामले को लेकर गरियाबंद जिले के थाना मैनपुर में बीएनएस की धारा 308, धारा-17, 20, 21, 40 विविक्रि., अधि. तथा धमतरी जिले के थाना मेचका में धारा-109, 191(2), 191(3), 190 बीएनएस 25, 27 आर्म्स एक्ट, 4, 5 विपअ. तथा 10 विविक्रि.-13 (क), 16 (क), 38 (2), 39 (2) में अपराध दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

नक्सल विरोधी अभियान के तहत अंदरूनी इलाकों में धमतरी और गरियाबंद पुलिस बल को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलियों ने जमीन के भीतर नकद राशि, गोला-बारूद समेत नक्सल सामाग्री गाडकर रखी थी। 38 लाख नगद बरामद हुए हैं।

-आंजनेय वार्ष्णेय, एसपी धमतरी

मुसीबत : सबसे अधिक बिलासपुर से होकर व रायपुर, दुर्ग की भी कई ट्रेनें शामिल

दमोह और उमरिया स्टेशन में एक साथ मेगा ब्लॉक, 26 से 46 ट्रेनें रद्द, कई के मार्ग बदले

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. अभी राजनांदगांव-कलमना रेल लाइन का ब्लॉक खत्म नहीं हुआ कि दूसरा मेगा ब्लॉक रेलवे ने घोषित कर दिया है। राजनांदगांव तीसरी रेल लाइन के नॉन इंटरलॉकिंग के लिए 72 ट्रेनें कैंसिल हुई तथा दर्जनभर से अधिक ट्रेनों को बीच में समाप्त कर देना और मार्ग बदल देना शामिल हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में रेल यात्री 19 अगस्त तक परेशानी में जैसे-तैसे सफर करने मजबूर है। हैरानी ये कि इससे उबरते ही अब 24 अगस्त से 9 सितंबर तक बिलासपुर-कटनी रेल लाइन और दमोह स्टेशन में मेगा ब्लॉक रहेगा, जिससे कुल 46 ट्रेनें कैंसिल हो रही हैं और आधा दर्जन से ज्यादा ट्रेनों का मार्ग बदला है।

इस ब्लॉक के लिए जबलपुर और बिलासपुर रेल अफसरों ने आपस में सामंजस्य बिठाते हुए यह तय किया है कि इस रूट पर एक साथ नॉन इंटरलॉकिंग का काम कराने से, जितनी ट्रेनें कैंसिल होनी हैं, वो एक बार ही में हो जाएंगी। ऐसे में अलग-अलग ब्लॉक लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बिलासपुर और अम्बिकापुर तरफ से चलने वाली अधिकांश ट्रेनें दमोह स्टेशन होकर चलती हैं। चूंकि उमरिया स्टेशन में ब्लॉक होने से रायपुर तरफ से चलने और आने वाली ट्रेनों के काफी यात्री प्रभावित होंगी। कैंसिलेशन के दायरे में कई ट्रेनें शामिल हैं, क्योंकि जबलपुर रेल मंडल के कटनी मुरवाड़ा-बीना रेलवे स्टेशनों के बीच दमोह स्टेशन को तीसरी रेललाइन और उमरिया स्टेशन को तीसरी रेल लाइन से जोड़ने के लिए नॉन इंटरकनेक्टिविटी का कार्य किया जाना हैं।

24 अगस्त से चलेगा तीसरी पटरी का काम

उमरिया रेलवे स्टेशन को तीसरी रेललाइन से जोड़ने का काम 24 अगस्त से 5 सितम्बर तक और कटनी मुरवाड़ा-बीना रेलवे स्टेशनों के बीच दमोह स्टेशन को तीसरी रेललाइन को जोड़ने का काम 26 अगस्त से 9 सितम्बर, 2024 तक चलेगा। इस दौरान दोनों तरफ से एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें कैंसिल होने से हजारों की संख्या में एक दिन में यात्री परेशान होंगे।

भाजपा युवा मोर्चा ने प्रदेशभर में निकाली तिरंगा यात्रा

रायपुर @ पत्रिका. भाजपा के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत मंगलवार को प्रदेशभर में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा बाइक रैली निकाली गई। रैली में मंत्री, विधायक, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए।

नीलामी प्रक्रिया पूरी: निकालने में लग सकते हैं 2 से 5 साल

कटघोरा में शुरू होगी देश की पहली लिथियम खदान, मिलेंगे नए रोजगार

इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रानिक्स और बैटरी निर्माण के उद्योगों को बढ़ावा

बस्तर में भी मिला भंडार, सर्वे जल्द

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. कोरबा जिले के कटघोरा में जल्द लिथियम की माइनिंग शुरू होगी। इसके नीलामी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। खदान से लिथियम निकालने की प्रक्रिया में 2 से 5 साल लग सकता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर में ही लिथियम के भंडार हैं। जम्मू कश्मीर का भंडार दुर्गम स्थल पर है। इस वजह से किसी भी माइनिंग कंपनी ने अपनी रुचि नहीं दिखाई। वहीं छत्तीसगढ़ में कोलकाता बेस्ड माइक्री साउथ माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को टेंडर दिया गया है। कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया, यह लगभग 250 हेक्टेयर क्षेत्र में माइनिंग होगी। यहां 10 से 2 हजार पीपीएम लीथियम कंटेन्ट पाया गया है। छत्तीसगढ़ में इसकी माइनिंग शुरू होने पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बताया छत्तीसगढ़ के बस्तर में लिथियम की संभावना है, यहां भी जल्द सर्वे शुरू होगा।

20 क्रिटिकल एंड स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक की हुई थी नीलामी : केंद्र सरकार के खान मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ सहित बिहार, गुजरात, झारखण्ड, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, जम्मू-कश्मीर में स्थित 20 क्रिटिकल एंड स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स का ई-नीलामी के माध्यम से आवंटन के लिए एमएसटीसी पोर्टल में एनआईटी जारी किया गया है।

ऐसे होगा देश और प्रदेश को फायदा

इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग: लीथियम का सबसे बड़ा इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी में होता है। इसकी माइनिंग से देश इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। छत्तीसगढ़ में भी इससे जुड़े उद्योग शुरू हो सकते हैं।

बैटरी निर्माण उद्योग: लीथियम का उपयोग विभिन्न प्रकार की बैटरी बनाने में होता है, जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि। नवा रायपुर में नए उद्योगों के आने की संभावना है।

रोजगार के अवसर: लीथियम खदान खुलने से सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। खनन, प्रसंस्करण, बैटरी निर्माण और अन्य संबंधित उद्योगों में लोगों को रोजगार मिलेगा।

अग्रणी राज्यों में होगा छत्तीसगढ़: सीएम

सीएम ने सोशल मीडिया में लिखा है, जिओलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया की पुष्टि के बाद कटघोरा में जल्द ही देश की पहली लिथियम खदान खुलेगी। इस खदान के शुरू हो जाने से हमारा छत्तीसगढ़ आने वाले समय में देश के अग्रणी राज्यों में से एक होगा और विकसित भारत - 2047 के निर्माण में छत्तीसगढ़ के लिथियम भंडार का अहम योगदान होगा।

राजनांदगांव : जुआरियों में शामिल भाजपा नेता मौके से फरार

कांग्रेस पार्षद के घर चल रहा था जुए का फड़, 6 गिरफ्तार, 10 लाख नकदी बरामद

पत्रिका ब्यूरो @ राजनांदगांव. नगर निगम के कांग्रेसी पार्षद व एमआएसी मेंबर राजेश गुप्ता उर्फ चंपू अपने घर में जुए का फड़ चला रहा था। पुलिस ने पार्षद गुप्ता के घर में छापे की कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे 6 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जुआरियों के फड से 10 लाख रुपए की नकदी व ताश की पत्ती बरामद किया है। घर में जुआ खेला रहे पार्षद चंपू गुप्ता व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष इरफान शेख मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक सोमवार रात को मुखबिर से सूचना मिली कि बसंतपुर स्थित पार्षद राजेश गुप्ता द्वारा अपने घर में जुए का फड़ चला रहा है। सूचना पर बसंतपुर, कोतवाली व साइबर सेल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

रायपुर, बालोद व डोंगरगांव से पहुंचे थे जुआरी

पुलिस टीम पार्षद के घर कार्रवाई कर जुआ खेल रहे आरोपी उत्तम भोजवानी निवासी इंदिरा नगर चौक बसंतपुर, किशोर देवांगन निवासी ग्राम मोहारा, प्रकाश देवांगन निवासी डोंगरगांव, लाकेश कुमार साहू निवासी कुर्रा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर, फिरोज मेमन निवासी लखोली और कमलेश कुमार दोशी निवासी ग्राम डोडी लोहारा थाना डोंडी जिला बालोद को गिरफ्तार कर लिया। फड से 10 लाख 5 हजार 500 रुपए नकदी रकम बरामद की गई है। फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

अनियमित कर्मचारियों ने की निकाय से सीधे वेतन भुगतान की मांग

रायपुर@पत्रिका. छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के 20 हजार अनियमित कर्मचारियों ने फिर से अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। मांग करने वालों में प्रदेश के 14 नगर निगम, 48 नगर पालिका और 122 नगर पंचायतों के अनिमित कर्मचारी शामिल हैं। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय एड़े, महासचिव शरदराम पोया का कहना है कि आगामी दिसंबर में नगरीय निकाय चुनाव होना है। नगरीय निकाय अनियमित कर्मचारियों की उम्मीद है कि 15 अगस्त के दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने उद्बोधन में उनकी दो सूत्रीय लंबित मांग पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो प्रदेशभर के नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारी निराश होंगे।

आज तक श्रम सम्मान की 4 हजार रुपए वृद्धि निकायों में लागू नहीं: उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को वर्तमान में कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान ठेकेदार के माध्यम से होता है।

एसीबी की कार्रवाई : बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का मामला

चपरासी से 12 हजार की रिश्वत लेते बीईओ ऑफिस का बाबू गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो @ वाड्रफनगर . बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर बीईओ ऑफिस में पदस्थ बाबू को एसीबी की टीम ने 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बता दें कि प्राथमिक शाला ढढ़िया में पदस्थ चपरासी नितेश सिंह अपने एरियर्स की राशि निकलवाने कुछ दिन पूर्व सहायक ग्रेड दो गौतम सिंह के पास बीईओ ऑफिस पहुंचा था। गौतम सिंह ने उससे कहा कि रुपए रिलीज करवाना है तो 20 हजार रुपए खर्चा देना पड़ेगा। रुपए देने में असमर्थता जताने के बाद भी बाबू नहीं माना। अंत में वह रुपए देने को तैयार हो गया।

गौतम सिंह

प्यून ने बनाया रंगे हाथ पकड़वाने का प्लान : इधर चपरासी ने बाबू को रिश्वत के साथ रंगे हाथों पकड़वाने का प्लान बनाया। उसने मामले की शिकायत एसीबी अंबिकापुर के संभागीय दफ्तर में की। चपरासी की शिकायत के बाद एसीबी ने मामले की तस्दीक की तो बात सही निकली। इसके बाद एसीबी की टीम मंगलवार को वाड्रफनगर बीईओ कार्यालय पहुंची। यहां उन्होंने चपरासी नितेश को पहली किस्त के 12 हजार रुपए केमिकल लगाकर दिए। चपरासी ने ये रुपए जैसे ही बाबू के हाथों मे पकड़ाया, वहां पहले से रही एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

आजादी के किस्से इकलौती बेटी को अंग्रेजी सरकार ने उत्तराधिकारी मानने से कर दिया था इनकार

लार्ड डलहौजी की हड़प नीति की शिकार हो गई थी कोरबा की जमींदारी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

कोरबा. कृतज्ञ राष्ट्र आजादी की 78वां वर्षगांठ मनाने जा रहा है। इस आजादी को हमने काफी संघर्ष, बलिदान और त्याग के बल पर हासिल किया है। कई वीर योद्धाओं और वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की आहूति दी है। स्वतंत्रता के खातिर अपना सब कुछ न्योछावर किया है। इन्हीं में से एक कोरबा की जमींदारी है। यहां के राजा जोगेश्वर प्रताप सिंह का कोई पुत्र नहीं था। दो बेटियों में से एक की मृत्यु हो गई थी, दूसरी बेटी की शादी पोड़ी उपरोड़ा के जमींदार रुद्रशरण प्रताप सिंह के संग हुई थी। राजा जोगेश्वर की मृत्यु 1918 में हो गई थी। उनकी बेटी को अंग्रेजी सरकार ने उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया था। अंग्रेजी हुकूमत ने लार्ड डलहौजी के हड़प नीति को आगे बढ़ाया और कोरबा की जमींदारी को हड़प ली। यहां से प्राप्त होने वाले सभी लगानों पर अंग्रेजी सरकार का कब्जा हो गया। धनराज कुंवर के अधिकार छीन गए।

कोरबा राजमहल

रानी ने अंग्रेजों के खिलाफ छेड़ दिया गोपनीय संघर्ष : लेकिन इस घटना ने रानी पर गहरा छाप छोड़ी और उन्होंने अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध गोपनीय तरीके से संघर्ष शुरू कर दिया। स्वतंत्रता संग्राम के लिए रानी नायक तैयार करने लगीं। उनके इस कार्य में यहां के लोगों ने काफी सहयोग किया। आजादी की लड़ाई जैसे-जैसे आगे बढ़ रही थी रानी धनराज ने कोरबा से लगे करतला में स्वतंत्रता सेनानियों की एक बड़ी फौज तैयार कर ली थी। 52 स्वतंत्रता सेनानियों को तैयार किया था जो अंग्रेजी हुकूमत की दमनकारी नीतियों को लोगों के बीच जाकर जानकारी देता था, उन्हें आजादी की लड़ाई में शामिल होने की प्रेरणा देता था।

रानी ने कानूनी लड़ाई से दोबारा हासिल की जमींदारी

अंग्रेजी हुकूमत ने अपने एजेंट के जरिए यहां की सत्ता का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। तब राजा जोगेश्वर की पत्नी धनराज कुंवर ने तत्कालीन ब्रिटीश कोर्ट में इसकी चुनौती दी। कई साल चले कानूनी दांवपेच के बाद बिलासपुर की कोर्ट से धनराज कुंवर मुकदमा जीत गईं और उन्हें अंग्रेजी सरकार से अपनी जमींदारी वापस मिल गई। सन 1922 में धनराज कुंवर इस जमींदारी की दोबारा मालकिन बन गईं।

अंग्रेजी शिक्षा को समझने के लिए खोला इंग्लिश मीडियम स्कूल

उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के महत्व को समझा और एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल को खुलवाया। इसके पीछे रानी की सोच थी कि अंग्रेज अपने कानून की व्याख्या अपनी मर्जी से करते हैं और भारतीय लोगों को मूर्ख बनाकर उन पर एकाधिकार जमाते हैं। अंग्रेजी भाषा को समझने के लिए ही उन्होंने एक इंग्लिश पब्लिक स्कूल खोला। इसका मकसद अंग्रेजी भाषा पढ़ने-लिखने वाले विद्यार्थियों को तैयार करना था जो अंग्रेजों से उनकी भाषा में बात करें। आजादी की लड़ाई में दिए गए अपने योगदान के कारण धनराज कुंवर को रानी की उपाधि दी गई थी। वर्तमान में रानी का कोई परिवार कोरबा में नहीं है लेकिन उनका राजमहल आज भी उनकी जमींदारी व्यवस्था का प्रतीक है, जिसमें आज कमला नेहरू महाविद्यालय का संचालन होता है। रानी ने अपना राजमहल और जमीन कॉलेज को दान कर दिया था।

परिवार

डॉ. शीतल नायर
साइकोथेरेपिस्ट, लेखक एवं कोच

स्वतंत्रता दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को अपने घरों में, परिवार में जीवित रखने का संकल्प लें। आओ संवारें नई पीढ़ी को।

बच्चों का देश के साथ एक मजबूत भावनात्मक जुड़ाव विकसित करें

अतीत के गौरव से रखें भविष्य की नींव

देश अपने 78वें स्वतंत्रता दिवस की दहलीज पर खड़ा है और वातावरण में चारों ओर पुरानी यादों एवं गर्व से भरी हवा भी इठला रही है। इन बीते 77 सालों में बहुत कुछ बदल गया है। गुलामी के जख्मों से उभरती हुई देश की छवि वैश्विक मंच पर नई ताकत के साथ चमक रही है। फिर भी, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान इतिहास के पन्नों में फीका पड़ता जा रहा है। देश को गुलामी की बेड़ियों से आजाद करवाने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने जमकर संघर्ष किया था, लेकिन अब यह संघर्ष हमारे बच्चों के जीवन में केवल एक फुटनोट बनकर रह गया है। देशभक्ति और बलिदान की कहानियां, जो कभी एक राष्ट्र को प्रेरित करती थीं, अब एक भूले हुए अतीत का अवशेष बनती जा रही हैं, जो बेहद चिंताजनक है। ऐसे में परिवार की भूमिका का महत्त्व बढ़ जाता है। आओ, हम बच्चों में स्वतंत्रता व देशभक्ति के भाव का बीज बोएं...

परिवार में ही गढ़ी जाती है विरासत...

परिवार समाज की आधारशिला है। यह प्रथम विद्यालय होता है, जहां बच्चे को जीवन मूल्य का पाठ पढ़ाया जाता है और विरासतें गढ़ी जाती हैं। पारिवारिक दायरे में ही नई पीढ़ी स्वतंत्रता का असली मूल्य सीखती हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि माता-पिता और दादा-दादी इतिहास के पथप्रदर्शक बनें। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों और विजय को जोश और जुनून के साथ बताना चाहिए। भगत सिंह के दृढ़ संकल्प, रानी लक्ष्मीबाई की अदम्य भावना और महात्मा गांधी की अहिंसा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता जैसी साहस की कहानियों को बच्चों से साझा कर आजादी के इस पर्व को मनाएं।

बच्चों को सुनाएं शहीदों के शौर्य की कहानियां

आपकी दिनचर्या कितनी ही व्यस्त क्यों न हो, कोशिश करें कि रात्रि भोजन के बाद परिवार के सभी सदस्य साथ बैठें। घर के बुजुर्ग जब रात के शांत वातावरण में स्वतंत्रता संग्राम की यादों में चमकती आंखों से बच्चों को विरोध प्रदर्शन के लिए मार्च करते स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी सुनाएंगे तो पूरे वातावरण में देशभक्ति का नारा वंदे मातरम् गूंजने लगेगा। चौड़ी-चौड़ी आंखें खोले जिज्ञासु बच्चे जब ये कहानियां सुनेंगे तो इन कथाओं से आत्मसात कर लेंगे। फिर उनका युवा दिमाग अतीत को वर्तमान से साथ जोड़ने लगेगा। तब समझेंगे वे आजादी की कीमत।

यही होगी सच्ची श्रद्धांजलि

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां केवल ऐतिहासिक वृतांत ही नहीं हैं, वे साहस, सत्यनिष्ठ और एकता की शक्ति का भी पाठ हैं। यदि हर परिवार इन कहानियों को बच्चों के दैनिक जीवन में शामिल करेगा तो हम देश के लिए एक ऐसे भविष्य की नींव रख सकते हैं, जो नई पीढ़ी को अतीत से अवगत करवाने के साथ ही प्रेरित भी करती हो। देखा जाए तो वीरों के बलिदान की कहानियां सुनाना देशभक्ति के कार्य से कम नहीं है। यही उन वीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

गर्व और समर्पण के साथ उठाएं दायित्व

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भव्य स्मारकों या परेड में ही नहीं, बल्कि हमारे हर एक घर के भीतर चिंतन और उनके बलिदान की कहानियां सुनाने के अमूल्य क्षणों में भी निहित है। शौर्य और बलिदान की इन कहानियों से घर का वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग जाएगा। तो आइए हम इस दायित्व को गर्व और समर्पण के साथ उठाएं। हमारे बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनाएं। एक ऐसी पीढ़ी का पालन-पोषण करें, जो स्वतंत्रता के वास्तविक मूल्य और इसे सुरक्षित रखने के लिए दिए गए बलिदानों को समझती हो। तभी तो घर-घर में गूंजेगी आजादी की कहानी और बनेगा नया हिन्दुस्तान।

विरासत को बचाने का संकल्प लें

आइए इस स्वतंत्रता दिवस पर हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को अपने घरों में, परिवार में जीवित रखने का संकल्प लें। यह सुनिश्चित करें कि अतीत की छाया हमारे भविष्य का मार्ग रोशन करें। अपने इतिहास को समझने और उसका सम्मान करने के लिए हम कल के वास्तुकारों यानी अपने बच्चों को एक ऐसा राष्ट्र का निर्माण करने के लिए सशक्त बनाएं जो हर विपरीत परिस्थिति में खड़ा रहे। विविधता में एकजुटता का परिचय देने के साथ ही न्याय और समानता में कोई भेदभाव न करें। तभी हम देश को आजादी दिलाने के लिए कुर्बान होने वाले सेनानियों के नव भारत के सपने को साकार कर सकते हैं।

बनेंगे जिम्मेदार नागरिक

स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां अपनेपन की भावनाओं को बढ़ावा देती है। हमें याद दिलाती है कि जिस आजादी को हम अक्सर हल्के में लेते हैं, वह बड़ी मुश्किल से हासिल की गई है। यह हमें एक स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर विचार करने के लिए मजबूर करती हैं। प्रत्येक कहानी हमारी राष्ट्रीय पहचान के ताने-बाने में एक धागा है, जो याद दिलाता है कि बलिदान पर बनी विरासत के हम उत्तराधिकारी हैं। यही कहानियां हमारी पहचान है।

परिवार पकौड़ा @ हॉट टॉपिक

परिवार ही पहली पाठशाला

*पिछले सप्ताह का सवाल था कि **बच्चों को आजादी का मूल्य सिखाने में परिवार की क्या भूमिका हो सकती है?** पाठकों का कहना है कि परिवार पहली पाठशाला है, उन्हें आजादी की कीमत समझाएं।*

संस्कृति से रूबरू करवाएं

बच्चों की पहली पाठशाला परिवार ही होती है। इसके लिए हमें बच्चों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराते हुए अपने शहीदों की शहादत के बारे में बताना चाहिए। उन्हें आजादी की कीमत बताएं।

नमन नरेडी, *अजीतगढ़*

आत्मनिर्भरता के बारे में बताएं

बच्चों को आजादी का महत्त्व सिखाएं। आत्म निर्भरता एवं आत्मप्रेरणा के विषय के बारे में बताएं। उन्हें अपनी पसंद के काम करने दें। इस तरह उनमें प्रारंभ से ही आजादी की भावना उत्पन्न हो सकती है।

रोनिका, *बड़ौदा*

आदर्शों से अवगत कराएं

नई पीढ़ी भाग्यशाली है कि उसे आजादी विरासत में मिली है। लेकिन आज आजादी के मायने बदल गए हैं। परिवार परंपराओं, आदर्शों, संस्कृति के प्रेरणा पुंज है। नई पीढ़ी को इन मूल्यों से अवगत कराएं।

कमल कुमार जांगिड़, *कुचामन*

*परिवार पकौड़ा का इस हफ्ते का सवाल है। **त्योहारों के माध्यम से आपसी प्रेम और सौहार्द कैसे बढ़ाया जा सकता है?** अपनी राय हमें **9057531688** नंबर पर अपने फोटोग्राफ के साथ साझा करें।*

रक्षाबंधन विशेष...

सिंगल चाइल्ड के लिए राखी के पर्व को बनाएं यादगार

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के पवित्र बंधन को दर्शाता है, जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है। यह धागा उनके स्नेह व सौहार्द को एक साथ जोड़ता है। इसके बदले में भाई अपनी बहन के रक्षक के रूप में सदैव खड़ा होने, बहन की जीवन यात्रा में उसका मार्गदर्शन और समर्थन देने का वचन देता है और बहन भाई की लंबी उम्र की प्रार्थना करती है। यह ऐसा त्योहार है जिसमें भाई-बहन एक अनूठा रिश्ता साझा करते हैं। यह प्रेम से भरपूर एक दूसरे के रहस्य को संजोए हुए पलों का मिश्रण होता है। संयुक्त परिवार और बहुत सारे भाई-बहन एक ही छत के नीचे खट्टे मीठे पलों को सरलता से जीवंत रखते हैं। लेकिन अब जब समाज में एकल परिवार का चलन बढ़ने लगा है।

डॉ. ज्योति गिरीश
चाइल्ड काउंसलर एवं पेरेंटिंग कोच

ऐसे में सिंगल चाइल्ड के तौर पर उन सभी अनुभवों की अनुभूति करना मुश्किल है, जो कि दो या दो से अधिक भाई-बहन साझा करते हैं। रक्षाबंधन का त्योहार पास आता है तो सिंगल चाइल्ड को भाई या बहन न होने का दुख परेशान करने लगता है। दूसरों को राखी, तोहफे खरीदते देखकर मन विचलित होने लगता है। तो आइए इस बार खास तरीके से सेलिब्रेट करें रक्षाबंधन...

मैंने भी इन सभी अनुभवों को स्वयं महसूस किया और सिंगल चाइल्ड होने के बाद भी मैं अपने त्योहार बहुत उल्लास के साथ मनाती हूं। इस पर्व को विशेष और यादगार बनाने के लिए मेरे कुछ सुझाव हैं...

अभिभावक

1 इस दिन अपने बच्चे के साथ खास समय बिताएं। अगर आपके भाई बहन हैं तब अपने बच्चे को सभी के साथ सम्मिलित करके अपना व अपने बच्चे के त्योहार को विशेष बनाएं। समय एकसाथ व्यतीत करें ताकी बच्चा अकेला महसूस न करें। बच्चे को विशेष आहार दें एवं उनकी रुचि के अनुसार कार्यों में जोड़ें।

वर्चुअल संबंध

2 अगर परिवार के सदस्य दूर रहते हैं तो उनके साथ वर्चुअल मीटिंग या कॉल कर सकते हैं। ई कार्ड राखी को पोस्ट करें। इससे बच्चे को अपने विस्तृत परिवार से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा तथा परिवार का महत्त्व जीवन में बना रहेगा। उसे मेलजोल बढ़ाने के लिए प्रेरित करें। परिवार के प्रति प्रेम एवं सम्मान का अवसर निखारें।

उत्सव का माहौल बनाएं

3 घर में हर्षोल्लास का माहौल बनाएं, खास तैयारी करें, घर सजाएं। कार्यों में उम्र के अनुसार बच्चे को शामिल करें। उनकी भावनाओं को समझें एवं उनको समझने का समय दें।

कहानियां एवं यादें

4 पिछले रक्षाबंधन की यादों को साझा करें। बच्चों की यादों का पिटारा तैयार करके उन्हें सजोने की प्रेरणा दें। आप उनको स्क्रेपबुक एवं मेमोरी बॉक्स भी गिफ्ट कर सकते हैं।

खुद की देखभाल

5 आप रक्षाबंधन का दिन सेल्फ बॉडिंग के रूप में भी मना सकते हैं। अभिभावक समय-समय पर अपने बच्चों को सेल्फ केयर एवं सेल्फ बॉडिंग का महत्त्व समझाएं।

जरूरतमंदों के साथ

6 आप अकेले बच्चे को राखी एवं गिफ्ट हैंपर तैयार करने की प्रेरणा दें एवं उनकी सहायता करें। बाद में उन हैंपर को जरूरतमंद बच्चों, बड़ों में उन्हीं के हाथ से दें।

रक्षाबंधन पार्टी

7 त्योहार पर घर में पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। इसमें उन दोस्तों को आमंत्रित कर सकते हैं, जिनके सिंगल चाइल्ड हैं या आपके वे सभी प्रियजन, जो परिवार को पूर्ण करते हैं।

जीवनमंत्र...

तुम कहां किसी पर निर्भर हो है नारी...

***हे नारी** तुम तो खुद ही जननी, अन्नपूर्णा, लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा हो तो फिर यह भ्रम क्यों पाल रखा है कि तुम किसी पर निर्भर हो...*

आजकल हमारे चारों तरफ यहां तक की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महिला सशक्तीकरण का नारा बुलंद किया जा रहा है और इसके लिए अथक प्रयास भी किए जा रहे हैं और यह जरूरी भी है क्योंकि इस पृथ्वी लोक की दो बराबर की शक्तियों स्त्री और पुरुष में से आज महिलाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। शिक्षा, समानता, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार, लिंग अनुपात और सुरक्षा आदि सभी बिंदुओं में महिलाएं पुरुषों से काफी पीछे हैं। इसलिए इनके सशक्तीकरण के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु यहां हम महिला की उन आंतरिक जन्मजात शक्तियों की चर्चा कर रहे हैं जो प्रकृति प्रदत्त होने के बावजूद महिला स्वयं भूल बैठी हैं या इन्हें भूलने पर मजबूर किया गया है।

अकेले रहने की स्थिति में बेचारा मानकर जल्दी से जल्दी उसकी इस स्थिति को बदलने का प्रयास करता है। वो वापस जल्द ही किसी स्त्री को घर में लाना चाहता है यानी कि वो एक स्त्री पर पूरी तरह निर्भर है। पहले भी आज भी। क्या एक पुरुष घर के सुबह से शाम तक के दैनिक कार्य, बच्चों का लालन-पालन, साथ में बच्चों की शिक्षा भी, बच्चों और बुजुर्गों की भावनात्मक, मानसिक जरूरतों की पूर्ति कर पाता है? घर और ऑफिस की एक साथ जिम्मेदारी खुशी-खुशी और पारंगत रूप से निभा सकता है क्या? नहीं निभा सकता है। और यदि ऐसा कोई पुरुष करता है तो उसका प्रतिशत बहुत कम ही होगा जो स्त्री की तरह सम्पूर्ण जिम्मेदारी खुशी खुशी निभा सके।

तुम जननी हो, कमजोर कैसे!

शारीरिक रूप से तुम पुरुष से बहुत मजबूत हो क्योंकि तुम तो जननी हो! तुम जो 9 माह शिशु को गर्भ में पालती हो, प्रसव की दर्दनाक पीड़ा को झेल कर वंश वृद्धि और प्रकृति को चलाती हो, शिशु को स्तनपान के जरिए अपना समस्त पोषण उसे प्रदान करती हो, तो तुम शारीरिक रूप से कैसे कमजोर हो सकती हो? खुद ही एक बार सोचो !!

सामाजिक दृष्टि से भी तो अत्यधिक मजबूत हो

क्यों कि तुम समाज में अकेली, विधवा, तलाकशुदा, वृद्धा अवस्था, किसी भी संघर्षपूर्ण स्थिति में रह कर भी स्वयं संघर्ष कर स्वयं के स्तर पर जीवन जीने की तुम्हारी जिजीविषा सभी को ज्ञात है। अकेले ही अपने दम पर अपने आपको और अपने बच्चों और परिवार को संभालना तुम्हें आत्मनिर्भर ही तो बनाता है। फिर कहां तुम किसी पर निर्भर हो? दस हाथों वाली दुर्गा की तरह घर, परिवार ऑफिस, बच्चों, पीहर, ससुराल, समाज सभी को तुम कितना अच्छे से तो मैनेज करती हो। यह तुम्हारी ही तो आंतरिक शक्ति है जो तुमने जन्मजात पाई है तो तुम कहां किसी पर निर्भर, परतंत्र, कहां कमजोर हो?

तुम तो स्वयं में सम्पूर्ण हो!

जबकि एक पुरुष से अपनी तुलना करो कि वह अकेला रहना, तलाकशुदा या विदुर की स्थिति में ज्यादा दिन तक रहना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी समझता है और उसका परिवार और समाज भी उसे इस

सुनो हे नारी!

मानसिक रूप से भी बहुत ज्यादा मजबूत तो तुम पहले से ही हो क्योंकि तुम रो सकती हो, माफ कर सकती हो, भावनाएं व्यक्त कर सकती हो। सहनशीलता और संयम तो कूट-कूट कर भरा है। जब तक तुम्हारे साथ छल, दुर्व्यवहार, हिंसा की अति नहीं होती तब तक तुम बहुत सहन करती हो और मानसिक रूप से संघर्ष करती हो। तुम परिस्थितियों से भागने की बजाय सुधारने का प्रयास करती हो।

तो हे नारी! अपनी जन्मजात शक्तियों को पहचानो। अपने आप को अबला, दुर्बला, असुरक्षित, परतंत्र जैसी विचारधारा से बाहर निकालकर आंतरिक शक्तियों को पहचानो और सशक्त बनो।

सीमा हिंगोनिया,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

काम की बात...

घर से दूर हैं तो होम सिकनेस को ऐसे करें दूर

अपने कॅरियर के सपनों को पूरा करने के लिए कई बार नौकरी या पढ़ाई के लिए घर से दूर जाना पड़ता है तो ऐसे में बहुत से लोग घर की याद से परेशान हो जाते हैं। इसका असर जॉब या स्टडी पर भी पड़ने लगता है। दरअसल, यह होम सिकनेस की स्थिति है। इससे तुरंत बाहर निकलने के लिए अपनों के करीब रहें। अपने हर दिन के अनुभवों को साझा करने के लिए नियमित वीडियो कॉल शेड्यूल करें या संदेश भेजें। परिचित आवाजें सुनने या परिचित चेहरे देखने से आप होम सिकनेस की समस्या से बाहर निकल सकते हैं। साथ ही अपनी दिनचर्या भी सेट करें। एक्टिव और प्रोडक्टिव रहने से अकेलापन या घर की याद कम आती है। स्टडी के निश्चित घंटे निर्धारित करें एवं अपनी हॉबी को भी समय दें। इसके अलावा सेल्फ-केयर को भी प्राथमिकता दें। उन एक्टिविटीज को करें, जिनसे आपको खुशी और आराम मिलता है, जैसे किताबें पढ़ना, संगीत सुनना, टहलना या कोई रचनात्मक कार्य करना।

पिता-पुत्र का रिश्ता...

संवाद-सम्मान से बढ़ाएं टीनएज बेटे की ओर दोस्ती का हाथ

टीनएज बेटे के साथ दोस्ती का रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही सराहनीय कदम भी है, जिसके लिए तीन बातें अहम हैं, आपसी समझ, संवाद और सम्मान। इन टिप्स का ध्यान रखकर आप किशोर बेटे के साथ दोस्ती का रिश्ता कायम कर उसे जीवन में आगे बढ़ने के लिए सही मार्गदर्शन दे सकते हैं।

ध्यान से सुनें

1 अपने बेटे के विचारों और भावनाओं को ध्यान से सुनें, बिना बीच में दखल दिए हुए। इससे उसे अहसास होगा कि आप उसकी बातों को समझते हैं, जो आपसी संवाद को मजबूत बनाएगा।

पसंदीदा रुचियां चुनें

2 उन एक्टिविटीज और हॉबीज पर गौर करें, जो आप दोनों को पसंद हो, जैसे कोई खेल, फिल्म देखना, संगीत सुनना आदि। इस तरह पसंदीदा रुचियों को एंजॉय करके आप न केवल एक-दूसरे के साथ बेहतर समय बिता सकते हैं, बल्कि बॉडिंग भी मजबूत होगी।

मार्गदर्शन करें

3 जब भी आप बेटे को कोई सलाह दे रहे हो तो ध्यान रखें कि वह उपदेश न हो, बल्कि मार्गदर्शन करने वाली हो। उसे खुद से समस्या पर सोचने के बारे में प्रोत्साहित करें।

शॉर्ट रीड 15

अगस्त को भारत के अलावा पांच देश और हैं, जो स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं, जिसमें नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया, बहरीन, कॉन्गो, लिकटेंस्टीन शामिल हैं।

अन्न मूल रूप से जीवन के पुरुषार्थ को प्रभावित करता है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष क्रमशः बुद्धि, शरीर, मन और आत्मा के विषय हैं। किस भाग को किस प्रकार का अन्न प्राप्त होता है, वैसा ही उसका स्वरूप बन जाता है।

अन्न ही मन है

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

अनेक पदार्थ भोजन में जुड़ गए हैं जो विदेशी उपज हैं। यह व्यक्ति की हैसियत बन गया। इसी में मौसम के विपरीत खाने का चलन चल पड़ा।

जीवन यात्रा मन के सपनों से आगे बढ़ती है। मन जहां रमता है, वही व्यक्ति का भविष्य बन जाता है। अतः जो मेरे जीवन का लक्ष्य है उसके अनुसार मन का निर्माण करना पड़ता है, वरना जहां मन ले जाएगा, जाना पड़ेगा। मन के जीते जीत है, मन के हारे हार। गीता मन को साधने का ही मार्ग देती है। अर्जुन का मन ही मोहग्रस्त होकर युद्ध से भटका रहा था। गीता ज्ञान ने उन बादलों को ही छांटा। कृष्ण ने कहा कि अभ्यास से ही चंचलता पर नियंत्रण कर सकते हैं। अभ्यास में भी सर्वप्रथम अन्न ही आता है। सात्विक अन्न से सात्विक मन बनता है, तामसिक अन्न से तामसिक मन बनता है।

पिता की प्रकृति बीज में, माता की देह में, जीव की अपनी प्रकृति के अतिरिक्त अन्न की प्रकृति मिलकर व्यक्ति का स्वभाव बनता है। प्रजनन क्रिया में दम्पति के भाव भी सन्तान के मन का स्वरूप निर्माण करते हैं। गर्भावस्था में जिस धरती-भूगोल के अन्न से शरीर का निर्माण होता है, वही अन्न उम्रभर निरोगी रखता है। भारत जैसे उष्ण देश का अन्न शीत देश (पश्चिम-हिम प्रधान क्षेत्र) के व्यक्ति के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालेगा। मन और बुद्धि दोनों ही त्रिगुणी हैं, किन्तु मन शीतल, बुद्धि उष्ण होती है।

अन्न मूल रूप से जीवन के पुरुषार्थ को प्रभावित करता है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष क्रमशः बुद्धि, शरीर, मन और आत्मा के विषय हैं। किस भाग को किस प्रकार का अन्न प्राप्त होता है, वैसा ही उसका स्वरूप बन जाता है। हम सब एक-दूसरे का अन्न है, अन्नाद हैं। जो भोगा जाए वह अन्न और भोगने वाला भोक्ता। अन्न के भोक्ता को अन्नाद-अग्नि-कहा जाता है। हमारे अध्यात्म में चार विभाग होते हैं–शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा। चारों के पोषण के लिए अन्न चाहिए। चारों का अलग अपना-अपना अन्न होता है। अन्न ज्वलनशील होता है, सौम्य और स्नेहन युक्त (चिकनाई युक्त) होता है। भोक्ता में हमेशा दाहकता-रुक्षता रहती है। अन्न ही अन्नाद में लीन होकर अपना स्वरूप खो देता है। दोनों मिलकर तीसरी वस्तु का निर्माण करते हैं। हर अन्न (सोम) के भीतर अन्नाद (अग्नि) रहता है और प्रत्येक अग्नि के केन्द्र में सोम होता है। दोनों साथ रहते हैं। जिसकी मात्रा अधिक होती है वह दिखाई देता है। दूसरा गौण रहता है। मन से, बुद्धि से एक-दूसरे का भोग करते हैं। जो मिलता है, उसी का भोग करते हैं। अपना-पराया सभी तो इस भोग से हमारा निर्माण करते हैं। अतः हमारा निर्माण- हमारी प्रकृति हमारे वातावरण, संगति, रुचि, आहार-विहार आदि के योग से होता है। वसुधैव-कुटुम्बकम् का यही अर्थ है। प्रत्येक प्राणी-वनस्पति कुछ न कुछ नया जोड़ देता है और हमें पता ही नहीं चलता। शरीर कुछ ग्रहण करता है, बुद्धि कुछ ग्रहण करती है, मन कुछ और ग्रहण करता है। ये सब अन्न बनते हैं। अन्न का पाचन अन्तःस्रावी ग्रन्थियों के स्रावों से होता है, जो व्यक्ति के विचारों द्वारा संचालित होते हैं। विचार बुद्धि का विषय हैं, किन्तु उनमें निहित भावना मन का विषय है। तामसी विचार शरीर को असाध्य रोगों से पीड़ित करते हैं।

आज अन्न भी दूषित और मन प्रदूषित होने लगा है। गीता की युक्त आहार-विहार की मर्यादा पीछे छूट गई–

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।
(गीता 6.17)

अन्न के साथ किसान, व्यापारी, रसोईया, परोसने वाला, माता-पिता-सन्तान के प्रारब्ध तथा इन सभी के मन जुड़े होते हैं। पठन-पाठन-स्वाध्याय-विचार-विमर्श-मंथन आदि सभी का प्रभाव मन पर पड़ता है। अतीत-अनागत के चिन्तन का प्रभाव पड़ता है। सबसे ज्यादा प्रभाव वर्तमान का-भोजन करते समय का-पड़ता है। भोजन-कर्म भी ईश्वर की पूजा है, जो भीतर बैठा है।

भोजन करने से पूर्व ही मन कहता है कि भोजन करना है, नहीं करना है। थाली में रखा 'क्या' नहीं खाना है। मन की यह सलाह शरीर आवश्यकता के अनुसार आती है। उसी का निर्माण करने के लिए ही तो हम भोजन करते हैं। स्वीकृति मिलने पर ईश्वर का धन्यवाद-प्रार्थना। आंखों से भोजन का रस-स्वादन, फिर नाक से, स्पर्श से, जिह्वा से। हर इन्द्रिय के प्राण आपको स्वीकृति दें, यह आवश्यक है। तभी मन में रस का संचार होगा। मन इन्द्रियों का राजा है।

अन्न के स्थूल भाग से शरीर का पोषण होता है। परोसने वाले के मन, मनुहार आदि से ऊर्जा बढ़ती है। वातावरण प्राणवान् बनता है। व्यक्ति को पता लगना चाहिए कि भोजन किसने बनाया और मेरे लिए इसमें क्या संदेश दिया। यह संदेश मन में अमृत प्रवाहित करता है। यदि बिना विचारे भोजन कर गए, जल्दबाजी में, तो इन सारे अनुभवों से वंचित रह जाएंगे। खाने के साथ प्रफुल्लता का वातावरण भी मन का निर्माण करते हैं। मन की प्रथम कामना आनन्द है। उसका माध्यम रस है–ब्रह्म है। अन्न भी ब्रह्म है, आनन्द भी ब्रह्म है, कामना भी ब्रह्म है। इस प्रकार के वातावरण में ही सत्त्व मन का निर्माण होता है। आज अन्न का नया रूप न शरीर के लिए उपयुक्त है, न ही मन के लिए। भोजन में मन का स्थान बुद्धि ने ले लिया। सारा निर्णय बुद्धि, विज्ञान और शरीर के धरातल पर आकर ठहर गया। दूसरे छोर पर मनमर्जी का साम्राज्य खड़ा होगा। मर्यादा-परम्परा-चेतना सब तो पीछे छूट गए।

बुद्धि में विवेक और समझदारी पीछे छूट गई। अभक्ष्य, तामसी, विदेशी, मादक पदार्थों का उपयोग बढ़ गया। कौन किसके लिए बना रहा है–इसके विपरीत बाहर खाना और बाहर के खाने को प्राथमिकता मिलने लगी। अनेक पदार्थ भोजन में जुड़ गए हैं जो विदेशी उपज हैं। यह व्यक्ति की हैसियत बन गया। इसी में मौसम के विपरीत खाने का चलन चल पड़ा। कई वस्तुएं पूरे साल उपलब्ध हैं, जो कभी ऋतुकाल में आती थीं। अब ज्ञान की जगह विज्ञान आ गया, जहां न आत्मा है, न ईश्वर है। जो नया समाज बन रहा है, वह कितना मानवीय संवेदनाओं से युक्त है, सबके सामने हैं।

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

सदा तिरंगा यूं लहराए

डॉ. सत्यवान सौरभ

दुश्मन को ये धूल चटाए।
विश्व विजेता बनता जाए।
आसमान को छूकर आए,
सदा तिरंगा यूं लहराए।।

वीरों की आन बान है ये।
मातृभूमि की शान है ये।
भारत की पहचान है ये,
बच्चों को ये बात बताएं।
सदा तिरंगा यूं लहराए।।

लिए समृद्धि रंग हरा है।
केसरिया कुर्बानी भरा है।
और सफेद शांति धरा है,
चक्र नीला प्रगति लाए।
सदा तिरंगा यूं लहराए।

इस झंडे की साख बड़ी है।
आजादी की बात जुड़ी है।
झंडे से ही कसम खड़ी है,
इस खातिर सब मर मिट जाए।
सदा तिरंगा यूं लहराए।।

बच्चों झंडा ध्येय हमारा।
ये ही तन मन धन है सारा।
प्यारा भारत देश हमारा,
विश्व विजेता बनता जाए।
सदा तिरंगा यूं लहराए।।

बहन

प्रदीप मिश्र

हमारी कलाइयों पर
राखी नहीं खुद को
बांधती हैं बहन
उसे भय है
हमारे हाथों के छूट जाने का

भाई दूज पर परोसा गया खाना
हमारी भूख के लिए नहीं होता
बहन इस बहाने से
हमें जोड़ती रहती है
बचपन के आस्वाद से

बहन आशीर्वाद देती है
ताकी बने रहें हमारे घरों में
शुभ प्रसंग

जीवनभर हम प्रयास करते हैं
बहन को कुछ देने का
हरबार वह हमारे दिए को
कई गुना करके
छोड़ जाती हमारे ही पास

इस तरह से हमारे घरों में प्रेम-
सुख-समृद्धि को
बढ़ाती रहती है बहन।

बहन कभी भी विदा नहीं हुई
मेरे घर से
वह हमेशा बनी रही हमारे बीच
हंसती-बिहंसती
गौरैया की तरह
पूरे घर मे फुदकती
खिड़कियों-दरवाजों के पर्दों को
चुस्त-दुरुस्त करते हुए
हमने तो उसके
वजूद को विदा किया
जो परम्परा की चक्की में
पिसकर धूल बन गया है।

कहानी...

राजेश ने अपनी बहन को देखकर खुशी से गले लगा लिया। दोनों की आंखों में आंसू थे, लेकिन यह आंसू खुशी के थे। सविता ने अपने भाई को राखी बांधते हुए कहा, 'भाई, यह राखी हमारे अटूट रिश्ते का प्रतीक है।'

राखी की सौगात

कुसुम अग्रवाल

मध्यम वर्गीय परिवार का जीवन संघर्षों से भरा होता है, लेकिन उसकी खासियत होती है उसके रिश्तों की मिठास और स्नेह की गरिमा। ऐसे ही एक परिवार में रमेश वर्मा, उनकी पत्नी सविता और बेटा आकाश और बेटी रिया थी। रिया कॉलेज हॉस्टल में पढ़ रही थी। वह हर साल रक्षाबंधन पर जरूर घर आती थी ताकि अपने छोटे भाई आकाश को राखी बांध सके। इस साल भी रिया ने रक्षाबंधन पर घर आने का प्रोग्राम बना लिया। वह बहुत उत्साहित थी, क्योंकि उसे अपने भाई से मिलना बहुत पसंद था। सविता भी रिया के आने की खबर सुनकर बहुत खुश थी। उसने रक्षाबंधन के त्योहार पर दाल बाटी व खीर-चूरमा बनाने की पूरी तैयारी कर ली थी क्योंकि दोनों बच्चों को राजस्थान का यह पारंपरिक भोजन बहुत पसंद था। वह हर बार यही बनाती थी।

रिया रक्षाबंधन से दो दिन पहले ही घर पहुंच गई और अपने भाई के लिए राखी और उपहार जुटाने में व्यस्त हो गई। एक दिन, जब सविता अपने काम में व्यस्त थी, तभी उनके भाई, राजेश का फोन आया। 'बहन, कई वर्ष हो गए तेरे हाथों से राखी बंधवाई नहीं। इस बार तो रक्षाबंधन के पर्व पर आ जा।' राजेश ने भावुक होकर कहा।

सविता ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को समझते हुए कहा, 'भाई, मैं इस बार भी नहीं आ पाऊंगी। घर में भी बहुत काम हैं और बच्चों का ख्याल भी रखना है।' लेकिन फोन रखने के बाद सविता का दिल उदास हो गया। उसने सोचा, 'विवाह के बाद मैं कभी भी अपने भाई को राखी नहीं बांध पाई। हमेशा डाक से ही भेजती रही हूं।' उसकी आंखों में आंसू आ गए, लेकिन उसने अपनी भावनाओं को छिपा लिया।

रिया, जो पास ही बैठी थी, ने अपनी मां और मामा की बात सुन ली। उसे समझ में आ गया कि उसकी मां कितनी उदास हैं। उसने ठान लिया कि इस बार वह अपनी मां को रक्षाबंधन पर मामा जी के पास भेजकर ही रहेगी। अगले दिन रिया ने अपनी योजना बनाई। उसने अपने पिता से बात की और उनसे अपनी मां को मामा जी के पास भेजने की अनुमति मांगी। रमेश वर्मा ने पहले तो हिचकिचाते हुए कहा, 'बेटी, तुम्हारी मां यहां नहीं होगी तो घर का सारा काम कैसे होगा?'

रिया ने मुस्कुराते हुए कहा, 'पापा, हम सब मिलकर सारा काम कर लेंगे। मां को भी भाई से मिलने का हक है।'

रमेश वर्मा ने अपनी बेटी की समझदारी और संकल्प को देखते हुए सहमति दे दी। रिया ने तुरंत अपनी मां से कहा, 'मां, इस बार आप मामा जी के पास रक्षाबंधन पर जाएंगी। मैंने सब व्यवस्था कर दी है।'

सविता ने पहले तो मना किया, 'नहीं बेटी, मुझे यहां रहना चाहिए। तुम्हारे और तुम्हारे पापा के लिए। यह मेरी जिम्मेदारी है।'

रिया ने अपनी मां को समझाते हुए कहा, 'मां, आप हमेशा ही अपनी जिम्मेदारी निभाती आई हैं। इस बार हमारी बारी है। आप निश्चिंत होकर मामा जी के पास जाएं। हमें भी तो देखना है कि हम बिना आपके कैसे काम कर सकते हैं।'

सविता ने अपनी बेटी की बात मान ली। उसके दिल में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने सोचा, 'बेटी ने मेरी खुशी के लिए कितना सोचा है।'

रक्षाबंधन के दिन सविता अपने भाई के घर पहुंची। राजेश ने अपनी बहन को देखकर खुशी से गले लगा लिया। दोनों की आंखों में आंसू थे, लेकिन यह आंसू खुशी के थे। सविता ने अपने भाई को राखी बांधते हुए कहा, 'भाई, यह राखी हमारे अटूट रिश्ते का प्रतीक है।'

राजेश ने अपनी बहन को उपहार देते हुए कहा, 'बहन, तुम्हारा यहां आना मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है।'

इस बीच, रिया और उसके पिता ने घर की सारी व्यवस्था संभाल ली। रिया ने अपने भाई आकाश को राखी बांधी और दोनों ने अपनी मां की गैरमौजूदगी में भी त्योहार की खुशियां मनाईं।

जब सविता घर वापस आई, तो उसने देखा कि सब कुछ सुव्यवस्थित था। रिया और आकाश ने मिलकर घर की सारी जिम्मेदारी निभाई थी। सविता ने अपनी बेटी को गले लगाते हुए कहा, 'बेटी, तुमने मुझे सिखाया है कि अपनी छोटी-छोटी खुशियों के लिए हमें कभी समझौता नहीं करना चाहिए। तुम्हारी हिम्मत और समझदारी ने मुझे प्रेरणा दी है।' रिया ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मां, आपने हमें हमेशा सिखाया है कि रिश्तों की अहमियत क्या होती है। मैंने बस वही किया जो आपने हमें सिखाया है।'

देश की पहली मौसम विज्ञानी

अपने वक्त से काफी आगे थीं अन्ना मणि

देश की पहली मौसम विज्ञानी थीं अन्ना मणि। उनका जन्म सन् 1918 में त्रावनकोर में हुआ था, जो अब केरल का हिस्सा है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने और इसे मापने के लिए उन्होंने 1964 में पहली बार पूरी तरह देश में निर्मित ओजोनसौंड नामक उपकरण बनाया। यह उपकरण गुब्बारे के माध्यम से हवा में भेजा गया ताकि जमीन से 35 किलोमीटर ऊपर तक ओजोन परत की मौजूदगी को अच्छी तरह मापा जा सके।

अन्ना मणि अपने वक्त से काफी आगे थीं। जिन दिनों महिलाओं का उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी मुश्किल था उन दिनों में उन्होंने वैज्ञानिक बन कर दिखा दिया और वह भी एकदम नई शाखा यानी मौसम का। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि अपने आठवें जन्मदिन पर अन्ना मणि ने हीरे के आभूषणों को अस्वीकार कर अपने माता-पिता से उपहार के रूप में विश्वकोशों का सेट मांगा। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने एक सैनिक जहाज पर सवार होकर ब्रिटेन की यात्रा की और वहां 3 वर्षों तक मौसम संबंधी उपकरणों का अध्ययन किया।

उन्होंने ओजोन परत की मॉनिटरिंग करने में वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण मदद की। उनके द्वारा बनाया गया ओजोनसौंड भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा 80 के दशक तक अंटार्कटिका की पड़ताल करने में भी काफी उपयोगी साबित हुआ। 1985 में जब भौतिक विज्ञानी जोसेफ फरमान ने दक्षिणी ध्रुव पर ओजोन परत पर छेद होने की सूचना दी तो भारतीय वैज्ञानिकों ने मणि द्वारा बनाए गए ओजोन सोंड के प्रयोग से इसकी बारीकी से पड़ताल की।

अन्ना मणि तरह-तरह के उपकरण बनाने में माहिर थीं। उन्होंने सोलर रेडिएशन मापने का यंत्र भी बनाया जिसकी मदद से देश में रेडिएशन स्टेशन बना। इस यंत्र और स्टेशन की मदद से भारतीय वैज्ञानिकों ने सोलर रेडिएशन और ओजोन पर कई शोध किए और पत्र प्रकाशित किए। मौसम मापने के विभिन्न उपकरण और पवन ऊर्जा मापने में भी अन्नामनी के उपकरण और उनका कौशल बहुत उपयोगी साबित हुआ।

देश में ग्रीन टेक्नोलॉजी की तैयार करने की पृष्ठभूमि भी अन्ना मणि के प्रयासों से ही संभव हुई। उन्होंने अपने आकलन के दम पर देश में 150 ऐसे स्थानों का चयन किया जहां पवन ऊर्जा के उत्पादन की अपार संभावनाएं थीं। इन स्थानों पर उन्होंने वैज्ञानिक केंद्र बनाए जहां से हवा की ताकत को मापा गया।

उन्होंने 100 से ज्यादा तरह के उपकरण बनाने के लिए एक वर्कशॉप तैयार की जिसमें वर्षा, तापमान, वायुमंडलीय दबाव मापने वाले उपकरण बनाए गए। यद्यपि अन्ना को कई तरह के लैंगिक प्रतिबंधों से जूझना पड़ा लेकिन उन्होंने प्रतिभा से सबका दिल जीत लिया।

लघुकथा...

स्नेह बंधन

रक्षाबंधन में दो दिन ही रह गए थे। देवकी उदास थी। पिछले महीने ही उसका इकलौता फौजी भाई सरहद पर युद्ध के दौरान शहीद हो गया था। पति व बच्चे भी उसके दुख से व्यथित थे।

देवकी बंद कमरे में उस संदूक को खोले बैठी थी जिसमें उसके भाई से संबंधित यादें सहेज कर रखी हुई थीं। उसमें ढेर सी वो राखियां भी रखी हुई थीं जो वो अतिरिक्त ले आती थीं। अंत में जो अच्छी लगती थी, डाक से भेज देती थी।

अब वो सभी राखियां देवकी के लिए महज सूत का धागा लग रही थीं। आज रक्षाबंधन था। पति व बच्चों की छुट्टी थी। अतः देवकी देर तक सोती रही। तभी बाहर के शोर से उसकी आंख खुल गई। ऐसा लगा जैसे सारा मोहल्ला उसके घर के सामने एकत्र हो गया हो! उसने बाहर आ कर देखा। सेना के दो ट्रक घर के द्वार पर थे जिसमें से एक-एक करके जवान उतर रहे थे। कुछ ही देर में सभी जवान सावधान की मुद्रा में कतार में खड़े हो चुके थे एवं अपने दाएं हाथ को आगे कर चुके थे। अब देवकी सब समझ चुकी थी। उसकी आंखों से आंसू बह चले। तुरंत अंदर से संदूक उठा लाई। सामने एक नहीं 25-30 भाई थे। सबकी कलाई पर वो राखी बांधती गई।

तभी पति व बच्चे अलग-अलग ट्रे में अल्प आहार सामग्री ले आए। देवकी ने आश्चर्य से पति की तरफ देखा तो उनके होंठों पर शरारती मुस्कान दिखाई दी। आज भाई के लिए लाई हुई वही अतिरिक्त राखियां भाइयों की कलाई पर सुशोभित थीं। मगर आज वही राखियां सूत का धागा नहीं बल्कि स्नेह बंधन युक्त शीतल अहसास लग रही थीं।

अश्विनी भार्गव

लघुकथा...

निष्ठा

'वह भाग गया। पकड़ो उसे।' अधीक्षक दौड़ते हुए चिल्लाया। बहुत दिनों से कोशिश कर रहा वह पागल आखिरकार आज स्वतंत्रता दिवस के दिन मौका ताड़ कर वह मेंटल अस्पताल से भाग निकला। अधीक्षक की आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी उस पागल के पीछे भागे।

लेकिन सारी कोशिशों के बावजूद भी, वह पागल पता नहीं कैसे छिपते-छिपाते उनकी नजरों से ओझल हो जाता। एक सुरक्षाकर्मी ने उस पागल को कुछ दूर खड़े देखा, जिसके बाद उस सुरक्षाकर्मी ने बिना देर किए अपने साथियों को इशारा किया। वे सब के सब पूरी ताकत से दौड़े, लेकिन लग रहा था कि वह फिर भाग निकलेगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं, उन्हें देख कर भी वह पागल वहीं रुका रहा और कमर की तरफ दोनों हाथ सीधे कर सीना तान खड़ा था।

कुछ क्षणों में सुरक्षाकर्मी दौड़ते हुए उसके पास पहुंचे। वह वैसे ही खड़ा रहा - चुपचाप। सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। कुछ क्षणों तक उसने भी प्रतिकार नहीं किया और तब तक उसे ढंग से पकड़ कर बांध लिया गया।

उसे गाड़ी में चढ़ाते वक्त सुरक्षाकर्मी कह रहा था, 'अच्छा हुआ कि राष्ट्रगान चल गया और यह पागल पकड़ा गया।' दूसरा सुरक्षाकर्मी कहने लगा, 'पूरा पागल है, जो रुक गया।'

-डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी

माइंड गेम...

देशभक्ति की कहानियां

नीचे दिए लेखकों की देशभक्ति से जुड़ी कहानियां तलाशिए। उत्तर अंत में हैं।

1.प्रेमचंद
2.सुदर्शन
3.काजी अब्दुल सत्तार
4.सआदत हसन मंटो
5.कुर्रतुलऐन हैदर
6.अहमद अली
7.युकिओ मिशिमा
8.असगर वजाहत
9.बीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य
10.कृष्ण चंदर
11.अंतरा करवड़े
12.करतार सिंह दुग्गल
13.गुरुमुखसिंह 'मुसाफिर'
14.हमीरजी गोहिल
15.सुभद्रा कुमारी चौहान
16.विष्णु प्रभाकर

बोधकथा

घृणा का जवाब प्रेम से

नेल्सन मंडेला को रंगभेद विरोधी आंदोलन में भाग लेने के कारण 27 साल की कैद हुई थी। जेल में मंडेला के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जाता था। उन्हें कठोर श्रम करना पड़ता था। एक दिन जब मंडेला पत्थर तोड़ रहे थे, गार्ड ने उन्हें अपमानित करने की कोशिश की।

उसने मंडेला के सामने थूक दिया और उनका मजाक उड़ाया। सभी कैदी सोच रहे थे कि मंडेला गुस्से में आकर प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मंडेला ने कुछ अलग ही किया।

उन्होंने शांति से अपना काम जारी रखा और गार्ड की ओर मुस्कुराकर देखा। फिर उन्होंने कहा, 'भाई, मैं समझता हूं कि तुम्हारा दिन अच्छा नहीं जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि कल तुम्हारा दिन बेहतर होगा।'

गार्ड इस प्रतिक्रिया से स्तब्ध रह गया। वह बिना कुछ कहे वहां से चला गया। इसके बाद उस गार्ड का व्यवहार मंडेला और अन्य कैदियों के प्रति बदल गया।

-देवेन्द्रराज सुथार

शॉर्ट रीड | **524** *औसतन मेहमान होते हैं एक भारतीय शादी में। हाल ही चौदह देशों में हुए एक सर्वे में मेहमानों की तादाद भारत में सर्वाधिक रही। (स्रोत: स्टेटिस्टा डॉट काम)*

शेयर बाजार	सेंसेक्स	भारत	निफ्टी
	78,956 (-692.89)		24,139 (-208.00)

सोना	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)
	₹72300 (प्रति 10 ग्राम)(+250)	₹70,651 (प्रति 10 ग्राम) (-87)

चांदी	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)
	₹82,300 (प्रति किग्रा)(-500)	₹81,260 (प्रति किग्रा) (-364)

बिटकॉइन	इथर	बिनेंस
$ 58,717 (-1.26)	$ 2,635 (-1.44%)	$ 520.4 (+0.78%)

डॉलर	यूरो
₹83.96 (प्रति 1 डॉलर)	₹91.74 (प्रति यूरो)

पेट्रोल	डीजल
₹106.45	₹91.85 (प्रति लीटर)

पर्सनल फाइनेंस @ पत्रिका

एसआइपी से एनपीएस में करें निवेश, सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान से निकासी

एनपीएस+एसडब्ल्यूपी हर माह 5,000 रुपए निवेश से ₹1 लाख तक मंथली पेंशन

नई दिल्ली @ पत्रिका. *जिस रेट से महंगाई बढ़ रही है, उससे आने वाले 20-25 साल में आज के एक लाख रुपए की असल वैल्यू 35 से 40 हजार रुपए ही रह जाएगी। आज यदि आपके घर का खर्च 40-45 हजार में चल रहा है तो रिटायरमेंट पर आपको कम से कम एक लाख रुपए मंथली पेंशन या इससे भी ज्यादा पैसों की जरूरत होगी। इसलिए रिटायरमेंट प्लानिंग करना जरूरी है।*

एनपीएस में इतना मिला रिटर्न

अगली पीढ़ी के लिए भी मोटी रकम

अगर आपकी उम्र 30 साल है तो एनपीएस और सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान (एसडब्ल्यूपी) में हर महीने से सिर्फ 5,000 रुपए निवेश कर आसानी से अपने रिटायरमेंट के बाद एक लाख रुपए मासिक पेंशन पा सकते हैं और अपनी अगली पीढ़ी के लिए भी मोटी रकम छोड़कर दुनिया को अलविदा कह सकते हैं।

एनपीएस में निवेश का कैल्कुलेशन

मंथली एसआइपी	₹5,000
निवेश अवधि	30 साल
कुल निवेश	₹18 लाख
औसत रिटर्न	12%
कुल कॉरपस	1.76 करोड़
एन्युटी की खरीद	40%
एन्युटी राशि	₹71 लाख
एन्युटी पर ब्याज	7% सालाना
लंपसम राशि	₹1.05 करोड़
मंथली पेंशन	₹41,000

लंपसम राशि एसडब्ल्यूपी में ऐसे करें निवेश

लंपसम निवेश	₹1.05 करोड़
अनुमानित रिटर्न	12%
मासिक निकासी	₹59,000
रिटायरमेंट के 20 साल बाद कुल कॉरपस	₹4.75 करोड़

ऐसे मिलेगी ₹1 लाख पेंशन

एनपीएस में निवेश पर रिटायर होने के बाद यानी 60 साल की उम्र के बाद टोटल कॉरपस का 60% रकम एकमुश्त निकाल सकते हैं, जो टैक्सफ्री है। वहीं 40% रकम से एन्युटी खरीदना होता है, जिससे हर महीने पेंशन मिलती है। निवेशक एकमुश्त मिले 60% रकम को सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए सालाना 12% औसत रिटर्न देने वाले म्यूचुअल फंड में निवेश कर हर महीने एक लाख रुपए पेंशन पा सकते हैं।

निष्कर्ष: रिटायरमेंट के बाद एन्युटी खरीद से हर महीने 41,000 रुपए पेंशन मिलेगी, वहीं एसडब्ल्यूपी में निवेश से हर माह 59,000 रुपए निकालने पर मासिक पेंशन एक लाख रुपए होगी। एसडब्ल्यूपी में 80 की उम्र तक निवेशित रहे तो कुल कॉरपस ₹4.75 करोड़ हो जाएगा। यानी अगली पीढ़ी के लिए 4.75 करोड़ रुपए छोड़कर जाएंगे।

शेयर बाजार : मंगलवार को 693 अंक लुढ़का सेंसेक्स, निफ्टी 0.85% टूटा, और गिरावट की आशंका

अगस्त में सेंसेक्स-निफ्टी ने गंवाई सारी बढ़त, निवेशकों के ₹17 लाख करोड़ डूबे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. भारतीय शेयर बाजार में जुलाई में 3.5% तेजी देखने को मिली थी, जिससे निवेशकों की संपत्ति 23 लाख करोड़ रुपए बढ़ी थी। जबकि अगस्त में भारतीय बाजार ने अपनी पूरी बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स 1 अगस्त को 82,129 के ऑल-टाइम हाई पर था, जो अब 79,000 के नीचे है। इससे निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपए डूब गए। लिस्टेड कंपनियों की बाजार पूंजी एक अगस्त के 462.4 लाख करोड़ रुपए से घटकर 445.3 लाख करोड़ रुपए रह गई है।

मंगलवार भी भारतीय बाजार के लिए अमंगल साबित हुआ। बैंकिंग, एनर्जी, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार नीचे जा लुढ़का। मंगलवार को सेंसेक्स 693 अंक की गिरावट के साथ 78,956 और निफ्टी 208 अंक की गिरावट के साथ 24,139 अंक पर बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार का शॉर्ट टर्म ट्रेंड निगेटिव है। मुनाफावसूली के साथ अधिक मूल्यांकन होने से बाजार में और गिरावट आ सकती है।

इस माह ऐसे लुढ़का सेंसेक्स

शॉर्ट टर्म ट्रेंड निगेटिव

बाजार में मंदी की स्थिति लौट आई है, क्योंकि सूचकांक बार-बार 21 ईएमए (एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज) से ऊपर जाने में विफल रहा है। बाजार का शॉर्ट टर्म ट्रेंड निगेटिव है। ऊपर की ओर निफ्टी के लिए 24,250 अब एक रेसिस्टेंस है। जब तक निफ्टी 24,250 से नीचे रहता है, तब तक निवेशकों को हर तेजी में बिकवाली करनी चाहिए। सपोर्ट 24,000 के आसपास है। यदि निफ्टी 50 इस स्तर से नीचे गिरता है, तो यह 23,500 की ओर गिर सकता है। - **रुपक डे,** टेक्निकल एनालिस्ट, एलकेजी सिक्योरिटीज

दिख सकती है मुनाफावसूली

भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक इक्विटी बाजारों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया, क्योंकि निवेशकों ने बैंकिंग, आइटी, टेलीकॉम, मेटल्स और ऑयल एंड गैस शेयरों में मुनाफावसूली की। वर्तमान में भारतीय बाजार का मूल्यांकन बहुत अधिक है। साथ ही खुदरा महंगाई नीचे आने के बावजूद आरबीआइ ब्याज दरों में कटौती करने के मूड में नहीं है। इसलिए हम निकट भविष्य में इंट्रा-डे में अस्थिरता और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। - **प्रशांत तापसे,** रिसर्च वीपी, मेहता इक्विटीज

चुनौती : 299 में से केवल 60 चीजों के दाम घटे

महंगाई दर घटने के बावजूद ब्याज दर में नहीं होगी कटौती!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश में खुदरा महंगाई बढ़ने की दर अगस्त 2019 के बाद पहली बार आरबीआइ के 4% के लक्ष्य से नीचे 3.54% पर आई है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन में भी गिरावट आई है, जिससे लोगों में आस जगी है कि आरबीआइ जीडीपी को बूस्ट देने के लिए अक्टूबर में होनी वाली एमपीसी बैठक में रेपो रेट में कटौती कर सकता है और लोगों की ईएमआइ घट सकती है और लोन सस्ता हो सकता है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि खुदरा महंगाई कम होने के बावजूद खाद्य महंगाई बड़ी चुनौती बनी हुई है, इससे अक्टूबर में भी ब्याज दरों (रेपो रेट) में कटौती की संभावना नहीं है।बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट कीमतों में नरमी के बजाय हायर बेस इफेक्ट के कारण कारण आई है, क्योंकि जुलाई 2023 में महंगाई काफी बढ़ गई थी। जहां तक दर में कटौती की संभावना की बात है तो आरबीआइ अक्टूबर में रेपो रेट यथावत रख सकता है।

एक साल में इतनी बढ़ गई कीमतें

एक माह में बढ़ी कीमतें

सभी सब्जियां	14.1%
टमाटर	41.8%
मटर	31.8%
फूलगोभी	23.5%
फोन बिल	8.06%

यह है वजह: जुलाई में बहुत कम वस्तुओं के दाम घटे हैं। खुदरा महंगाई की गणना के लिए ट्रैक 299 वस्तुओं में से केवल 60 वस्तुओं के दाम घटे हैं। जबकि सब्जियों और खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ी हैं। सब्जियों में सिर्फ नींबू और आम के दाम ही घटे हैं। खाद्य महंगाई की चुनौती जस की तस है, जिससे खुदरा महंगाई दर 5 साल के निचले स्तर पर आने के बावजूद ब्याज दरें घटने की गुंजाइश नहीं है।

सूरत : हीरा व्यापार की चमक हुई फीकी, हजारों श्रमिकों पर छंटनी की तलवार

सूरत : हीरा व्यापार की चमक हुई फीकी, हजारों श्रमिकों पर छंटनी की तलवार

अहमदाबाद@पत्रिका. रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध ने गुजरात के हीरा व्यापार की चमक फीकी कर दी है। इन देशों में लंबे समय से चल रहे युद्ध और चीन-अमरीका में मांग घटने से गुजरात में तराशे गए नेचुरल डायमंड की डिमांड में बड़ी कमी आई है। मांग घटने से गुजरात की हीरा इंडस्ट्री मुश्किल में पड़ गई है। नौबत इतनी खराब हो गई है कि करीब 500 छोटी डायमंड फैक्ट्रियों ने अपना शटर गिरा दिया है, जिससे अब तक 70,000 से 75,000 श्रमिकों की नौकरी जा चुकी है। वहीं 200 से अधिक डायमंड फैक्ट्रियों ने 18 अगस्त से 28 अगस्त तक कामकाज बंद करने का फैसला किया है, ताकि तैयार माल को बाजार में निकाला जा सके।

35% तक घटा दिया उत्पादन

इंडियन डायमंड इंस्टीट्यूट के चेयरमैन दिनेश नवाडिया ने कहा कि वर्ष 2024-25 ते शुरुआती 4 महनों में अब तक सूरत की डायमंड फैक्ट्रियों ने अपना उत्पान 35% तक घटा दिया है, ताकि दिवाली पर सप्लाई घटने से नेचुरल डायमंड की मांग और कीमतों में बढ़ोतरी हो। इससे सूरत में हजारों श्रमिकों पर छंटनी की तलवार लटक रही है।

15% घटा निर्यात कई कंपनियां श्रमिकों को लंबी छुट्टियां लेने का विकल्प दे रही हैं। काम नहीं होने से सूरत में फैक्ट्रियों में श्रमिकों को एक हफ्ते में दो से तीन दिन की छुट्टी दी जा रही है। वर्तमान में 5000 में से लगभग 3,500 हीरा काटने और चमकाने वाली इकाइयां ही सूरत में चालू हैं। रत्न एवं आभूषणों का निर्यात 2023-24 में 15% घटकर 2.63 लाख करोड़ रुपए का रहा, जो 3 साल में सबसे कम है। उन्हें कभी भी काम पर आने से मना किया जा सकता है। सूरत अकेले 5000 फैक्ट्रियों में करीब 8 लाख हीरा कारीगरों को नौकरी मुहैया कराता है। वहीं शेष गुजरात सिर्फ 3 लाख कारीगरों को ही नौकरी देता है।हीरा कारोबारियों के मुताबिक, पिछले दो साल में डायमंड ज्वैलरी की कीमतें 40% तक घटी हैं।

मेड इन इंडिया : अब जापानी करेंगे भारतीय कार की सवारी

गांधीनगर. देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने मंगलवार को गुजरात के पीपावाव बंदरगाह से 1,600 से अधिक मेड इन इंडिया एसयूवी फ्रोंक्स की पहली खेप जापान के लिए रवाना की। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने एक्स अकाउंट पर इस तस्वीर को पोस्ट किया। इस एसयूवी का उत्पादन मारुति सुजुकी के गुजरात प्लांट में होता है। फ्रोंक्स मारुति सुजुकी की पहली एसयूवी है, जिसे जापान निर्यात किया गया है।

सांसद गोखले के खिलाफ आरोप तय

अहमदाबाद@पत्रिका. विशेष अदालत ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले के खिलाफ धनशोधन (पीएमएलए) मामले में आपराधिक आरोप तय किए हैं। अदालत ने ईडी की शिकायत पर आरोप तय किए। ईडी ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि विशेष अदालत ने गोखले की यह अर्जी भी खारिज कर दी है जिसमें उनके खिलाफ अपराध मामले का फैसला नहीं होने तक पीएमएलए मामले में कार्यवाही रोकने की मांग की गई थी। ईडी ने अदालत को बताया कि गोखले द्वारा क्राउडफंडिंग के जरिये एकत्र बड़ी राशि को सट्टा, शेयर ट्रेडिंग, भोजन और अन्य व्यक्तिगत खर्चों पर बर्बाद की गई।

पेज 1 का शेष

हिंदुओं के...

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद ने 52 जिलों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ 205 हिंसक घटनाएं होने का दावा किया है। इसे लेकर हाल में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों ने रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया था।

श्रद्धांजलि दिवस पर छुट्टी रद्द : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 15 अगस्त के दिन श्रद्धांजलि दिवस पर सार्वजनिक अवकाश निरस्त कर दिया है। इस दिन 1975 में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीब-उर-रहमान और उनके परिवार को मौत के घाट उतार दिया गया था। इसे श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरकार को आशंका है कि इस दिन अवामी लीग के कार्यकर्ता दंगे कर सकते हैं। ऐसे में छुट्टी रद्द कर दी है।

महिला डॉक्टर...

राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का दौरा किया। आयोग ने अधिकारियों से मामले की रिपोर्ट मांगी है।

कंधे से...

समर-2 प्रणाली को 30 किमी रेंज तक लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर व मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) सहित हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत समर-1 प्रणाली का उपयोग कर रहा है जिसकी रेंज आठ किलोमीटर है। समर प्रणाली में रूसी मूल की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल में बदलाव कर उपयोग किया जाएगा।

'मैंने बहस...

ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन का जमकर मजाक उड़ाया। बोले, ग्लोबल वॉर्मिंग सबसे बड़ा खतरा नहीं है, क्योंकि अगले 400 साल में इसके असर वाली जगहों में सिर्फ एक इंच का आठवां हिस्सा जलस्तर ही बढ़ेगा। इस वक्त मानव जाति के लिए सबसे बड़ा संकट न्यूक्लियर वॉर्मिंग का है। पांच देशों के पास काफी ज्यादा परमाणु शक्ति हैं।

साइबर हमलों से देर हुई, घटाए दर्शक : इंटरव्यू के बाद मस्क ने कहा कि एक्स पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले हुए। इससे इंटरव्यू तय समय पर शुरू नहीं हो सका। शुरू में 10 लाख से ज्यादा लोग इंटरव्यू देख रहे थे। साइबर हमलों के बाद लाइव देखने वालों की संख्या कम करनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही इंटरव्यू शुरू हुआ, कुछ मिनटों में 'साइट क्रैश', 'अनएबल' और 'ब्लैकआउट' ट्रेंड होने लगा। इससे स्पष्ट हो गया कि साइबर हमले से बड़े डिजिटल प्रचार माध्यमों को प्रभावित किया जा सकता है।

कमला हैरिस को भी इंटरव्यू के लिए बुलावा: एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप का लाइव इंटरव्यू के बाद डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को भी इंटरव्यू के लिए आमंत्रित किया है। मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया कि एक्स स्पेसेज पर कमला हैरिस को बुलाने पर बेहद खुश हूं। हालांकि कमला की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

पत्नी को चुनाव लड़वाकर गलती की: अजित पवार

मुम्बई @ पत्रिका. एनसीपी प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में बारामती से अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को उम्मीदवार बनाना उनकी गलती थी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजनीति को पारिवारिक मामलों में नहीं घुसाना चाहिए और पार्टी के निर्णय को गलत बताया। पवार ने कहा कि यह निर्णय पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा लिया गया था।

नासा ने मंगल ग्रह की सतह के नीचे खोजा पानी का भंडार

वाशिंगटन@ पत्रिका . नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने मंगल ग्रह की सतह के नीच पानी का अकूत भंडार खोज लिया है। ये इतना है कि इससे एक सागर भर जाए। सतह के कई किलोमीटर नीचे पत्थरों में दरारें हैं। इन दरारों के बीच इतना तरल पानी है कि उन्हें एकत्र करने पर एक सागर बन जाए। नासा ने यह गणना इनसाइट लैंडर से मिले आंकड़ों से की है। मंगल ग्रह की सतह से 11.5 से 20 किलोमीटर की गहराई में भारी मात्रा में पानी मौजूद है, जिसमें छोटे सूक्ष्मजीवों के होने की भी संभावना है। सैन डिएगो स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशैनोग्राफी के प्लैनेटरी साइंटिस्ट वाशन राइट और उनकी टीम ने यह अध्ययन किया है। वाशन ने कहा है कि मंगल ग्रह की ऊपरी परत यानी क्रस्ट इतनी गहराई में ऐसा माहौल बना देती है कि उसमें तरल पानी जमा हो सके। वाशन और उनके साथियों की यह स्टडी हाल ही में प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित हुई है।

■ केजरीवाल की अर्जी पर सुनवाई आज

नई दिल्ली @ पत्रिका. शराब घोटाले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई होगी। कोर्ट गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर भी सुनवाई करेगा। उधर, दिल्ली की विशेष अदालत ने केजरीवाल और के.कविता की न्यायिक हिरासत दो सितंबर तक बढ़ा दी।

■ ईओएस-08 अब 16 को होगा लॉन्च

बेंगलूरु@ पत्रिका. इसरो के नवीनतम पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस-08) की लॉन्चिंग 16 अगस्त की सुबह 9:17 बजे होगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट : सरोगेसी-आइवीएफ मामला

अंडाणु-शुक्राणु दानदाता बच्चे का जैविक माता-पिता नहीं बन सकता

मुंबई@ पत्रिका. बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि आइवीएफ उपचार के माध्यम से पैदा हुए बच्चों पर अंडाणु या शुक्राणु दान करने वाले माता-पिता अपने अधिकार का दावा नहीं कर सकते। जस्टिस मिलिंद जाधव ने एक महिला की दलील को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया, जिसने अपनी बहन और बहनोई के लिए स्वेच्छा से अपने अण्डाणु दान किए थे और बाद में दावा किया कि वह सरोगेसी के माध्यम से पैदा हुई जुड़वां लड़कियों की जैविक मां है। कोर्ट ने कहा कि एआरटी क्लीनिकों के लिए 2005 में लागू राष्ट्रीय दिशा निर्देशों के मुताबिक शुक्राणु/अंडाणु दाता का बच्चे के संबंध में कोई अभिभावकीय अधिकार या कर्तव्य नहीं होगा। याचिकाकर्ता अण्डाणुदाता महिला ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें कोर्ट ने सरोगेसी से जन्मी जुड़वा बेटियों से मिलने की मांग को भी खारिज कर दिया था।

गले की फांस 10.64 लाख टन खराब गेहूं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. गरीबों की थाली में 10.64 लाख मीट्रिक टन खराब गेहूं पहुंचाने की साजिश की तैयारी है। अभी यह गेहूं गोदामों रखा है, जिसे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने अनफिट कहकर उठाने से मना कर दिया। उधर, गेहूं का भंडारण करने वाली एजेंसी वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन, खरीदी एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम और खाद्य विभाग इसे खराब मानने के लिए तैयार नहीं है। जिम्मेदारों के लिए यह गेहूं गले की फांस बन गया। सूत्रों के मुताबिक कुछ अफसर अब इस गेहूं को राशन वितरण व्यवस्था के तहत बांटने की तैयारी में हैं। कुछ मात्रा वितरण के लिए भेजी जा चुकी है।

एफसीआइ के एजीएम गुण नियंत्रक ने खाद्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर बताया कि 10.64 लाख टन गेहूं अनफिट है। इसमें से 6.38 लाख टन गेहूं उठा सकते हैं, पर पहले अपग्रेड करना होगा। इसमें देरी की तो यह भी उठाने योग्य नहीं बचेगा। बचा 4.26 लाख टन गेहूं परिवहन करने योग्य ही नहीं है। एफसीआइ ने यह पत्र अप्रैल में लिखा पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को इसकी जानकारी ही नहीं है। एफसीआई प्रमुख विशेष गढ़पाले ने कहा, कितना गेहूं अपग्रेड किया, इसकी जानकारी खरीदी व भंडारण एजेंसी के पास होगी, एफसीआइ के पास जानकारी नहीं है।

एफसीआइ ने एसीएस को दी खराब गेहूं की सूची पर अफसरों ने सिर्फ 100 गोदामों में मिला मामूली खराब गेहूं

लीपापोती की तैयारी में जुट गई खरीदी एजेंसी, वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन और फूड विभाग

ऐसे बच रहे

भंडारण एजेंसी वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के जीएम (टेक्निकल) एके दाहायत का कहना है कि एफसीआइ के पत्र के आधार पर जांच की, पर गेहूं खराब नहीं मिला। कुछ ही गोदामों में कमियां पाई थी, जिसके संबंध में कार्रवाई चल रही है।

एफसीआइ की रिपोर्ट

वर्षवार	अनफिट गेहूं	सुधार योग्य
2020-21	1.57	0
2021-22	3.85	0
2022-23	1.12	0.51
2023-24	4.09	3.75
कुल	10.64	4.26

नोट: गेहूं की मात्रा लाख मीट्रिक टन में।

पत्रिका के सवाल पर मंत्री बोले- जांच कराएंगे

जब मंत्री से पत्रिका ने पूछा कि 10.64 लाख मीट्रिक टन अनफिट गेहूं की जांच के लिए क्या किया जा रहा है, तब उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। पत्रिका द्वारा पूछे गए सवाल के बाद उन्होंने 100 गोदामों के अलावा भी 10.64 लाख मीट्रिक टन अनफिट गेहूं की जांच कराने की बात कही।

ऐसे बाहर आई गेहूं को गरीबों की थाली में पहुंचाने की साजिश

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के जिम्मेदार, खरीदी और भंडारण एजेंसी के प्रमुखों को एफसीआइ द्वारा एसीएस को लिखे पत्र की जानकारी थी। जिन्होंने 10.64 लाख टन गेहूं से पीछा छुड़ाने व कमियों को स्वीकारने की बजाए भोपाल, नर्मदापुरम क्षेत्र के 100 गोदामों में रखे कुछ ही गेहूं में कीड़े लगने की बात स्वीकारी है। बीते सप्ताह यह जानकारी विभागीय मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के कार्यालय भी भेज दी। सूत्रों के मुताबिक यह बड़ी मात्रा में अनफिट गेहूं से पीछा छुड़ाने के लिए किया गया। उधर मंत्री ने 100 गोदामों में पाए गए अनफिट गेहूं के लिए जिम्मेदारों पर कार्यवाही करने संबंधी निर्देश दिए हैं।

4037 करोड़ की बैंक ऋण धोखाधड़ी में ईडी के छापे

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 4,037 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मेसर्स कॉरपोरेट पावर लिमिटेड कंपनी और उसके प्रमोटरों मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल और अन्य के 14 ठिकानों पर छापेमारी की। दिसंबर 2022 में सीबीआइ की ओर से दर्ज मामले के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था। छापों में तलाशी में ईडी ने 55 लाख रुपए की नकदी जब्त की है वहीं 205 करोड़ रुपए की एफडी, डीमैट खातों और यूचुअल फंड पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों से फ्रीजिंग आदेश प्राप्त कर लिए हैं।

वनकर्मी की वाहन से कुचलकर हत्या

सिंगरौली (मध्यप्रदेश). चितरंगी थाना क्षेत्र में डयूटी पर जा रहे देवरी बीट प्रभारी वनकर्मी शीतल सिंह गोंड़ (30) की मंगलवार सुबह पिकअप वाहन से कुचलकर हत्या कर दी गई। एक दिन पहले सब्जी के मोलभाव को लेकर हुए विवाद का बदला लेने के लिए सब्जी विक्रेता ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी शव को आधा किमी दूर तक घसीटते हुए ले गया।

आज का पोल

क्या भारतीय पैरालंपिक एथलीट पेरिस में 20 पदक जीत सकते हैं?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 75% नहीं 25%

पिछला सवाल: क्या रोहित और विराट कोहली को दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए?

पेरिस ओलंपिक: कई शीर्ष खिलाड़ियों का सपना टूटा, इगा स्विटेक अपने पसंदीदा रोलां गैरों स्टेडियम में हारीं तो जापानी पहलवान सुसाकी का विजय रथ थमा

स्वर्ण पदक के दावेदार के तौर पर उतरे, हो गए उलटफेर का शिकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. विश्व के शीर्ष वरीय खिलाड़ी के तौर पर पेरिस ओलंपिक में शिरकत करने पहुंचे कई स्टार खिलाड़ियों को बड़े उलटफेर का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीय टेनिस स्टार इगा स्विटेक हो या फिर अमरीकी रेसर नूह लाइल्स। ये खिलाड़ी पेरिस में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार थे, लेकिन इन्हें निराशा हाथ लगी। ***पेरिस ओलंपिक में हुए ये बड़े उलटफेर...***

इगा स्विटेक

झेंग ने टेनिस क्वीन इगा स्विटेक को किया बाहर

टेनिस की महिला एकल स्पर्धा में पोलैंड की इगा स्विटेक प्रबल दावेदार थीं, लेकिन चीन की झेंग किनवेन ने उनका स्वर्ण पदक जीतने का सपना तोड़ दिया। झेंग ने शीर्ष वरीय स्विटेक को उनके पसंदीदा रोलां गैरों स्टेडियम में मात दी व फाइनल में जगह बनाई।

नूह पिछड़े: पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अमरीका के नूह लाइल्स स्वर्ण पदक के दावेदार थे, लेकिन वे कांस्य पदक ही जीत सके। बोत्सवाना के टेबोगो ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

चीन ने अमरीका को पछाड़ा: चार गुणा 100 मीटर रिले तैराकी में यह ओलंपिक का सबसे बड़ा उलटफेर था जब चीन ने अमरीका को पछाड़ दिया। इस इवेंट में अमरीका 64 सालों से अजेय था।

टेबल टेनिस में चीन के वांग से छिना ताज

विश्व नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी चीन के वांग चुकिन को उम्मीद नहीं थी कि पेरिस में उनका ताज छिन जाएगा। पुरुष एकल के तीसरे ही दौर में स्वीडन के ट्रूल्स मोरगार्ड ने रोमांचक टक्कर में वांग को हरा कर उनका विजय रथ थाम दिया।

जमैका को निराशा: 1998 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में पोडियम पर जमैका का कोई एथलीट नहीं था। वहीं 200 मीटर में 1976 के बाद जमैका खाली हाथ रहा।

विनेश ने खत्म की सुसाकी की बादशाहत

यूई सुसाकी

कुश्ती में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन जापान की युई सुसाकी को पहले ही दौर में हरा कर बाहर कर दिया। सुसाकी ने बीते 14 साल से एक भी अंतरराष्ट्रीय बाउट नहीं हारी थी, लेकिन विनेश ने उनका यह दबदबा खत्म किया।

अफवाहों का खंडन

पिता बोले, अभी मनु का शादी करने का कोई इरादा नहीं

मनु भाकर, भारतीय निशानेबाज।

नई दिल्ली @ पत्रिका. पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला शूटर मनु भाकर और भालाफेंक में रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा के अफेयर की सोशल मीडिया पर खबरें चल रही हैं और जल्द शादी करने की अफवाहें भी हैं, लेकिन मनु के पिता राम किशन ने इन खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा, मनु की अभी शादी करने की उम्र नहीं है। वह इस बारे में नहीं सोच रही है। जहां तक बात वायरल वीडियो की है तो उसमें मनु की मां नीरज तो भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रही है।

नियमों का उल्लंघन

पैरा शटलर प्रमोद भगत निलंबित

नई दिल्ली @ पत्रिका. टोक्यो के स्वर्ण पदक विजेता पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत पेरिस पैरालम्पिक में अपना खिताब बरकरार नहीं रख पाएंगे। प्रमोद को विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी 'व्हेयर अबाउट' (ठिकाने का पता) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रमोद ने अपील भी की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। यह निलंबन 1 सितंबर, 2025 तक लागू रहेगा।

निराशाजनक: भारतीय एथलीटों ने टोक्यो में सात जबकि पेरिस ओलंपिक में छह पदक जीते

बड़ा सवाल... 10 से ज्यादा पदकों का लक्ष्य था, आधे पर क्यों रह गए हम?

सौरभ कुमार गुप्ता @ पत्रिका. टोक्यो ओलंपिक 2020 में सात पदक जीतने के बाद भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 से ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य बनाया था। इसके लिए बड़े पैमाने पर पैसा भी खर्च किया गया और खिलाड़ियों को विदेशी कोचों के अलावा हर तरह की सुविधाएं भी मुहैया कराई गई थी। इसके बावजूद पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 एथलीट सिर्फ एक रजत और पांच कांस्य पदक ही जीत सके। साफ है कि यह प्रदर्शन टोक्यो के मुकाबले निराशाजनक है। अब सवाल यह है कि आखिर चूक कहां हुई...

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे पिछली बार के पदकवीर

भारत को पेरिस ओलंपिक में सबसे अधिक उम्मीद उन खिलाड़ियों से थी, जिन्होंने टोक्यो में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते थे, लेकिन उन्होंने निराश किया। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहन ने टोक्यो में कांस्य व वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने रजत पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में सिंधू अंतिम-16 और लवलीना क्वार्टरफाइनल में हारीं जबकि मीराबाई चानू चौथे स्थान पर रहीं।

किस्मत ने दिया धोखा

किस्मत भी पेरिस ओलंपिक में भारतीय एथलीटों के साथ नहीं थी। ओलंपिक इतिहास में पहली बार छह भारतीय खिलाड़ी अलग-अलग स्पर्धाओं में चौथे स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीतने से चूक गए।

विनेश के हाथ से फिसला गोल्ड

महिला पहलवान विनेश फोगाट के लिए पेरिस ओलंपिक बुरे सपने की तरह रहा। विनेश 50 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंचीं। गोल्ड पर उनका दावा मजबूत लग रहा था लेकिन फाइनल से पहले उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा निकला और उन्हें डिस्क्वालीफाई कर दिया गया।

गोल्डन बॉय से छिना ताज...

नीरज के लिए बाधा बनी चोट और 90 मीटर: पेरिस में स्वर्ण पदक की सबसे बड़ी उम्मीद भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा थे। सभी को उम्मीद थी कि वह अपना खिताब बचा लेंगे लेकिन चोट और 90 मीटर की थ्रो नहीं फेंक पाने के कारण स्वर्ण पदक उनसे छिन गया।

अब तोड़ना ही होगा चक्रव्यूह

नीरज काफी समय से 90 मीटर थ्रो फेंकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुए। पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान के अरशद नदीम ने दो बार 90 मीटर की दूरी पार की और स्वर्ण जीता। वहीं, नीरज 89.45 मीटर ही फेंक सके। इस तरह से भारत के हाथ से एक स्वर्ण पदक निकल गया।

हर्निया और कंधे की चोट से परेशान नीरज लंबे समय से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। उन्हें हर्निया की समस्या भी हो गई। नीरज ने स्वीकार किया कि पूरी तरह से फिट नहीं होने का असर उनके खेल पर पड़ा। हार्निया के इलाज के लिए नीरज जर्मनी रवाना हो गए हैं।

जनसंख्या के लिहाज से भारत पदक जीतने में सबसे पीछे रहा...

पेरिस ओलंपिक में जनसंख्या के लिहाज से पदक जीतने में भारत और पाकिस्तान सबसे पीछे रहे। भारत की आबादी करीब 140 करोड़ है और उसके खाते में कुल छह पदक आए। इसके तहत, औसतन 23.60 करोड़ लोगों पर एक पदक आया। वहीं, पाकिस्तान के 24.14 करोड़ लोगों में सिर्फ एक ने पदक जीता।

ग्रेनेडा रहा अव्वल: 1.24 लाख की आबादी वाला ग्रेनेडा जनसंख्या के लिहाज से तालिका में शीर्ष पर रहा। ग्रेनेडा ने दो कांस्य पदक जीते। इसके तहत, 62,719 लोगों पर एक पदक आया।

डोमिनिका पदक जीतने वाला सबसे छोटा देश

डेमिनिका की मैरिलिडी ने जीता गोल्ड।

कैरेबियाई देश डोमिनिका पेरिस में पदक जीतने वाला सबसे छोटा देश रहा। डोमिनिका का क्षेत्रफल 48,671 किमी है और उसकी आबादी 1.14 करोड़ है। इस देश ने एक स्वर्ण और दो कांस्य सहित तीन पदक जीते।

पैरालंपिक 2024: 28 अगस्त से होगा आगाज

पेरिस में उतरेगा भारत का सबसे बड़ा दल, 84 एथलीट लेंगे हिस्सा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ओलंपिक के समापन के बाद अब पेरिस 28 अगस्त से पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करेगा। 28 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले पैरालंपिक खेलों में इस बार भारत अपना सबसे बड़ा दल भेज रहा है। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआइ) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने मंगलवार को बताया कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत 12 खेलों में अपना 84 सदस्यीय दल भेज रहा है। झाझड़िया ने उम्मीद जताई कि टोक्यो पैरालंपिक के शानदार प्रदर्शन का सिलसिला पेरिस में भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, टोक्यो में भारतीय दल ने 19 पदक जीते थे, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य 25 पदक जीतना है।

देवेंद्र झाझड़िया

हमारी एथलीट पूरी तरह तैयार: द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित एथलेटिक्स कोच महावीर प्रसाद सैनी ने बताया कि पैरालंपिक के लिए हमारे एथलीटों की तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा, राजस्थान के पैरा खिलाड़ियों ने पिछली बार पांच पदक जीते थे, इस बार संख्या बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, झाझड़िया ने कहा कि भारतीय दल में अमित सरोहा सबसे अनुभवी व आर्चर शीतल देवी सबसे युवा एथलीट हैं। ।

राजस्थान के 10 पैरा एथलीट दिखाएंगे दम

पेरिस पैरालंपिक खेलों में राजस्थान के 10 एथलीट पदक के लिए दावेदारी पेश करेंगे। पैरा शूटिंग में अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, निहाल सिंह, रुद्राक्ष खंडेलवाल और अमीर अहमद भट चुनौती पेश करेंगे। वहीं एथलेटिक्स में सुंदर गुर्जर व संदीप चौधरी, रोइंग में अनीता चौधरी, तीरंदाजी में श्यामसुंदर और बैडमिंटन में कृष्णा नागर हिस्सा लेंगे। कृष्णा मौजूदा चैंपियन हैं और अपनी कैटेगरी में खिताब का बचाव करने उतरेंगें। वहीं अवनी से एक बार फिर एक से ज्यादा पदकों की उम्मीद होगी।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7075...

बाएं से दाएं... 1. शक्तिशाली, बलवान, अत्यंत बली (4), 5. बद (2), 7. दशा, अवस्था (2), 8. अपमान, बेइज्जती (4), 10. जमींदोज, गाड़ना (3), 12. होंठ, अधर (2), 13. राय, वोट (2), 14. खींचातानी (4), 16. अंत, समाप्ति (2), 17. दया, कृपा (4), 21. ध्वनि, आवाज (2), 22. शारीरिक कौशल, बाजीगरी (4), 24. नफा, लाभ (3), 25. होंठ, अधर (2), 26. प्रत्येक, शिव (2), 27. पुरुष, अर्जुन (2), 29. सीतापति, राघव (2), 31. गर्व, अदा (2), 32. प्राण, सांस, जान (2), 33. प्रदेश, भू-खंड (3)

ऊपर से नीचे... 1. कुर्बानी (4), 2. शपथ-पत्र (5), 3. धूल, गर्द (2), 4. चाह, तीव्र इच्छा (3), 6. आराम, चैन, सहायता (3), 9. पुत्र, रक्त वर्ण (2), 11. झुका हुआ, विनीत (2), 13. बुद्धि, अक्ल (2), 15. बादल, मेघ, वारिद (3), 16. दूसरा और (3), 18. कब्र के ऊपर बनी इमारत (4), 19. चौकन्ना, सावचेत, सतर्क (5), 20. औषधालय, चिकित्सालय (4), 21. अनाड़ी, नासमझ (3), 23. पेंदा (2), 28. दांत (2), 30. नशा, खाता शीर्ष (2)

हल 7074

ब	च	प	न	■	शु	भा	र	भ
क	म	■	फ	र	मा	न	■	ल
ब	न	वा	री	■	र	■	वा	म
क	■	च	■	न	■	ज	ह	न
■	आ	न	न	फा	न	न	■	सी
त	ला	क	■	■	र	क	म	■
ह	क	■	भा	ज	क	■	ह	वि
■	मा	न	व	ता	■	क	ता	र
म	न	न	■	ना	श	■	री	त

SUDOKU 6810...

			2		4	8	1	
	4				8	2	6	3
3			1	6				4
1				4		5	8	
6	3	5	8	2				7
2			5	9		1		
9	1		7				4	
			6	8		7	2	1
8			4		3		5	

हल 6809

8	6	1	4	2	3	9	7	5
2	3	7	9	1	5	6	8	4
5	4	9	7	8	6	3	1	2
9	5	3	8	4	2	1	6	7
1	2	8	6	7	9	4	5	3
6	7	4	3	5	1	2	9	8
7	8	6	2	9	4	5	3	1
4	9	5	1	3	8	7	2	6
3	1	2	5	6	7	8	4	9

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

टेनिस : फाइनल में आंद्रे रुबलेव को हराया, महिलाओं में जेसिका का दबदबा

पोपिरिन ने पहली बार एटीपी मास्टर्स जीता

मॉन्ट्रियल. ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय एलेक्सी पोपिरिन ने सोमवार को कैनेडियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीत लिया। 65वीं रैंकिंग वाले पोपिरिन ने छठे नंबर के रूसी खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को 6-2, 6-4 से हराया। पोपिरिन ने पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता।

महिला एकल: जेसिका ने खिताब का बचाव किया

कैनेडियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब अमरीकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने जीता और अपने खिताब का बचाव किया। उन्होंने हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 2-6, 6-1 से शिकस्त दी।

टी-20 सीरीज : बीसीसीआइ मैचों के आयोजन स्थल में किया बदलाव

बांग्लादेश से पहला मैच अब ग्वालियर में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. बीसीसीआइ ने बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के मैचों के आयोजन स्थालों में बदलाव किया है। बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र के लिए नया कार्यक्रम जारी किया है। नए कार्यक्रम के अनुसार बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज का छह अक्टूबर को होने वाला पहला मैच अब धर्मशाला के बजाय ग्वालियर में खेला जाएगा।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में पहला मैच

ग्वालियर के नए स्टेडियम 'श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम' में यह पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होगा वहीं, अगले साल जनवरी में इंग्लैंड के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के पहले दो मैच के स्थानों में भी फेरबदल है। पहला मैच चेन्नई में जबकि दूसरा कोलकाता में खेला जाना था। लेकिन अब 22 जनवरी 2025 होने वाला पहला मैच कोलकाता में तथा 25 जनवरी को दूसरा मैच चेन्नई में होगा।

खास बातचीत पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे शूटर अनंतजीत नरूका की नजरें अब विश्व कप पर

ओलंपिक में पदक चूकने की विफलता को सफलता में बदलकर रहूंगा

ललित पी.शर्मा
patrika.com

जयपुर.** पेरिस ओलंपिक में भारतीय शूटर अनंतजीत सिंह नरूका मिक्स टीम स्कीट इवेंट में सिर्फ एक अंक से कांस्य पदक जीतने से चूक गए। वो दिन उनके लिए बेहद निराशाजनक था लेकिन अब वह इससे उबरकर भविष्य में अच्छे प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। पहली बार ओलंपिक में शिरकत करने वाले **नरूका ने पत्रिका से खास बातचीत में कहा कि वह हर हाल में पदक जीतने की विफलता को सफलता में बदलकर रहेंगे।

मुझे मलाल है कि देश को पदक नहीं दिला सके

नरूका ने कहा, मुझे और माहेश्वरी को पदक जीतने की पूरी उम्मीद थी लेकिन एक गलत शॉट ने हमारी मेहनत पर पानी फेर दिया। मुझे मलाल है कि देश को पदक नहीं दिला सके लेकिन हमने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया था, लेकिन हर विफलता हमें सफल होने का गुर सिखा जाती है। मैं अगले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए पूरी कोशिश करूंगा।

इवेंट से पहले आंखों से नींद गायब थी

कांस्य पदक मुकाबले में हमारा मुकाबला चीन से था। इवेंट से पहले की रात मैं कभी भूल नहीं सकता। पूरी रात करवट बदलते-बदलते बीती। बार-बार यही बात मन में आ रही थी कि कल यह करना, वह करना है। खैर वह रात बीती और हम मुकाबले के लिए पहुंचे। हमारा मनोबल बढ़ा हुआ था। मैंने और माहेश्वरी ने अपना सौ फीसदी दिया पर शायद वह हमारा दिन नहीं था। मुझे अब तक लगता है कि काश एक अंक और ले लेते।

ओलंपिक खेलों में अलग तरह का दबाव होता है

मैंने विश्व कप समेत कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले हैं और जीते भी हैं, लेकिन ओलंपिक खेलों की बात ही अलग होती है। इसके लिए हम चार साल से तैयारी कर रहे थे। इस बीच हम घर भी बहुत कम आते थे और अधिकतर समय कैंपों में ही बीतता था। हालांकि मैं अपने ऊपर दबाव हावी नहीं होने देता लेकिन ओलंपिक में आप एक अलग तरह का दबाव महसूस करते हैं।

अब विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य

ओलंपिक में पदक से चूक जाने का अफसोस होता है लेकिन मैंने खुद को समझाया कि पदक न जीत सके तो क्या हुआ हम पूरी दुनिया में चौथे स्थान पर रहे हैं। अब अक्टूबर में विश्व कप खेलना है और इसके लिए भारत के शीर्ष 14 शूटरों का चयन किया गया है। अब मेरा लक्ष्य विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतना है। उसके बाद मैं ओलंपिक की तैयारी में जुट जाऊंगा।

राष्ट्रीय पर्व की तैयारी : आजादी के उत्सव के लिए सजा लाल किला, मंत्रियों ने निकाली हर घर तिरंगा बाइक रैली

नई दिल्ली. 78वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले में मंगलवार को फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। इसमें सुरक्षा दस्तों के अलावा रंग बिरंगी पोशाक पहने स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। आजादी के उत्सव की तैयारियों के सिलसिले में हर घर तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। इसमें केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने हिस्सा लिया। रैली में बाइक पर तिरंगा लगाए बड़ी संख्या में युवाओं ने भी हिस्सा लिया।

पत्रिका पोल

Q क्या यूक्रेनी सेना के आक्रामक रुख के बाद रूस युद्ध विराम की पहल कर सकता है?

कल का सवाल था

हिंडनबर्ग रिपोर्ट मामले की क्या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराई जानी चाहिए?

जवाब 79% हां 29% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

मध्यप्रदेश चाहती हूं टैक्स जीरो कर दूं : सीतारमण

भोपाल @ पत्रिका. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि लोग टैक्स पर सवाल करते हैं। पूछते हैं कि इतने सारे टैक्स क्यों हैं। मुझे भी यह बात पसंद नहीं, मैं चाहती हूं कि टैक्स को जीरो पर लेकर आऊं, लेकिन देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। उसके लिए फंड की जरूरत है। हमारे देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सारे कमिटमेंट हैं। इसके लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत रहती है। सीतारमण मंगलवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइआइएसइआर) के 11वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रही थीं।

तमिलनाडु 22 दुर्लभ जीवों के साथ तस्कर दबोचा

चेन्नई @ पत्रिका. चेन्नई एयरपोर्ट पर जांच अधिकारियों ने थाईलैंड के एक यात्री के पास दुर्लभ जीव बरामद किए हैं। उस यात्री से ये जानवर लेने आए एक अन्य व्यक्ति को एयरपोर्ट के बाहर गिरफ्तार किया गया है। दोनों ही दुर्लभ जानवरों की तस्करी में शामिल थे। एयरपोर्ट पर गिरफ्तार थाईलैंड से आए मोहम्मद मीरा सरधराली से 22 वन्यजीव प्रजातियां जब्त की गई। इनमें एक सियामंग गिब्बन (इंडोनेशिया और मलेशियाई बंदर), दो सुंडा फ्लाइंग लेमर्स, एक लाल पैर वाला कछुआ, 5 इंडो चेन बॉक्स कछुए, 9 चार आंखों वाले कछुए, एक कील्ड बॉक्स कछुआ, 2 ग्रीन ट्री पाइथन और एक सफेद होंठ वाला अजगर बरामद किया गया है।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने ली शपथ

ढाका @ पत्रिका. बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट के चार नवनियुक्त जजों ने मंगलवार को शपथ ली। शपथ लेने वालों में न्यायाधीश जस्टिस जुबैर रहमान, जियाउल करीम, मोहम्मद रेजाउल हक और जस्टिस एसएम इमदादुल हक शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद ने शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि कुछ जजों के इस्तीफा देने के बाद शनिवार को अहमद को 25वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

चीन 13 साल की चीनी नृत्यांगना का भरतनाट्यम

बीजिंग @ पत्रिका. चीन की स्कूली छात्रा लेई मुजी ने भरतनाट्यम 'अरंगेत्रम' की प्रस्तुति दे कर इतिहास रच दिया। लेई (13) ने यहां प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना लीला सैमसन, भारतीय राजनयिकों और चीनी प्रशंसकों के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी। चीन में पहली बार 'अरंगेत्रम' भरतनाट्यम का दीक्षांत समारोह था। भारतीय दूतावास के संस्कृति मामलों के प्रभारी सचिव टी.एस. विवेकानंद ने कहा, 'यह चीन में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित और चीन में प्रस्तुत किया गया पहला अरंगेत्रम है।'

संयुक्त राष्ट्र यूएनएससी में बदलाव की मांग

न्यूयॉर्क @ पत्रिका. भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बदलाव की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत आर. रविंद्रन ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में जब दुनियाभर में संघर्ष बढ़ रहे हैं, उनमें यूएनएससी पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में असमर्थ साबित हुआ है, जबकि इस वक्त दुनिया में इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता है। परिचर्चा में ब्राजील, जर्मनी, जापान के भी प्रतिनिधि थे।

पहली बार आक्रामक : सरप्राइज अटैक को भांप नहीं पाई रूसी सेना

रूस के 1000 किमी क्षेत्र पर यूक्रेन का कब्जा, सवा लाख लोगों को निकाला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मास्को/ कीव. पिछले ढाई साल से जारी जंग में पहली बार यूक्रेन ने बढ़त बनाई है। एक सप्ताह पहले रूस के कुर्स्क क्षेत्र में अचानक धावा बोलने वाली यूक्रेनी सेना ने अब एक हजार वर्ग किलोमीटर इलाके पर कब्जा कर लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ फोटो में यूक्रेनी सैनिक रूसी इमारतों पर अपना झंडा फहराते नजर आ रहे हैं। इस सरप्राइज अटैक से बौखलाए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे उकसावे वाला कदम बताया है।

जानकारों का कहना है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार रूस को इतना बड़ा झटका लगा है। हालात बिगड़ने के बाद रूस ने एक लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों को अन्य इलाकों में भेजा गया है। जबकि 11 हजार को पड़ोस के बेलगोरोड इलाके से हटाया गया है। रूसी अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों को प्रति व्यक्ति 115 डॉलर के मुआवजे की पेशकश की है और इलाके में संघीय आपातकाल की घोषणा की है। कुर्स्क क्षेत्र के गवर्नर ने पुतिन को बताया कि 28 रूसी गांव यूक्रेनी हाथों में हैं। पुतिन ने आगे की रणनीति के लिए आपात बैठक बुलाई है।

यूक्रेन की आक्रामकता का अंदाजा इस चित्र से लगाया जा सकता है। कुर्स्क में यूक्रेन के सैनिकों की पकड़ में रूसी सैनिक।

रूस का सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र, जहां यूक्रेन ने धावा बोला।

10 हजार सैनिकों ने बोला धावा

लंदन में मिलिट्री साइंस के निदेशक मैथ्यू सावेल के मताबिक यूक्रेनी सेना की चार ब्रिगेड के दस हजार सैनिक एकाएक इस हमले को अंजाम देकर रूस में 30 किमी अंदर घुस गए। सैनिक पश्चिमी देशों की ओर से दिए गए हथियारों से लैस बताए गए हैं। सावेल ने बताया इस हमले के दौरान यूक्रेन ने बड़े पैमान पर ड्रोन इस्तेमाल किए व रूसी ड्रोन्स को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज से जाम कर दिया।

खतरा : नजदीक है पावर प्लांट

दोनों देशों की सेनाओं के बीच जहां संघर्ष चल रहा है, वह कुर्स्क न्यूक्लियर प्लांट के नजदीक है। ये पावर प्लांट रूस के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट्स में से एक है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) प्रमुख चीफ राफल ग्रोसी ने कहा है कि इस संघर्ष से पावर प्लांट को बचाया जाना चाहिए। कोई हादसा हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे।

यूक्रेन की रणनीति

यूक्रेन ने बारीकी से इस बात का पता लगाया कि यूक्रेन से लगती 245 किलोमीटर लंबी सीमा पर कुछ चौकियों पर रूसी सैनिक तैनात थे। आमतौर पर यहां यूक्रेन की ओर से ज्यादा हमले नहीं होते थे, इसलिए यहां कम सैनिक थे। एक तरफ ये रूसी सैनिक अचानक हमले के लिए तैयार नहीं थे तो दूसरी ओर यूक्रेन की ओर से ऐसी सैन्य टुकड़ियों ने हमला किया, जो कठिन जंग लड़ने में माहिर थीं। रूसी सेना के ब्लॉग में बताया गया कि यूक्रेन का हमला बहुत तेज था, उसकी सैन्य टुकड़ियां तेज रफ्तार हथियारबंद वाहनों के साथ सीमा में घुसी। अचानक हुए इस हमले को रूसी सैनिक समझ नहीं पाए और उनमें बौखलाहट नजर आई।

सहयोगियों को संदेश

यूक्रेन ने जिस क्षेत्र पर नियंत्रण का दावा किया है, वह करीब 50 मील लंबा और 20 मील चौड़ा इलाका है। रूस और यूक्रेन के क्षेत्रफल की तुलना में यह कुछ नहीं है, लेकिन इसका राजनीतिक असर ज्यादा महत्वपूर्ण है। कुछ विश्लेषकों का तर्क है कि यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों को यह दिखाना चाहता है कि उसकी सेना लड़ाई जारी रख सकती है।

श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर

एकमात्र ज्योतिर्लिंग, जहां भगवान शिव के साथ ब्रह्मा और विष्णु का वास

ज्योतिर्लिंग यात्रा... 09

नासिक @ पत्रिका. श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 35 किमी दूर ब्रह्मगिरी नामक पर्वत के पास स्थित है, जहां से गोदावरी नदी बहती है। मंदिर में तीन छोटे-छोटे शिवलिंग हैं। ये तीन शिवलिंग ब्रह्मा, विष्णु और शिव के नाम से जाने जाते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में ब्रह्मगिरी पर्वत पर देवी अहिल्या के पति गौतम ऋषि रहते थे। एक बार गौतम ऋषि पर गौ-हत्या का आरोप लगा और वे पत्नी अहिल्या के साथ एक कोस दूर जाकर रहने लगे। ऋषि ने वहां रहने वाले ब्राह्मणों से प्रायश्चित और उद्धार का उपाय पूछा। उन्हें बताया गया कि तीन बार पृथ्वी की परिक्रमा करो। फिर लौटकर यहां एक महीने तक व्रत करो। यह न कर पाओ तो यहां गंगा जी को लाकर उनके जल से स्नान कर पार्थिव शिवलिंग बनाकर शिवजी की आराधना करो। तब गौतम ऋषि ने शिवलिंग की स्थापना करके शिव की पूजा शुरू की। प्रसन्न होकर शिव-पार्वती प्रकट हुए और उन्हें वरदान मांगने को कहा। महर्षि गौतम ने कहा कि भगवान आप मुझे गौ हत्या के पाप से मुक्त कर दीजिए और भगवान शिव ने उन्हें पाप से मुक्त कर दिया। फिर सभी ऋषि, मुनियों और देव गणों के आग्रह पर भगवान शिव त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हो गए और मां गंगा गौतमी के रूप में वहां बहने लगी। अब यह गौतमी नदी गोदावरी के नाम से जानी जाती है।

मंदिर का पुनर्निर्माण

अति प्राचीन इस मंदिर का पुनर्निर्माण तीसरे पेशवा बालाजी ने (1740-1760) एक पुराने मंदिर के स्थल पर करवाया था। इस मंदिर के पंचकोशी में कालसर्प योग, त्रिपिंडी विधि और नारायण नागबलि की पूजा संपन्न होती है।

जम्मू- कश्मीर

अगले सप्ताह हो सकती है विधानसभा चुनाव की घोषणा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. निर्वाचन आयोग अगले हफ्ते जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर सकता है। केंद्र शासित प्रदेश में 5 चरणों में चुनाव कराया जा सकता है। चुनाव आयोग की टीम 8 से 10 अगस्त तक श्रीनगर और जम्मू का दौरा कर चुकी है। चुनाव आयोग इस हफ्ते के अंत तक केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ एक बैठक करेगा। इसमें सुरक्षा पर समीक्षा की जाएगी। फिर चुनाव आयोग की तरफ से जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तारीखों पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

बलिदान स्तंभ : शहीदों के सम्मान में जगमग स्मारक

जम्मू. शहीदों की याद में जगमग बलिदान स्तंभ। जम्मू-कश्मीर में लड़े गए कई युद्धों के शहीदों के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए जम्मू में यह बलिदान स्तंभ बनाया गया था। यह काफी पुराना युद्ध स्मारक भी है।

मध्य-पूर्व : तनाव बढ़ने की आशंका

हमास का इजरायल पर हमला, घातक एम-90 रॉकेट दागे

तेल अवीव @पत्रिका. फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास ने मंगलवार को इजरायल पर दो घातक एम-90 रॉकेट दागे। हमले से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। इजरायली सेना ने कहा, रॉकेट तेल अवीव के पास समुद्र में गिरा। यह हमला ऐसे वक्त किया गया है जब हमास ने नए दौर की बातचीत की बजाय समझौता लागू करने पर जोर दिया था। गौरतलब है कि पिछले वर्ष हमास के बर्बर हमले के बाद इजरायल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। मंगलवार को खान यूनिस में इजरायल की हमले से एक परिवार के 10 लोगों की मौत हो गई, लेकिन मलबे से तीन माह की बच्ची को बचा लिया गया।

अमरीका ने चेताया

वाइट हाउस ने खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए अमरीका ने कहा है कि ईरान जल्द ही इजरायल पर बड़ा हमला कर सकता है। प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हमला इसी हफ्ते हो सकता है। ईरान हाल ही दो हमलों को लेकर इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में है। उधर पश्चिमी देशों की तनाव कम करने की नसीहत पर ईरान के राष्ट्रपति पेजश्कियन ने कहा, हमें जवाबी कार्रवाई के लिए किसी से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है।

ट्रेंडिंग न्यूज

एर्दोआन का अपमान करने पर महिला गिरफ्तार

तुर्की में इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना व राष्ट्रपति रेसप तैयप एर्दोआन के कथित अपमान पर एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला ने कहा था कि राष्ट्रपति इंस्टा पर बैन नहीं लगा सकते।

बुशरा बीबी की जमानत याचिका खारिज

पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने 9 मई, 2023 की हिंसा से जुड़े 12 मामलों में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत याचिका खारिज कर दी। इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। अदालत कहा, मामले में अभी गहन जांच की जरूरत है।

अब नहीं सुनेगी पोकेमॉन में राचेल की आवाज

एनिमेटेड सीरीज पोकेमॉन में मिस्टी और जेसी की आवाज के लिए मशहूर रेचल लिलिस का लॉस एंजिल्स में निधन हो गया। 46 वर्षीय लिलिस ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थीं। मई 2024 में उनकी बीमारी का पता चला।

खुश खबर | जांजगीर चांपा के किसान ने कराया पेटेंट

मधुमेह मरीजों के लिए रामबाण यह चावल

पत्रिका संजय राठौर
patrika.com

जांजगीर-चांपा. जिले का एक प्रगतिशील किसान ऐसे धान की खेती कर रहा है जिसका चावल मधुमेह (शुगर) के मरीजों के लिए रामबाण साबित हो सकता है। यही वजह है कि इस चावल की कीमत दवा से भी महंगी है। किसान ने इस प्रजाति के चावल का पेटेंट भी करा लिया है।बम्हनीडीह ब्लाक के ग्राम लखुर्री का किसान रामप्रकाश केशरवानी 'महेश्वर फूल चावल' की खेती कर रहा है। किसान ने 5 एकड़ रकबे में धान की खेती की है। धान से निकलने वाले चावल की कीमत 3 हजार रुपए किलो बताई जा रही है।

किसान ने खेत में धान की फसल, जिसके चावल की कीमत 3 हजार रुपए किलो है

आईजीकेवी से हुई शुगर फ्री की पुष्टि

किसान रामप्रकाश ने बताया कि शुगर फ्री चावल की पुष्टि के लिए चावल का सेंपल रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) भेजा था। संस्थान के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर शुभ बनर्जी और विपिन पांडेय की टीम ने प्रयोगशाला में प्रयोग किया और पाया कि इस चावल में गेहूं के बजाए 25 फीसदी शुगर की मात्रा कम है। उन्होंने बताया कि गेहूं में यदि 75 फीसदी शुगर की मात्रा होती है तो इस चावल में 52 फीसदी तक शुगर की मात्रा है।

पेटेंट के लिए आया पत्र, टैग भी मिला

रामप्रकाश ने धान का पेटेंट कराने के लिए आवेदन केंद्र को भेजा था। किसान को अब स्पेशल टैग भी मिल गया है, जिसमें संयुक्त पंजीकार दिपल रॉय चौधरी ने किसान को प्रमाण पत्र प्रदान किया है।

शोध | कैंसर से मौतें 93% बढ़ेंगी, फेफड़े का कैंसर होगा सबसे ज्यादा खतरनाक

2050 तक 84% बढ़ सकते हैं कैंसर के मामले

पत्रिका पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. साल 2050 तक दुनियाभर में पुरुषों में कैंसर और कैंसर से होने वाली मौत के मामले तेजी से बढ़ने लगेंगे। एक नए अध्ययन के अनुसार, साल 2050 तक पुरुषों में कैंसर के मामलों में 84% और मौतों में 93% की बढ़ोतरी हो सकती है।

2022 में जहां पुरुषों में कैंसर के 54 लाख मामले सामने आए थे, वहीं 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर 1 करोड़ 5 लाख हो सकती है। अमरीकन कैंसर सोसायटी के जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार शोधकर्ताओं ने पुरुषों में कैंसर के अध्ययन के लिए 185 देशों में 30 तरह के कैंसर पर शोध किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, पुरुषों में महिलाओं की तुलना में सिगरेट और शराब पीने की प्रवृत्ति अधिक होती है।

65 से ज्यादा उम्र वालों में बचने की संभावना कम

शोधकर्ताओं ने बताया कि 65 साल से ज्यादा उम्र वाले पुरुषों में जवान लोगों के मुकाबले कैंसर से बचने की संभावना कम होती है। अधिक उम्र वाले थेरेपी को सहन नहीं कर पाते। कुछ लोग इलाज का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते है। 2050 तक बुजुर्ग पुरुषों में कैंसर से होने वाली मौत का आकड़ा 2022 के 34 लाख से बढ़कर 77 लाख तक पहुंच सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि अफ्रीका और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में साल 2050 तक कैंसर के नए मामले और मौतों की संख्या में 2.5 गुना वृद्धि हो सकती है। यूरोप में सिर्फ इसकी आधी वृद्धि हो सकती है।

सबसे ज्यादा बढ़ेगा फेफड़ों का कैंसर

2050 तक बढ़े हुए कैंसर के मामलों और मौतों का सबसे बड़ा कारण फेफड़ों का कैंसर होगा। 2050 तक फेफड़े के कैंसर के मामलों में 87% से ज्यादा बढ़ोतरी देखी जाएगी। इसके बाद प्रोस्टेट और कोलोरेक्टल कैंसर के मामले सबसे ज्यादा बढ़ेंगे।

'स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी'